THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

30 जुलाई को कोर्ट में पेश होंगे बिभव कुमार

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने स्वाति मालीवाल मारपीट मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी बिभव कुमार के खिलाफ तीस हजारी कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। दिल्ली पुलिस ने स्वाति मालीवाल मारपीट मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी बिभव कुमार के खिलाफ तीस हजारी कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। इस दौरान बिभव कुमार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के समक्ष पेश हुए। अदालत ने आरोप पत्र पर बिभव कुमार के खिलाफ समन जारी किया। अदालत ने दिल्ली पुलिस को बिभव कुमार को 30 जुलाई को पेश करने का निर्देश दिया।

वर्ष-29 अंक : 115 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ शु.11 2081 बुधवार, 17 जुलाई-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ⁂ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

केसीआर के खिलाफ

जांच समिति से पूर्व जज ने वापस लिया अपना नाम

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पटना उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एल नरसिम्हा रेड्डी ने मंगलवार को तेलंगाना सरकार की तरफ से गठित एक सदस्यीय जांच आयोग से खुद को अलग कर लिया, ये जांच समिति राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कार्यकाल के दौरान बिजली क्षेत्र में कथित अनियमितताओं में भूमिका की जांच कर रही थी।

केसीआर की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने की सुनवाई :

सुप्रीम कोर्ट जांच आयोग के प्रमुख के खिलाफ पक्षपात का आरोप लगाने वाली तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट को पूर्व जज एल नरसिम्हा रेड्डी के वकील ने बताया कि वह आयोग का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं।

पूर्व जज के बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई असहमति :

दरअसल भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने इस दलील पर गौर किया और कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को जांच आयोग में पूर्व जज रेड्डी को शामिल करने की अनुमति दे दी। इस दौरान शीर्ष अदालत ने मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता की दलीलों पर गौर किया। जिस पर केसीआर के वकील ने कहा कि पूर्व न्यायाधीश ने बिना किसी जांच के के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ आरोपों के गुण-दोष पर कुछ टिप्पणियां करते हुए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने उनके बयानों पर असहमति जाहिर की।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने खारिज की थी केसीआर की याचिका :

बता दें कि केसीआर को झटका देते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 1 जुलाई को उनके तरफ से दायर एक रिट याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें बीआरएस शासन के दौरान बिजली क्षेत्र में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए जांच आयोग के गठन को अवैध घोषित करने की मांग की गई थी। जिसके बाद राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री की तरफ से सुप्रीम कोर्ट का रुख किया गया था। अपनी याचिका में, तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री ने तेलंगाना सरकार के उस आदेश को अवैध घोषित करने की मांग की, जिसमें तेलंगाना बिजली वितरण कंपनियों की तरफ से छत्तीसगढ़ से बिजली खरीद और टीएस जेनको की तरफ से ...>14

पूर्व लोकसभा सांसदों को बेदखली नोटिस

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा के 200 से ज्यादा पूर्व सांसदों को सरकारी आवास खाली करने के लिए नोटिस भेजा गया है। दिल्ली के लुटियंस जोन में रह रहे इन पूर्व सांसदों को जल्द से जल्द बंगले खाली करने को कहा गया है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि नए सांसदों को घर जल्दी मिल सकें। नियमों के मुताबिक पूर्व सांसदों को लोकसभा भंग होने के एक महीने के भीतर सरकारी आवास खाली करना होता है।

एक अधिकारी ने बताया, चूंकि समय सीमा खत्म हो चुकी है, इसलिए नोटिस जारी किए गए हैं। अगर पूर्व सांसद मकान खाली नहीं करते हैं, तो बेदखली की प्रक्रिया शुरू की जाएगी और उनके घरों पर टीम भेजी जाएगी। लोकसभा हाउस कमेटी सांसदों को आवास आवंटित करती है, जबकि केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के तहत संपदा निदेशालय मंत्रियों को बंगले आवंटित करता है। >14

मानहानि मामले पर जल्द फैसला होना राहुल गांधी का वैधानिक अधिकार

(हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी)

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने कहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को उनके खिलाफ चल रहे मानहानि के मामले में जल्द फैसला पाने का वैधानिक अधिकार है। न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चह्वाण की एकल पीठ ने 12 जुलाई को दिए आदेश में कहा कि संविधान का अनुच्छेद 21 हर किसी को तुरंत और स्वतंत्र और निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार प्रदान करता है।

हाईकोर्ट ने दी राहुल गांधी को राहत :

उच्च न्यायालय ने मजिस्ट्रेट अदालत के उस आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें मजिस्ट्रेट ने राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा करने वाले आरएसएस कार्यकर्ता को मामले में नए और अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की अनुमति दी थी। मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ ही राहुल गांधी ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया था, जहां से उन्हें थोड़ी राहत मिली है।

क्या है मामला : गौरतलब है कि आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंटे ने 2014 में भिवंडी में मजिस्ट्रेट अदालत में मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें दावा किया गया था कि कांग्रेस नेता ने एक भाषण के दौरान झूठा और अपमानजनक बयान दिया था कि महात्मा गांधी की हत्या के लिए संघ जिम्मेदार है। इस पर मजिस्ट्रेट अदालत ने 2023 में कुंटे को राहुल गांधी के भाषण की प्रतिलिपि प्रस्तुत करने की अनुमति दी थी। इस पर राहुल गांधी ने अपने खिलाफ जारी समन को रद्द करने की मांग करते हुए साल 2014 में दिए अपने भाषण की भी जानकारी दी।

हाईकोर्ट की टिप्पणी :

न्यायमूर्ति चह्वाण ने अपने आदेश में कुंटे पर सवाल उठाया और कहा कि उनके आचरण के कारण इस मामले में बेवजह की देरी हो रही है। उच्च न्यायालय ने कहा, प्रतिवादी संख्या 2 (कुंटे) भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के मद्देनजर शिकायत के गुण-दोष के आधार पर उस पर जल्द से जल्द निर्णय पाने के याचिकाकर्ता (राहुल गांधी) के वैध अधिकार को रोकने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पीठ ने मजिस्ट्रेट को यह भी निर्देश दिया कि वह शिकायत पर शीघ्र निर्णय लें और उसका निपटारा करें क्योंकि यह एक दशक से लंबित है।

संसद सत्र से पहले सरकार ने 21 जुलाई को बुलाई सर्वदलीय बैठक : तृणमूल कांग्रेस नहीं होगी शामिल

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने 21 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। सर्वदलीय बैठक 21 जुलाई को सुबह 11 बजे दिल्ली के संसदीय सौध स्थित मुख्य समिति कक्ष में होगी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा। सत्र 12 अगस्त को समाप्त हो सकता है। सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के सदन के नेताओं की इस पारंपरिक बैठक में पहली बार नेता प्रतिपक्ष के रूप कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शामिल होंगे।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस का कोई भी प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल नहीं होगा। इसकी वजह बताई गई कि टीएमसी 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मनाती है। तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता डेरेक ओब्रायन ने रिजिजू को पत्र लिखकर बताया कि उनकी पार्टी इस बैठक में शामिल नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा कि 30 वर्षों से 21 जुलाई को बंगाल में हमारे 13 साथियों के सम्मान में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो 1993 में पुलिस की गोलीबारी में गैरकानूनी रूप से मारे गए थे।

'राशन कार्ड के लिए एक महीने में पूरा करें प्रवासी श्रमिकों का पंजीकरण'

अदालत का राज्यों को सख्त निर्देश

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। देश की सर्वोच्च अदालत ने राज्य सरकारों को प्रवासी श्रमिकों के पंजीकरण में देरी को लेकर फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने सख्त निर्देश दिए हैं कि ई-श्रम पोर्टल पर एक महीने के भीतर श्रमिकों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। पंजीकरण होने के बाद श्रमिकों को राशन कार्ड दिए जाएंगे।

अदालत ने पंजीकरण में देरी को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया :

इसके अलावा शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि जिन राज्यों में पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी हो गई है, वहां प्रवासी श्रमिकों के लिए अनाज की व्यवस्था की जाए। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने राज्यों द्वारा पंजीकरण में देरी को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। अदालत ने कहा कि अगर किसी राज्य के द्वारा तय समयावधि में पंजीकरण प्रक्रिया में देरी हुई, तो संबंधित सचिवों को तलब किया जाएगा।

शीर्ष अदालत ने लगाई फटकार :

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को कड़ी फटकार लगाई। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कहा, आखिर क्यों चार महीनों में पंजीकरण की प्रक्रिया को पूरा नहीं किया गया? ये हद है। चार महीने के बाद भी आप इस प्रक्रिया में लगे हैं और यह कहने का दुस्साहस कर रहे हैं कि दो महीने और चाहिए। हम निर्देश देते हैं कि इस प्रक्रिया को चार सप्ताह के भीतर पूरा कर लिया जाए। शीर्ष अदालत ने कहा कि अब तक केवल बिहार और तेलंगाना में प्रवासी श्रमिकों की सौ प्रतिशत पंजीकरण प्रक्रिया संपन्न हुई है।

याचिकाकर्ताओं के वकील ने क्या कहा

याचिकाकर्ताओं की तरफ से अदालत में पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि कुछ राज्यों ने पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली है लेकिन, कुछ राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने इस प्रक्रिया की शुरूआत तक नहीं की। शीर्ष अदालत में अब इस मामले की सुनवाई 27 अगस्त को होगी।

ममता ने कलकत्ता हाई कोर्ट से कहा

बयानों में कुछ भी अपमानजनक नहीं

कोलकाता, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाई कोर्ट को बताया कि उन्होंने राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के उनके बयान में कुछ भी अपमानजनक नहीं था। ये दलीलें जस्टिस कृष्ण राव की एकल पीठ के समक्ष बनर्जी के वकील पूर्व महाधिवक्ता एस.एन. मुखर्जी ने राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे में दी। मुख्यमंत्री पर आरोप है कि उन्होंने यह कहकर राज्यपाल सीवी आनंद बोस की मानहानि की है कि उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के कारण महिलाएं उनसे मिलने में सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं।

सीएम ममता बनर्जी की ओर से पेश हुए अधिवक्ता सौमेंद्रनाथ मुखोपाध्याय ने कोर्ट को बताया कि उनके मुवक्किल के भाषण में कुछ भी मानहानि वाली बात नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने एक जगह जो कहा, 'राजभवन में जो कुछ हुआ, उसे देखते हुए महिलाएं राजभवन में जाने में सुरक्षित महसूस नहीं करतीं', इसमें मानहानि कहां है? यह मामला तो बहुत पहले ही लोगों के सामने आ चुका है। मीडिया में की गई तमाम टिप्पणियों को देखते हुए, जब तक मीडिया को मामले में पक्ष नहीं बनाया जाता, तब तक मामले को स्वीकार नहीं किया जा सकता। टीएमसी की नवनिर्वाचित विधायक रेयात हुसैन के वकील किशोर दत्ता ने सुनवाई के दौरान कहा कि उनकी मुवक्किल के खिलाफ मीडिया ट्रायल का आरोप यह है कि उन्होंने मीडिया में राज्यपाल के खिलाफ गलत प्रचार किया है, लेकिन सार्वजनिक हस्तियों द्वारा इस तरह की बातें बोलना और चर्चा करना सामान्य बात है।

स्वदेशी कंपनियों से ही खरीदे जाएंगे 346 रक्षा उत्पाद

हजार करोड़ से ज्यादा का होगा फायदा

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भरता की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और रक्षा उत्पादों को आयात को कम करने के लिए रक्षा उत्पादन विभाग ने 346 वस्तुओं की पांचवीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची (पीआईएल) जारी की है। इस सूची में रणनीतिक रूप से अहम लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट, सिस्टम, सब-सिस्टम, असेंबली, सब-असेंबली और रक्षा उत्पादों के लिए कच्चा माल शामिल है। इसके बाद सरकारी रक्षा कंपनियां इन उत्पादों का आयात नहीं कर सकेंगी।

भारतीय रक्षा उद्योग को होगा बड़ा फायदा :

रक्षा मंत्रालय ने साल 2020 में सृजन डिफेंस पोर्टल लॉन्च किया था। इस पोर्टल पर रक्षा उत्पादन विभाग और सेवा मुख्यालय, एमएसएमई कंपनियों और विभिन्न स्टार्ट-अप सहित उद्योगों को स्वदेशीकरण के लिए रक्षा वस्तुएं प्रदान करते हैं। स्वदेशीकरण की जो नई सूची तैयार की गई है, उनकी एक समयसीमा के बाद भारतीय उद्योगों से खरीद की जाएंगी। इससे आयात के 1,048 करोड़ रुपये बचेंगे। साथ ही इससे अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी और रक्षा क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। इसके अलावा इस कदम से अकादमिक और अनुसंधान संस्थानों की भागीदारी के चलते घरेलू रक्षा उद्योग की डिजाइन क्षमता भी बढ़ेगी। जिन वस्तुओं की सूची जारी की गई है, उन्हें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, बीईएमएल लिमिटेड, इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड, हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड जैसी कंपनियों द्वारा तैयार किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला, कैप्टन समेत 5 जवान शहीद

श्रीनगर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के डेसा में आतंकवादियों की फायरिंग में सेना के कैप्टन समेत 4 जवान शहीद हो गए। एक पुलिस कर्मी की भी मौत हुई है। यानी कुल 5 लोगों की जान गई है। राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस यहां सोमवार से ही सर्च ऑपरेशन चला रही थी। सर्चिंग के दौरान आतंकी फायरिंग करते हुए भागे। घना जंगल होने की वजह से वे बच निकले। सोमवार रात 9 बजे के आसपास फिर गोलीबारी हुई। इसमें 5 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। शहीद हुए राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों में कैप्टन बृजेश थापा पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग के और सिपाही बृजेंद्र, सिपाही अजय राजस्थान के झुंझुनूं के रहने वाले थे। नायक डी राजेश की जानकारी सामने नहीं आई है। >14

सुप्रीम कोर्ट को मिले दो नए जज

> अब शीर्ष अदालत में न्यायाधीश का एक भी पद खाली नहीं

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह और न्यायमूर्ति आर महादेवन को मंगलवार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। बता दें, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स के जरिए इन नियुक्तियों की घोषणा की।

फिर से 34 होगी न्यायाधीशों की संख्या :

गौरतलब है, दोनों न्यायमूर्तियों के शपथ ग्रहण करने के बाद न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित कुल न्यायाधीश फिर से 34 हो जाएंगे, जो शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की स्वीकृत अधिकतम संख्या है।

फिलहाल इस अदालत के न्यायाधीश :

जम्मू-कश्मीर के मुख्य न्यायाधीश एन कोटिश्वर सिंह मणिपुर से शीर्ष न्यायालय में नियुक्त होने वाले पहले न्यायाधीश बन गए हैं। वहीं, न्यायमूर्ति महादेवन वर्तमान में मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश हैं।

टीटीपी दुनिया के लिए बन सकता है खतरा

> संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, तालिबान का गठजोड़ बढ़ाएगा टेंशन

संयुक्त राष्ट्र, 16 जुलाई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) अफगानिस्तान में सबसे बड़ा आतंकवादी समूह बना हुआ है और अल-कायदा व उसके बीच गहरी साठगांठ इसे 'क्षेत्र से बाहर के एक खतरे' में बदल सकती है। तालिबान और अन्य संबद्ध व्यक्तियों व संस्थाओं के संबंध में विश्लेषणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी दल की 15वीं रिपोर्ट में कहा गया है कि टीटीपी अफगानिस्तान में सबसे बड़ा आतंकवादी समूह बना हुआ है और उसके लड़ाकों की अनुमानित संख्या 6,000-6,500 है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एक सदस्य देश ने चिंता जताई है कि टीटीपी और अल-कायदा के बीच गहरी साठगांठ टीटीपी को क्षेत्र से बाहर के एक खतरे में

बदल सकती है। इसमें कहा गया है कि अल-कायदा द्वारा टीटीपी का सहयोग करने में उसके 'तश्कीलों' (इस संदर्भ में लड़ाकों की टुकड़ी) और अफगानिस्तान में प्रशिक्षण शिविरों के लिए अफगान लड़ाकों को भेजना शामिल है। भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा द्वारा प्रदान किए गए प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप टीटीपी की रणनीति में बदलाव आया है और उसने कई बड़े हमलों को अंजाम दिया है।

हथियारों की सप्लाई में हक्कानी

रिपोर्ट में कहा गया है, एक वार्ताकार ने टीटीपी को हथियार हस्तांतरण में सिराजुद्दीन हक्कानी से जुड़े एक व्यक्ति की भूमिका का उल्लेख किया है, साथ ही इस्लामिक स्टेट (खोरासन) के कैदियों को इस शर्त पर रिहा करने की व्यवस्था की कि वे टीटीपी में शामिल हों। हक्कानी अफगानिस्तान में तालिबान सरकार में अंदरूनी मामलों का मंत्री है जिसे वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया है।

तालिबान का क्या है दावा :

इसमें कहा गया है, तालिबान लगातार दावा करता रहा है कि अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट (खोरासन) के अलावा कोई विदेशी आतंकवादी समूह नहीं है। लेकिन सदस्य देशों ने बताया है कि इस देश में 24 से अधिक समूह सक्रिय हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, कई सदस्य देशों ने चिंता जतायी है कि अधिकांश परिदृश्यों में अफगानिस्तान मध्य एशिया और क्षेत्र के लिए असुरक्षा का स्रोत बना रहेगा। टीटीपी लगातार पाकिस्तान में हमलों को अंजाम देता है। इससे सैकड़ों लोग मारे गए हैं।

ट्रेनी आईएएस ऑफिसर पूजा खेडकर की ट्रेनिंग रद्द

पुणे, 16 जुलाई (एजेंसियां)। विवादों में घिरीं ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर पर बड़ी कार्रवाई की गई है। उनकी ट्रेनिंग को रद्द करते हुए वापस अकादमी आने के निर्देश दे दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, सरकार ने पूजा खेडकर की आईएएस परिवीक्षा को स्थगित कर दिया है। उन्हें लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में रिपोर्ट करने को कहा गया है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (पी) नितिन गद्रे के पत्र के मुताबिक, एलबीएसएनएए, मसूरी ने आपके जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम को स्थगित रखने और आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए आपको तुरंत वापस बुलाने का फैसला किया है। पूजा खेडकर 2023 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। पूजा खेडकर पर आरोप है कि उन्होंने खुद को ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर वर्ग से बताकर यूपीएससी में चयन हासिल किया।

मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई करने के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार

सीबीआई और ईडी से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई करने को सहमत हो गया। बता दें, दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामलों में जमानत के लिए सिसोदिया की याचिकाओं पर सुनवाई के लिए शीर्ष अदालत सहमत हुआ है।

न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने सिसोदिया की याचिकाओं पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा। वहीं, मामले की सुनवाई के लिए 29 जुलाई की तारीख तय की। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ, सिसोदिया की उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें उन्होंने आबकारी नीति से संबंधित भ्रष्टाचार और धनशोधन मामलों में अपनी याचिकाओं को फिर से शुरू करने के लिए एक आवेदन के साथ जमानत का अनुरोध किया था। सीबीआई ने सिसोदिया को शराब नीति मामले में उनकी कथित भूमिका के लिए 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। ईडी ने उन्हें नौ मार्च 2023 को सीबीआई की प्राथमिकी पर आधारित धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। उन्होंने पिछले साल 28 फरवरी को दिल्ली मंत्रिमंडल से इस्तीफ दे दिया था। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश संजय कुमार ने दिल्ली आबकारी नीति संबंधी कथित घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में हैदराबाद के व्यवसायी अभिषेक बोइनपल्ली की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से मंगलवार को खुद को अलग कर लिया।

हलफनामा दो, नहीं तो लगेगा जुर्माना

रेत के अवैध खनन पर सुप्रीम कोर्ट नाराज, इन चार राज्यों को नोटिस जारी कर 6 हफ्तों में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने अवैध रेत खनन मामलों की जांच और इसमें शामिल संस्थाओं के पट्टे समाप्त करने की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश से छह सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि यदि राज्य छह सप्ताह में जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं करते हैं तो उन पर 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि यद्यपि 20,000 रुपये का जुर्माना कथित अवैध रेत खनन के मूल्य के अनुरूप नहीं है, फिर भी यह राज्यों को हलफनामा दाखिल करने के लिए बाध्य करेगा। पीठ ने मामले को नवंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

'बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन चल रहा है'

याचिकाकर्ता एम. अलगरसामी की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि याचिका 2018 की है और कहा कि चार राज्यों ने नोटिस जारी किए जाने के बावजूद अवैध रेत खनन की स्थिति पर हलफनामा दायर नहीं किया है। अधिवक्ता प्रणव सचदेवा की सहायता से भूषण ने कहा कि बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन चल रहा है। इससे पर्यावरण को नुकसान हो रहा है और अब तक केवल पंजाब सरकार ने ही अपना जवाब दाखिल किया है।

केंद्र और सीबीआई को भी याचिका पर जवाब देने का मिला निर्देश

उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता ने तमिलनाडु के बारे में एक संक्षिप्त नोट दायर किया है और राज्य को इस पर जवाब देना चाहिए। इस दलील पर गौर करने के बाद पीठ ने तमिलनाडु से इस दावे पर जवाब देने को कहा। 24 जनवरी, 2019 को शीर्ष अदालत ने नोटिस जारी कर केंद्र, सीबीआई और पांच राज्यों को याचिका पर जवाब देने का निर्देश दिया था।

अवैध रेत खनन से हो रहा पर्यावरण को नुकसान

याचिका में देश भर में नदियों और समुद्र तटों पर अवैध रेत खनन के मुद्दे को उजागर किया गया है और आरोप लगाया गया है कि इससे 'पर्यावरणीय तबाही' हुई है और संबंधित प्राधिकारियों ने अनिवार्य पर्यावरणीय योजना और मंजूरी के बिना संस्थाओं को काम करने की अनुमति दी है।

नोएडा में विंटेज कार को बार बना शराब पीना पड़ा महंगा पुलिस ने चार को भेजा जेल

नोएडा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। शराब के शौकीन कई बार इस बात ख्याल नहीं रखते कि खुले में कार को बार बनाना कानूनन अपराध है। नोएडा के सेक्टर 73 एरिया में शादी समारोह के दौरान खुले में ऐसा करना चार लोगों को महंगा पड़ गया। नोएडा पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लेने के बाद जेल भेज दिया। नोएडा पुलिस ने सोमवार को बताया कि शादी समारोह के दौरान एक खुली जगह पर कार में शराब पीने के कारण नोएडा में चार लोगों को जेल भेज दिया गया है। नोएडा पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को रविवार को खुले में शराब पीने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्हें सेक्टर 113 पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित सेक्टर 73 में एक बैंक्वेट हॉल के पास एक कार में खुलेआम कुछ लोग शराब पीते नजर आए।

32 दिन में 50 जवान शहीद डोडा आतंकी हमले पर फूटा महबूबा मुफ्ती का गुस्सा

जम्मू, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर में आतंकी घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। घाटी से आए दिन आतंकी मुठभेड़ की खबरें आती हैं। सेना और आतंकियों की गोलीबारी में जवानों की शहादत के किस्से रोज चर्चा में रहते हैं। बीते दिन जम्मू कश्मीर के डोडा में आतंकियों से हुई मुठभेड़ में 4 जवान शहीद हो गए। इस पर पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती आगबबूला हो उठी हैं। जम्मू कश्मीर में बढ़ते आतंकी हमलों पर बात करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि अफसोस इस बात का है कि कश्मीर में जो हो रहा है, कोई इसकी जिम्मेदारी नहीं ले रहा है। डीजीपी को हटाया जाना चाहिए। पिछले 32 दिन में 50 जवान मारे गए, लेकिन डीजीपी राजनीतिक तरीके से चीजों को संभालने में व्यस्त हैं। उनका काम है कि पीडीपी के लोगों को कैसे तोड़ा जाए? आम लोगों को कैसे धमकाया जाए? पत्रकारों को कैसे तंग किया जाए? पासपोर्ट को हथियार बना दिया गया है।

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यूएपीए ज्यादा से ज्यादा लोगों पर लगाया जा रहा है। बिजनेसमैन रो रहे हैं, कभी ईडी की रेड और कभी आयकर विभाग की रेड। मौलवियों को भी नहीं बख्शा जा रहा। उन्हें धमकी दी जाती है कि हमारे कहने पर काम नहीं करोगे तो जेल में डाल दिया जाएगा। जम्मू कश्मीर के डीजीपी को बदला जाए। हमारे यहां पहले भी बहुत सारे डीजीपी आए हैं। उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है, मगर किसी ने सांप्रदायिक स्तर पर काम नहीं किया।

सरकार पर निशाना साधते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पूरे देश से सैनिक कश्मीर में ड्यूटी करने आते हैं, लेकिन वापस ताबूतों में जाते हैं। इसका जिम्मेदार कौन है? फिर कहते हैं कि घाटी में आतंकवाद खत्म हो गया है। पिछले 32 महीनों में, खासकर जब से नए डीजीपी की नियुक्ति हुई है, सबसे ज्यादा जवानों की जान गई है। महबूबा मुफ्ती का कहना है कि बॉर्डर की निगरानी आप करते हैं तो घुसपैठिए कैसे अंदर घुस आते हैं? क्या यह स्थानीय पार्टियों की जिम्मेदारी है? पिछले 6 साल से आपने यही धारणा बनाई थी, मगर आपको क्या मिला? उत्तरी कश्मीर में लोगों ने आपके मुंह पर तमाचा मारा है। जनता ने सभी पार्टियों को रिजेक्ट करके निर्दलीय उम्मीदवार के हक में फैसला सुनाया।

पाकिस्तान ने कर ली थी जम्मू-कश्मीर में नागरिक समाज के सभी पहलुओं में घुसपैठः डीजीपी स्वैन

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर आर स्वैन ने कहा कि जब जम्मू-कश्मीर आतंकवादी गतिविधियों के कब्जे में था, तब पाकिस्तान ने नागरिक समाज के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं में घुसपैठ कर ली थी और मुख्यधारा की पार्टियां राजनीतिक लाभ के लिए आतंकवादी 'नेटवर्क' के नेताओं को बढ़ावा दे रही थीं। स्वैन ने यहां भारतीय प्रबंध संस्थान में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि इन नेताओं के लिए मारे गए आतंकवादियों के घर जाना और सार्वजनिक रूप से उनके पीड़ितों के प्रति सहानुभूति प्रकट करना सामान्य बात थी।

उन्होंने कहा, घाटी में तथाकथित मुख्यधारा या क्षेत्रीय राजनीति की बदौलत पाकिस्तान ने नागरिक समाज के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं में सफलतापूर्वक घुसपैठ कर ली थी। स्वैन ने कहा कि आतंकवाद में शामिल होने वाले लोगों को खत्म करने की तो अनुमति दी गई, लेकिन भर्ती करने और आतंकी वित्त प्रबंधन के लिए जिम्मेदार लोगों की कभी जांच नहीं की गई।

13 लोगों के कातिल 30 जवान' 3 साल पुराने केस पर क्यों मचा बवाल

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई चंद्रचूड़ तक पहुंच गई बात

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। नगालैंड में तीन साल पहले हुई 13 लोगों की हत्या का मामला एक बार फिर गरमा गया है। इस मामले में राज्य पुलिस ने 30 सैनिकों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की थी। हालांकि केंद्र ने इन सैनिकों के खिलाफ केस चलाने की इजाजत देने से इनकार कर दिया। अब इस मामले में नगालैंड सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की है, जिस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने केंद्र सरकार और रक्षा मंत्रालय को नोटिस जारी करते हुए 4 हफ्ते में जवाब मांगा गया है।

दरअसल 4 दिसंबर, 2021 को मोन जिले में सेना के जवानों ने आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया था। हालांकि सेना की मिली खुफिया जानकारी गलत साबित हुई थी और घात लगाकर किए गए इस हमले में 13 आम लोगों की जान चल गई थी। इस मामले में नगालैंड ने अनुच्छेद 32 के तहत नागरिकों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का हवाला देते हुए रिच याचिका दायर की है।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने केस पर लगा दी थी रोक

इस मामले में आरोपी सैन्यकर्मियों की पत्नियों ने जुलाई 2022 में, सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दायर की थी। उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने 21 पैरा (स्पेशल फोर्स) की अल्फा टीम से जुड़े इन जवानों के खिलाफ केस पर रोक लगा दी थी। दरअसल केंद्र सरकार ने पिछले साल 28 फरवरी को इन कर्मियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। वहीं इन लोगों ने अपनी याचिका में दावा किया था कि केंद्र से अनिवार्य मंजूरी हासिल किए बिना ही राज्य सरकार उनके पतियों के खिलाफ मुकदमा चला रही है। उधर नगालैंड सरकार ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच को बताया, 'केंद्र सरकार के सक्षम प्राधिकारी ने बिना दिमाग लगाए और जांच के दौरान विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा जमा की गई पूरी सामग्री को देखे बिना, मनमाने ढंग से और जनहित के खिलाफ आरोपी सैन्यकर्मियों पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया है।'

क्या है पूरा मामला

राज्य सरकार ने कहा कि सेना की एंबुश टीम ने कोयला खनिकों से भरी बोलेरो पिकअप पर बिना किसी चेतावनी या पहचान पूछे गोलियां चला दीं। उधर सेना की दलील थी कि इन लोगों के पास बंदूकें और हथियार थे, उन्होंने गहरे रंग के कपड़े पहने थे और जल्दी से गाड़ी में सवार हो गए थे। इसी वजह से सैनिकों ने इन्हें मिलिटेंट समझा और एम्बुश में उनकी मौत हो गई।

इस पर राज्य सरकार ने कहा था, 'ये सब तो नगालैंड के गांवों में आम बात है। यहां शिकार के लिए बंदूकें रखना आम बात है। सेना की निगरानी टीम को नगालैंड की जमीनी हकीकत की कोई जानकारी नहीं थी।'

दिल्ली में पीएम मोदी से मिले सीएम सुक्खू

हिमाचल के मुद्दों को लेकर की चर्चा

शिमला, 16 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से राज्य के विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा की। सीएम ने पीएम मोदी के समक्ष बीबीएमबी में हिस्सेदारी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बीबीएमबी से हिमाचल को 4300 करोड़ की राशि लेनी है, जिसे सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बाद भी हिमाचल को नहीं दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने सितम्बर 2011 को हिमाचल के पक्ष में फैसला दिया और बीबीएमबी की तरफ से परिचालित विद्युत परियोजनाओं में हिमाचल की हिस्सेदारी 7.19 फीसदी तय की।

यह हिस्सेदारी 27 सितम्बर से 2011 से प्रदेश को मिलनी शुरू हो गई है लेकिन 2011 से पहले का एरियर अभी तक नहीं मिल पाया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बिजली प्रोजैक्ट्स पर 12 फीसदी फ्री रॉयल्टी जो पूर्व सरकार ने माफ की थी, उसको लेकर प्रधानमंत्री से बात की। सीएम ने न्यू पैंशन स्कीम के अंशदान और आपदा में राहत राशि के मुद्दे को भी पीएम मोदी के समक्ष उठाया। प्रधानमंत्री ने सभी मुद्दों पर सहानुभूतिपूर्ण विचार करने का आश्वासन दिया।

बिहार में मुकेश सहनी के पिता की हत्या पर संजय सिंह बोले

'यह दर्शाता है कि बिहार में कानून व्यवस्था का कितना बुरा हाल है।

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की बिहार के दरभंगा में उनके पैतृक घर में घुसकर अपराधियों ने निर्मम हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि जीतन सहनी का शव बिरौल इलाके में उनके पैतृक घर के एक कमरे के भीतर से बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि जीतन सहनी के शरीर पर चाकू से वार किए जाने के कई निशान हैं। इस नृशंस हत्या के बाद बिहार सरकार निशाने पर आ गई है। कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। इस बीच आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा, "अत्यंत दुखद घटना है, यह दर्शाता है के बिहार में कानून व्यवस्था का कितना बुरा हाल है। अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए।"

नीतीश कुमार का बयान

जीतन सहनी की हत्या पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दुख जता है। मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सरकार की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने पूर्व मंत्री मुकेश सहनी से फोन पर बातचीत कर उन्हें सांत्वना दी।

पहुंची फॉरेंसिक टीम

दरभंगा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जगुनाथ रेड्डी ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की एक टीम मौके पर पहुंच गई है और घटना की आगे की जांच कर रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से नमूने इकट्ठे किए हैं। बिहार सरकार में पूर्व मंत्री मुकेश सहनी वीआईपी के प्रमुख हैं। वीआईपी इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया गठबंधन) की सहयोगी है।

हुड्डा को शाह ने दी चुनौती, खुद को बताया बनिया का बेटा, सीएम सैनी को कॉमन मैन

महेंद्रगढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रांगण में बीसी सम्मान सम्मेलन में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बतौर मुख्यातिथि पहुंचे। केंद्रीय गृहमंत्री के अलावा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली सहित मंत्री, सांसद एवं विधायक मौजूद रहे। कार्यक्रम को लेकर प्रदेशभर से राज्य परिवहन की बसें लगाई गई। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली और सीएम सैनी ने अमित शाह का स्वागत किया। अमित शाह ने भारत माता की जय के साथ भाषण की शुरूआत की। साथ ही जनता से तीसरी बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने मंच पर मौजूद सीएम नायब सैनी को गरीब बीसी परिवार का बेटा बताते हुए उनको प्रणाम किया।

उन्होंने मंच पर मौजूद प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, कृष्णपाल गुर्जर, सांसद धर्मबीर सिंह सहित मंच पर मौजूद सभी नेताओं और ओबीसी समाज के लोगों को प्रणाम किया। उन्होंने सांसद धर्मबीर सिंह के लिए जनता से तालियां बजवाई। उन्होंने कहा कि हरियाणा कि भूमि तीन चीजों के लिए पूरा देश याद रखता है। यहां कि माताओं ने सबसे ज्यादा अनुपात में सेना में जवान भेजे हैं। दूसरा उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में जब देखते हैं तो दस में से सात मैडल हरियाणा के मिलते हैं। तीसरा उन्होंने कहा कि देश के अन्न के भंडार भरने वाला मेरा हरियाणा का किसान ही है। इन तीनों चीजों के लिए हरियाणा को प्रदेश में याद रखा जाता है। उन्होंने राव तुलाराम को भी नमन किया।

'हां घोटाला हुआ है' दलितों की भलाई के पैसों में धांधली

हमलावर हुई बीजेपी तो सीएम सिद्धारमैया ने मानी गड़बड़ी

बेंगलुरु, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य में हुए एक बड़े घोटाले की बात कबूल की। उन्होंने सोमवार को सदन में स्वीकार किया कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम में 89.6 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। उधर विपक्षी बीजेपी ने निगम में 187 करोड़ रुपये के घोटाले का दावे किया है। इस घोटाले को लेकर सोमवार को विधानसभा में बीजेपी और कांग्रेस के बीच खूब हंगामा हुआ, जिसके बाद सीएम सिद्धारमैया ने घोटाले की बात कबूल की। दअरसल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर। अशोक ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि मेहनती और ईमानदार सरकारी अधिकारी चंद्रशेखरन की जान लेने वाले घोटाले ने इस सरकार के 'दलित विरोधी' चेहरे को उजागर कर दिया है, जो खुद को दलितों की हितैषी बताती है।

बीजेपी बोली- सौ प्रतिशत खटाखट घोटाला

इस घोटाले के खिलाफ पेश स्थगन प्रस्ताव के दौरान अशोक ने कहा, 'दो प्रतिशत, तीन प्रतिशत और दस प्रतिशत के घोटाले होते थे, लेकिन वाल्मीकि निगम घोटाला तो सब पर भारी पड़ गया। यह 'सौ प्रतिशत खटाखट' घोटाला है।' उन्होंने आरोप लगाया कि अकाउंट सुप्रीटेंडेंट चंद्रशेखरन को सैर-सपाटे के बहाने गोवा ले जाया गया, जहां उन्हें पीटा गया, उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया और अवैध धन हस्तांतरण को मंजूरी देने के लिए होटल के कमरे में बंधक बनाकर रखा गया जिससे आहत होकर उन्होंने बाद में आत्महत्या कर ली। सिद्धारमैया ने अशोक को बीच में टोकते हुए निगम में घोटाले के बात तो कबूल की, लेकिन उसे पूर्व एसटी मंत्री बी नागेंद्र को चुनावी फंडिंग धोखाधड़ी से जोड़ने के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'बेल्लारी लोकसभा चुनावों के लिए फंड के बारे में कोई स्वीकारोक्ति नहीं की गई है, जैसा कि भाजपा और अशोक ने दावा किया है।'

क्या है पूरा मामला?

कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड का संचालन कर्नाटक सरकार ही करती है। यहां के अकाउंट सुप्रीटेंडेंट चंद्रशेखरन पी ने 26 मई को आत्महत्या कर ली थी और सुसाइड नोट में गलत ढंग से मनी ट्रांसफर का जिक्र किया था, जिसके बाद इस घोटाले का जिक्र हुआ।

सूफी गायक नूरां सिस्टर्स पर हमला, देर रात कार्यक्रम से लौटते समय बाइक सवारों ने की वारदात

जालंधर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जालंधर में सूफी गायक नूरां सिस्टर्स पर हमला हुआ है। देर रात नूरां सिस्टर्स वडाला चौक के पास किसी प्रोग्राम से लौट रही थीं। गुरु नानक चौक के पास बाइक सवार युवकों ने उनकी गाड़ी पर हमला कर दिया। इस मामले की शिकायत मिलने पर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी का कहना है कि वह मामले की जांच कर रहे है। आरोप है कि नूरां सिस्टर जब देर रात प्रोग्राम से लौट रही थीं तो उन्हें नहीं पता था कि बाइक सवार युवक उनके पीछे लगे हुए हैं। उन्होंने जब गुरु नानक मिशन चौक के पास गाड़ी धीरे की तो बाइक सवार युवकों ने उनकी गाड़ी पर हमला कर दिया। शिकायत के बाद पुलिस वडाला चौक से गुरु नानक मिशन चौक तक के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

केदारनाथ मंदिर का सोना चोरी: 'यह पूरा मामला करोड़ों का है

केदारनाथ धाम मामले पर कमलनाथ का बड़ा बयान

भोपाल, 16 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में बनने वाले केदारनाथ मंदिर पर ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने आरोप लगाया कि केदारनाथ में सोना घोटाला हुआ है। उस मुद्दे को क्यों नहीं उठाया जाता? वहां घोटाला करने के बाद अब दिल्ली में केदारनाथ बनेगा? फिर एक और घोटाला होगा। अब इस मुद्दे को लेकर विपक्ष ने बीजेपी सरकार को घेरा है। इस बीच मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ ने केन्द्र और राज्य सरकार से इस मामले की जांच की मांग की है। कमलनाथ ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ट्वीट कर कहा, ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी ने केदारनाथ धाम से 228 किलो सोना गायब होने की बात कही है। शंकराचार्य ने यह भी आरोप लगाया है कि केदारनाथ धाम में इतना बड़ा घोटाला होने के बावजूद जांच तक नहीं कराई गई। हिन्दुओं की आस्था के सबसे बड़े प्रतीक भगवान केदारनाथ धाम से सोना चोरी जैसा कुकर्म घृणित पाप और अक्षम्य अपराध की श्रेणी में आता है।

उन्होंने कहा कि है रानी की बात है कि इस मामले में न्याय के लिए शंकराचार्य स्वामी को स्वयं सामने आना पड़ा है। जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी द्वारा यह बताना कि इतने बड़े घोटाले की जांच तक नहीं कराई गई, बेहद गंभीर विषय है। भगवान केदारनाथ धाम से 228 किलो सोना गायब होने का यह पूरा मामला लाखों करोड़ों हिन्दुओं की भावनाओं से खिलवाड़ है। आस्थाओं पर हमला है। कमलनाथ ने कहा, मैं केन्द्र और राज्य सरकार से मांग करता हूं कि हम सबके शीर्ष गुरू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा उठाए मामले की गंभीरता से जांच करें और भगवान के घर में चोरी-घोटाले को अंजाम देने वाले दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें। दरअसल, ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने साफ कहा कि दिल्ली में केदारनाथ मंदिर का निर्माण नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि हम हिंदू धर्म को मानते हैं। हिंदू धर्म में बारह ज्योतिर्लिंग निर्धारित हैं।

पति को तलाक दिए बिना दूसरी शादी की

सुप्रीम कोर्ट का आदेश- 6 महीने दूसरा पति जेल में रहेगा, उसके बाद महिला कैद में होगी

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 15 जुलाई को महिला और उसके दूसरे पति को 6-6 महीने जेल की सजा सुनाई है। महिला ने पहले पति से तलाक लिए बिना ही दूसरी शादी कर ली थी। पहले पति ने पत्नी, सास-ससुर और पत्नी के दूसरे पति के खिलाफ केस दर्ज कराया था। सेशन कोर्ट से होता हुआ केस सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। जस्टिस सीसी रविकुमार और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने अपने फैसले में कहा है कि महिला और उसके दूसरे पति को एकसाथ जेल नहीं भेजा जाएगा। पहले महिला का दूसरा पति 6 महीने जेल में रहेगा। उसकी सजा पूरी होने के दो हफ्ते के भीतर महिला को पुलिस थाने में सरेंडर करना होगा। कोर्ट के इस फैसले के पीछे का कारण कपल का 6 साल का बेटा है। बेंच ने कहा कि बच्चे की देखभाल सही से होती रहे, इसलिए अलग-अलग सजा का प्रावधान किया गया है।

सेशन कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला, बेंच ने बदला एचसी का आदेश

दरअसल, याचिकाकर्चा (महिला का पहला पति) ने आरोप लगाया था कि उसका पत्नी से तलाक का मामला चल रहा था। पत्नी ने तलाक होने के पहले ही दूसरी शादी कर ली। याचिकाकर्ता ने पत्नी, पत्नी के दूसरे पति और पत्नी के माता-पिता के खिलाफ केस दर्ज कराया था। पहले पति का आरोप था कि पत्नी को सास-ससुर ने ही दूसरी शादी के लिए बढ़ावा दिया था। मामले की सुनवाई ट्रायल कोर्ट में हुई थी। कोर्ट ने महिला के माता-पिता को इस मामले में बरी कर दिया था। लेकिन महिला और उसकी दूसरे पति को आईपीसी की धारा 494 के तहत 1-1 साल जेल की सजाई सुनाई थी और 2 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था। ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ महिला के पहले पति ने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई हुई और मद्रास हाईकोर्ट ने महिला और उसके दूसरे पति को अदालत उठने तक कारावास और 20 हजार रुपए के जुर्माना की सजा सुनाई थी। मद्रास हाईकोर्ट के फैसले से नाखुश महिला के पहले पति ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और याचिका दाखिल की थी। सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया और महिला को उसके दूसरे पति सहित 6-6 महीने की जेल की सजा सुनाई। साथ ही 20 हजार रुपए के जुर्माने को घटाकर 2 हजार रुपए कर दिया।

रोहिणी में युवक की चाकू गोदकर हत्या, आपसी रंजिश का मामला; तीन संदिग्ध दबोचे

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में वारदातों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। केएन काटजू मार्ग के रोहिणी सेक्टर 17 इलाके में सोमवार रात एक युवक की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त रोहिणी सेक्टर 17 निवासी 22 साल के शक्ति के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में मृतक का कुछ लड़कों से रंजिश की बात सामने आई है। पुलिस ने आस पास रहने वाले तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 17 जुलाई, 2024 3

युविचार

हमें अपनी योग्यता और क्षमता के आधार पर नई जिम्मेदारी लेनी चाहिए। योग्यता और क्षमता से बड़ी जिम्मेदारी ले लेंगे तो असफल होने की संभावनाएं काफी अधिक रहेंगी।

मुख्यमंत्री नाश्ता योजना फिर से शुरू करें

केटीआर ने कांग्रेस सरकार से किया अनुरोध

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री नाश्ता योजना को रद्द करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए के. चंद्रशेखर राव सरकार द्वारा शुरू की गई योजना का और विस्तार किया जाना है।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में इस शानदार पहल को रद्द कर दिया है। केसीआर सरकार ने छात्रों के लिए नाश्ते की योजना शुरू की थी और इसे विस्तारित करने की योजना बनाई थी। सरकार से अनुरोध है कि वह अपने नासमझी भरे फैसले पर पुनर्विचार करे और नाश्ते की योजना को लागू करे। रामा राव ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा तमिलनाडु के सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में छात्रों के लिए मॉर्निंग टिफिन योजना के विस्तार का उद्घाटन करने के मद्देनजर की। पिछली बीआरएस सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में मुख्यमंत्री नाश्ता योजना शुरू की थी, जिसका उद्देश्य राज्य भर के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक नाश्ता उपलब्ध कराना था। इस पहल से राज्य के कुल 27,147 सरकारी स्कूलों के 23 लाख से ज़्यादा छात्रों को फायदा हुआ।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला जश्न की जीत नहीं : मधु याश्की

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें तेलंगाना सरकार को पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के कार्यकाल के दौरान बिजली क्षेत्र में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए गठित एक सदस्यीय जांच आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एल नरसिम्हा रेड्डी को बदलने का आदेश दिया गया है, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) अभियान समिति के अध्यक्ष मधु याश्की गौड़ ने कहा कि यह ऐसा फैसला नहीं है जिस पर बीआरएस नेता जश्न मनाएं और सुप्रीम कोर्ट ने तकनीकी बिंदुओं के आधार पर किसी अन्य न्यायाधीश को नियुक्त करने के लिए कहा है। मंगलवार को गांधी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए मधु याश्की ने न्यायमूर्ति नरसिम्हा रेड्डी के परिवर्तन पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जश्न मनाने के लिए बीआरएस नेताओं की आलोचना की और उन्हें पूरा फैसला पढ़ने का सुझाव दिया।

प्रजावाणी आवेदनों को प्राथमिकता दें : जितेंद्र

डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारियों को दिए कई निर्देश

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक जितेन्द्र ने पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी किया है कि वे प्रजावाणी कार्यक्रम के तहत प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता दें, जो जनता की शिकायतों के समाधान के उद्देश्य से राज्य सरकार की पहल है। ये अधिकारी मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कलेक्टरों और एसपी सम्मेलन में भाग लेने के लिए हैदराबाद में थे। डीजीपी जितेन्द्र ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने जिलों और कमिश्नरेट को भेजे गए आवेदनों का तुरंत समाधान करें, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इन मुद्दों के कुशल समाधान से जनता में संतुष्टि बढ़ेगी। इसके अलावा, डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों को पुलिस स्टेशनों पर दर्ज शिकायतों के आधार पर तुरंत मामले दर्ज करने और जनता के साथ शिष्टाचार से पेश आने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस आयुक्तों और एसपी द्वारा पुलिस स्टेशनों पर औचक निरीक्षण के महत्व को रेखांकित किया। जिलेवार निरीक्षणों के लिए अपनी योजनाओं की घोषणा करते हुए, डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारियों से इसी तरह के दौरे करने का आग्रह किया। डीजीपी जितेन्द्र ने हिस्ट्रीशीट की समीक्षा, शस्त्र लाइसेंस जारी करने में सावधानी बरतने, कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं से संबंधित मामलों को तेजी से निपटाने के निर्देश भी जारी किए।

उन्होंने सड़क सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया और 'नेनु सैतम' कार्यक्रम के तहत लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के प्रदर्शन की निगरानी की। डीजीपी ने स्टेशन हाउस अधिकारियों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए अपराध समीक्षा बैठकें आयोजित करने का सुझाव दिया।

मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, डीजीपी ने राज्य में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और यदि आवश्यक हो तो विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव दिया।

बैठक में अतिरिक्त डीजीपी कानून और व्यवस्था महेश एम भागवत, हैदराबाद पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी, अतिरिक्त डीजीपी शिखा गोयल, अभिलाषा बिष्ट, वीवी श्रीनिवास राव, विजय कुमार, स्टीफन रवींद्र, पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती (साइबराबाद), जी. सुधीर बाबू (राचकोंडा), आईजीएसपी एस. चंद्रशेखर रेड्डी (मल्टी जोन-1), वी. सत्यनारायण (मल्टी जोन-II), एम रमेश, के. रमेश नायडू, नारकोटिक्स ब्यूरो के निदेशक संदीप शांडिल्य सहित प्रमुख अधिकारियों के साथ-साथ अन्य पुलिस आयुक्त और जिला एसएसपी शामिल हुए।

जीवन ने खाड़ी क्षेत्र के कामगारों के परिवारों के लिए सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के विस्तार का आग्रह किया

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस एमएलसी जीवन रेड्डी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से आग्रह किया है कि मृतक खाड़ी क्षेत्र के कामगारों के परिवारों को अनुग्रह राशि के अलावा, खाड़ी देशों में कार्यरत लोगों के परिवारों को सरकारी योजनाओं में विशेष प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कांग्रेस एमएलसी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखा, जिसमें कहा गया कि कल्याणकारी योजनाओं को खाड़ी क्षेत्र के कामगारों के परिवार के सदस्यों तक बढ़ाया जाना चाहिए। एक पत्र में, जीवन रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के लगभग 15 लाख परिवार खाड़ी देशों में कार्यरत हैं और राज्य सरकार को खाड़ी क्षेत्र के कामगारों से लगभग 18,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिल रहा है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में रहने वाले तेलंगाना के कामगारों को विभिन्न कारणों से कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप वे मानसिक रूप से अवसादग्रस्त हैं, आत्महत्या कर रहे हैं, बीमारियों और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं।

वेंकैया पहली बार तेलुगु में जारी सरकारी आदेशों से खुश

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायुडू ने आज तेलंगाना में कृषि ऋण माफी योजना के कार्यान्वयन के लिए तेलुगु भाषा में सरकारी आदेश जारी करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने तेलुगु भाषा में आदेश जारी करने के लिए तेलंगाना सरकार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा सुझाव दिया है कि तेलुगु भाषी राज्यों में सरकारी आदेशों सहित प्रशासनिक मामलों को तेलुगु में जारी किया जाना चाहिए। नायुडू ने अपने ट्वीट में कहा, यह जानकर खुशी हुई कि तेलंगाना सरकार ने कृषि ऋण माफी दिशा-निर्देशों पर तेलुगु में आदेश जारी किए हैं। मुझे बहुत खुशी है कि पहली बार सरकारी आदेश तेलुगु में जारी किया गया है। जब प्रशासन लोगों के लिए होता है, तो मैंने हमेशा यह सुनिश्चित किया है कि सरकारी आदेशों और प्रशासन से संबंधित जानकारी ऐसी भाषा में होनी चाहिए जिसे लोग आसानी से समझ सकें। तेलंगाना सरकार, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कृषि सचिव रघुनंदन राव और इन आदेशों की तैयारी में शामिल अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई और लोगों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए तेलुगु में आदेश जारी करने के लिए बधाई।

गांधी भवन में बोनालु उत्सव समारोह आयोजित

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना महिला कांग्रेस के सहयोग से, मंगलवार को गांधी भवन में बोनालु उत्सव समारोह आयोजित किया गया। समारोह का आयोजन तेलंगाना महिला कांग्रेस अध्यक्ष एम सुनीता राव के नेतृत्व में किया गया और सभी जिलों से महिला कांग्रेस नेताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढोल की थाप और नृत्य के बीच गांधी भवन से भू लक्ष्मम्मा मंदिर तक बोनम ले जाया।

पार्टी की महिला विंग की समन्वयक नीलम पद्मा, उपाध्यक्ष सदा लक्ष्मी और अन्य नेता समारोह में मौजूद थे।

युवा नशे से दूर रहें : डीसीपी सृजना

ड्रग्स पर जागरूकता सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद महिला एवं बाल सुरक्षा विंग (डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू) की डीसीपी सृजना कर्णम ने कहा कि नशीली दवाओं की लत से भविष्य बर्बाद हो जाता है और हमें नशीले पदार्थों की लत को रोकने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के मुख्य सम्मेलन कक्ष में आज नशीले पदार्थों के उपयोग पर साइबराबाद पुलिस के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर डीसीपी सृजना ने कहा कि गांजा और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से युवाओं का भविष्य बर्बाद हो जाएगा। हर कोई नशे के खिलाफ लड़ना चाहता है। पुलिस कर्मी नशे के सप्लायरों का खेल खेलने को तैयार है। अमृता फाउंडेशन एनजीओ की निदेशक और शोध मनोवैज्ञानिक देविका रानी ने भी इस मुद्दे का हवाला दिया और कहा, युवा महिलाएं नशे की लत में पड़कर अपना भविष्य बर्बाद कर रही हैं। नशीली दवाओं के सेवन से उनका भविष्य अंधकारमय हो जाता है, उन्हें ऐसे पदार्थों से दूर रहना चाहिए। कार्यक्रम में साइबराबाद महिला एवं बाल सुरक्षा डीसीपी सृजना कर्णम, अमृता फाउंडेशन एनजीओ निदेशक और अनुसंधान मनोवैज्ञानिक देविका रानी, डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू एसीपी प्रसन्ना कुमार, इंस्पेक्टर सुनीता, एएचटीयू इंस्पेक्टर जेम्स बाबू और अन्य ने भाग लिया।

स्पीकर से दलबदलुओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग

बीआरएस के प्रतिनिधिमंडल ने रखी अपनी बात * कांग्रेस पर जमकर बरसे केटीआर

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर बीआरएस विधायकों को अपने पाले में करने के लिए धमकाने की रणनीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में शामिल हुए 10 बीआरएस विधायकों में से अधिकांश को राज्य सरकार की विभिन्न एजेंसियों का इस्तेमाल करके कांग्रेस में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा कि बीआरएस के कुछ विधायक शैक्षणिक संस्थान, रियल एस्टेट या अन्य व्यवसाय चला रहे थे और उन्हें डराने के लिए संबंधित विभागों का इस्तेमाल किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि दलबदल करने वाले कुछ विधायकों को पुलिस से चेतावनी मिली थी कि उनकी जान को खतरा है और वे तभी बच सकते हैं जब वे कांग्रेस में शामिल हो जाएं।

उन्होंने कहा कि जिस तरह बड़े भाई (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) विपक्षी नेताओं को डराने के लिए ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करते हैं, उसी तरह छोटे भाई (मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी) हमारे विधायकों को धमकाने के लिए राज्य एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे पहले, बीआरएस ने स्पीकर गद्दाम प्रसाद से दलबदलू विधायकों को अयोग्य ठहराने और लगातार प्रोटोकॉल उल्लंघन की शिकायत की थी। रामा राव और वरिष्ठ नेता टी हरीश राव के नेतृत्व में बीआरएस विधायकों के प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा में स्पीकर से मुलाकात की और इस संबंध में तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया।

रामा राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार विपक्षी विधायकों के अधिकारों का व्यवस्थित रूप से उल्लंघन कर रही है और जानबूझकर प्रोटोकॉल को कमज़ोर कर रही है। उन्होंने कहा कि जहां भी सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक नहीं हैं, वहां कांग्रेस सरकार विपक्ष के चुने हुए विधायकों के अधिकारों का उल्लंघन कर रही है। उन्होंने कहा कि यह असंवैधानिक व्यवहार एक आदत बन गई है, हर मौके पर प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया जाता है।

घर में एलपीजी सिलेंडर फटा, कोई हताहत नहीं

जगतियाल, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वेलगाटूर मंडल के पैडिपल्ली में मंगलवार को एक घर में एलजीपी सिलेंडर फट गया। यह घटना सत्यम नामक व्यक्ति के घर में हुई। घर से घना धुआं और आग फैल गई। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। धमाके की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और मामले की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी।

सामान्य तबादलों से सरकारी डॉक्टरों में असंतोष

अब तक अपना रिपोर्ट नहीं प्रस्तुत कर सकी है समिति
पारदर्शी होने चाहिए तबादले : डॉ. मदाला

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य विभाग में किए जा रहे सामान्य तबादलों ने तेलंगाना राज्य के सरकारी डॉक्टरों के समुदाय को असंतुष्ट कर दिया है। डॉक्टरों का एक बड़ा वर्ग राज्य में सरकारी डॉक्टरों के तबादले की प्रक्रिया को लेकर अस्पष्टता पर अपनी निराशा व्यक्त कर रहा है। वर्तमान में, सरकारी डॉक्टरों, विशेषकर जो दशकों से परिधीय क्षेत्रों (शहरी केंद्रों से दूर) में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं, के साथ शहरी केंद्रों में उनके समकक्षों के समान निष्पक्ष, समान व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए कोई उचित दिशा-निर्देश नहीं हैं। इन कठिनाइयों को दूर करने और स्थानांतरण दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों की एक समिति ने अभी तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है। इस मामले से परिचित वरिष्ठ स्वास्थ्य संकाय ने बताया कि दिशा-निर्देशों की कमी के बावजूद, राज्य सरकार मंगलवार से स्थानांतरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है।

तेलंगाना टीचिंग गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीटीजीडीए) के महासचिव डॉ. किरण मदाला ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में सामान्य तबादलों की निश्चित रूप से आवश्यकता है। हालांकि, इस प्रक्रिया में कुछ समानता होनी चाहिए। निजामाबाद या निर्मल में दूर-दराज के स्वास्थ्य सेवा केंद्र में काम करने वाले सरकारी डॉक्टर को भी अपनी पसंद चुनने का अवसर मिलना चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे हैदराबाद में ओजीएच या वारंगल में काकतीय मेडिकल कॉलेज में काम करने वाले सरकारी डॉक्टर को मिलता है। तबादले संतुलित, व्यवस्थित, निष्पक्ष और पारदर्शी होने चाहिए।

सामान्य तबादलों से उन डॉक्टरों को लाभ मिलने की संभावना कम है जो दशकों से अत्यधिक चुनौतीपूर्ण शिक्षण अस्पतालों में काम कर रहे हैं। लगभग 7 से 8 साल पहले, प्रोफेसर, एसोसिएट और असिस्टेंट प्रोफेसरों सहित लगभग 300 से 400 ऐसे डॉक्टरों को नए शिक्षण अस्पतालों में तैनात किया गया था। हालांकि, उन्हें अपने स्थानांतरण विकल्पों का उपयोग करने का अवसर कभी नहीं मिलेगा क्योंकि वारंगल और हैदराबाद जैसे शहरी केंद्रों में डॉक्टरों को प्राथमिकता दी जाएगी। टीटीजीडीए ने कहा कि यदि आप वर्तमान वरिष्ठ संकाय को प्राथमिकता नहीं देते हैं, जो दशकों से जिलों में काम कर रहे हैं, तो आप जिलों में नई प्रतिभाओं को कैसे आकर्षित करेंगे?

डॉक्टर और स्थानांतरण :

> सरकारी अस्पताल में सामान्य स्थानांतरण से डॉक्टरों में रोष/असंतोष फैल रहा है।

> स्थानान्तरण के लिए उचित दिशा-निर्देशों को अभी अंतिम रूप दिया जाना है।

> दशकों के अनुभव वाले परिधीय डॉक्टरों को कोई प्राथमिकता नहीं दी गई।

> अस्पताल के 40 प्रतिशत डॉक्टरों का स्थानांतरण किया जाएगा।

> वैवाहिक विशेषाधिकार/सुपर-स्पेशलिटी स्थिति वरिष्ठ डॉक्टरों को लंबे समय तक हैदराबाद में रहने में सक्षम बनाती है।

> डॉक्टरों का प्रतिनिधित्व करने वाले संघों ने आरोप लगाया कि उचित दिशा-निर्देशों के बिना स्थानांतरण किए जा रहे हैं।

> जिलों में वरिष्ठ शिक्षकों को शहरी केंद्रों में पदों के लिए विचार किए जाने से पहले दशकों तक काम करना पड़ता है।

> परिधीय क्षेत्रों में लगभग 300 वरिष्ठ संकाय हैं, जिन्हें सामान्य स्थानांतरण से लाभ नहीं मिल सकता है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सं.14-पीए-24-25-एसआर.डीइइ-एम-एचवायबी एन्ड 15-सीओएनटीजी-24-25-एसआर.डीइइ-एम-एचवायबी

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निर्वहणकर्ता एसआर.डीइइ/एम/एचवायबी द्वारा तत्संबंधित निविदाओं के प्रति बंद तिथि 9-8-2024, समय 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण या बिडर्स, तत्संबंधित बंद तिथि एवं समय तक ही, अपने मूल/संशोधित बोलियों को प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अस्वीकार होंगे तथा इस प्रकार के मैन्युएल आफर्स के प्राप्त होने पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

कार्य का नाम: टेन्डर नं.14-पीए-24-25-एसआर. डीइइ-एम-एचवायबी: एचवायबी डिवीजन: मलकाजिगरी कोर्डलाइन: एमजेएफ कोर्डलाइन:(आयआरपीएसएम आयडी:11.03.53.22.1.52.002) पर प्लाटफार्म्स, बुकिन्ग आफिस एवं यात्रियों की सुविधाओं का प्रावधान-बिजली व्यवस्था। अनुमानित मूल्य:रु.36,83,127/-, पूर्व धरोहर राशि:रु.73,700/-, पूरा करने की अवधि-06 महिने, बंद करने की तिथि: 9-8-2024

कार्य का नाम: टेन्डर नं.15-सीओएनटीजी-24-25-एसआर.डीइइ-एम-एचवायबी: हैदराबाद डिवीजन: रेल निलयम:-पीएफए/ओ/आरएन 'सी' ब्लाक तीसरी मंजिल, रेल निलयम में कंस्ट्रक्शन अकाउन्ट्स के लिए टेम्परारी अकामडेशन का निर्माण। --बिजली व्यवस्था। अनुमानित मूल्य:रु.34,28,372/-, पूर्व धरोहर राशि:रु.68,600/-, पूरा करने की अवधि- 06 महिने, बंद करने की तिथि: 9-8-2024

वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in

निविदा विवरण के संपूर्ण विवरण से जुड़ा नोटिस बोर्ड स्थान: एसआर.डीइइ/एम/एचवायबी, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500071

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, हैदराबाद

ई-टेन्डर नोटिस नं.443/डीआरएम/डब्ल्यू/जीएनटी

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.9-8-2024 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

टेन्डर आयडी: 2716 एसआर. डीइएन /डीइएन: नार्थ, कार्य विवरण: एसडब्ल्यू- एमआरजीए-केडीजीएल स्टेशनों के बीच आरयुबी 138 बी(एलसी नं.48) किमी 83/6-7 के प्रति कम उंचाई या लो हाइट एडीशनल वेन्ट वे का प्रावधान। एसडब्ल्यू2-पीडीजीएल -एनडीकेडी स्टेशनों के बीच आरयुबी 353ए(एलसी नं.95) किमी 147/8-9 के प्रति कम उंचाई अतिरिक्त अथवा लो हाइट एडीशनल वेन्ट वे का प्रावधान। अनुमानित मूल्य:रु.42880454/-, बोली सुरक्षा राशि राशि:रु.364400/-

टेन्डर आयडी: 2717 एसआर. डीइएन /डीइएन: नार्थ, कार्य विवरण: एसडब्ल्यू1- एनएलडीए-आरवायजीए स्टेशनों के बीच आरयुबी 138 ए(एलसी नं.47) किमी 80/5-6 के प्रति कम उंचाई या लो हाइट एडीशनल वेन्ट वे का प्रावधान। एसडब्ल्यू2-एनआरडीपी -वीएलजीए स्टेशनों के बीच आरयुबी 48ए(एलसी नं.12) किमी 26/2-3 के प्रति कम उंचाई अतिरिक्त अथवा लो हाइट एडीशनल वेन्ट वे का प्रावधान।

एसडब्ल्यू3-केएडीएम -एमआरजीए स्टेशनों के बीच आरयुबी 181ए(एलसी नं.65) किमी 106/1-2 के प्रति कम उंचाई अतिरिक्त अथवा लो हाइट एडीशनल वेन्ट वे का प्रावधान।

अनुमानित मूल्य:रु.64992336/-, बोली सुरक्षा राशि राशि:रु.475000/-

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 9-8-2024 के 15.30 बजे तक है। विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर लागिन करें।

किसी भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को,ई-पोर्टल: www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), गुंटूर

ई-निविदा सूचना सं.05 से 06

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निर्वहणकर्ता वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता(रखरखाव), गुंटूर द्वारा आयआरइपीएस पोर्टल: www.ireps.gov.in द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संदर्भ सं. जीएनटी-इ.05.2024-25, दि.12-07-2024, निविदा शीर्षक: जीएनटी डिवीजन: डिवीजनल आफिस, टीपीसी बिल्डिंग एवं डिवीजनल रेलवे पर फायर डिटेक्शन एन्ड एलर्ट सिस्टम का प्रावधान। अनुमानित मूल्य: रु.28,26,218.00, पूधरा:रु.56,500.00, निविदा प्रपत्र मूल्य(अप्रतिदेय) रु.शून्य ।

निविदा संदर्भ सं. जीएनटी-इ.06.2024-25, दि.12-07-2024, निविदा शीर्षक: जीएनटी-कन्वेन्शनल/नान-स्टार एसीज स्थान पर एनर्जी एफीशियन्ट इन्वर्टर एयर कंडीशनर्स का प्रावधान। अनुमानित मूल्य:रु.30,54,547.08, पूधरा: रु.61,100.00, निविदा प्रपत्र मूल्य(अप्रतिदेय)-रु. शून्य

ई-बोलियों की, क्रम सं.1 पर, आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि एवं समय: 5-8-2024, 15.30 बजे

ई-बोलियों की, क्रम सं.2 पर, आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि एवं समय: 6-8-2024, 15.30 बजे

किसी भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को,ई-पोर्टल: **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता /एम, गुंटूर

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता/नांदेड डिवीजन, दमरे, नांदेड द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-टेन्डरिन्ग के माध्यम से दि.7-8-2024 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.-एन-एसजी-36-2024-अप-10 दि..15-7-2024, कार्य विवरण: एनइडी डिवीजन: डीओसी के आफिसर्स रेसिडेन्शियल कालोनी में टेलिकाम नेटवर्क सुविधाओं के उन्नयन या अद्यतन के लिए फायबर टू होम प्राजेक्ट एमिन्ग का प्रावधान। अनुमानित मूल्य: रु.65,05,275/-, बोली सुरक्षा राशि: रु.1,30,100/-, पूरा करने की अवधि: 06 महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य: रु. शून्य

उपरोक्त निविदा दि.7-8-2024 के 15.00 बजे बंद होगी। अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट-www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता, नांदेड

खुली ई-निविदा सूचना सं.एलएक्स235622बी दि.16-07-2024

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.- एलएक्स235622बी, कार्य विवरण: स्मार्ट टच व्हीव इंटरफेस(एसटीवी) सहित मेग्गर मेक एसएमआरटी 1 से तत्समान आरडीएसओ विनिर्देशन सं. टी।/पीएस।/टीआरएसटी केआयटी/1080(12/2008) नुसार, ट्रैक्शन सब-स्टेशन के टेस्टिन्ग न्यूमरिकल रिलेज के लिए एकल चरण या सिंगल फेज न्यूमरिकल रिले टेस्टिन्ग किट(सेकंडरी या द्वितीयक इन्जेक्शन किट) की आपूर्ति, टेस्टिंग तथा कमीशनिंग या स्थापन। विवरित विनिर्देशन संलग्न है। मेक: मेग्गर (एमइजीजीइआर) माडल: एसएमआरटी 1 या फ्लूक, स्कोप या तत्समान मात्रा: 06 नग, पूरा करने की अवधि: 45 दिन, अनुमानित मूल्य: रु.27,71,645/-पूधरा: रु.55,433/-, निविदा प्रपत्र मूल्य: शून्य।

बंद करने की तिथि: 7-8-2024 के 14.30 बजे

वरिष्ठ विभागीय सामग्री प्रबंधक/नांदेड

A0873

निविदा शर्तों/ विस्तृत विवरण जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिन्ग हेतु कृपया हमारा वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

॥ श्री हरि ॥ **प्रथम पुण्यतिथि** ॥ श्री हरि ॥

स्व. श्रीमती पुकलीदेवी पंवार

धर्मपत्नी: डगलारामजी पंवार (मरुधर मे हरियामाली)

स्वर्गवास: 17 जुलाई 2023

प्रेम आपका था हम पर, करते है नमन आपको ।
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको ।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :

हेमाराम, चोथाराम (देवर), प्रेम, प्रकाश (पुत्र), थानाराम, सोहनलाल (जेठुते), सुखाराम, नारायणलाल, रमेश, मोहनलाल, सुरेश (भतीजे), सौरभ, अयुष, कार्तिक, मितेश, हरिश (पौत्र)

GANESH JEWELLERS

Chintal, Hyderabad, 9849486982, 9701502883

P.Solankey

वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के पिता की निर्मम हत्या

घर पर क्षत-विक्षत हालत में मिली लाश

दरभंगा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या कर दी गई है। दरभंगा जिले के बिरौल में घनश्यामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत उनके आवास पर मंगलवार सुबह क्षत-विक्षत हालत में उनकी लाश मिली है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। लोगों का कहना है कि अपराधियों ने धारदार हथियार से वारकर हत्या की है। घर पर सारे सामान बिखरे पड़े हैं। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। एसडीपीओ मनीष चंद्र चौधरी ने मामले की जांच शुरू की। इसके कुछ देर बाद ही राज्य सरकार ने आईपीएस काम्या मिश्रा को जांच की कमान सौंपते हुए एसआईटी गठन की घोषणा की।

मुकेश सहनी घर पर नहीं थे

महागठबंधन के घटक दल वीआईपी के प्रमुख मुकेश सहनी को अपने पिता की हत्या की जानकारी दूसरों से मिली। वह मुंबई स्थित अपने कार्यस्थल पर थे, जहां उन्हें कॉल पर इसकी सूचना दी गई। घटना से आहत मुकेश सहनी मुंबई से दरभंगा के लिए निकल चुके हैं।

वीआईपी के वरीय नेता देव ज्योति ने बताया कि कुछ देर पहले हमलोगों को जानकारी मिली है। कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि कैसे क्या हो गया है। हमारे नेता मुकेश सहनी काफी आहत हैं। वह मुंबई से दरभंगा के लिए निकल चुके हैं। दरभंगा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची है।

बिहार में जंगलराज, जदयू ने कह दिया उल्टा : तेजस्वी यादव

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में जब लालू प्रसाद यादव और उनके बाद राबड़ी देवी मुख्यमंत्री थीं तो विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने आपराधिक घटनाओं का हवाला देते हुए यहां 'जंगलराज' होने की बात प्रचारित की थी। अब विपक्ष में लालू-राबड़ी के बेटे तेजस्वी यादव हैं और उन्होंने पूर्व मंत्री व विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता की हत्या के बाद बिहार में असल जंगलराज अब होने की बात कही है। बड़ी बात यह भी कि तेजस्वी यादव के इस बयान के बाद भाजपा ने तो अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की बात कही, लेकिन जदयू ने तेजस्वी यादव से साथ-साथ यह भी पूछ दिया कि वह अगर अपराधी के बारे में जानते हैं तो पुलिस और सरकार की मदद के लिए आगे आएं।

तेजस्वी यादव ने कहा अब है जंगलराज

तेजस्वी यादव लगातार पिछले दो महीने से जितनी हत्याएं हो रही हैं आपराधिक वारदात हो रही है, उनकी सूची जारी कर बिहार में जंगलराज की बात कह रहे थे। मुकेश सहनी के पिता की हत्या के बाद वह अब यह मांग और बढ़ा रहे हैं और यह कह रहे हैं कि जब पूर्व मंत्री का पिता ही सुरक्षित नहीं है तो फिर ऐसे में यह कहा जा सकता है कि बिहार में जंगलराज स्थापित हो गया है।

नीतीश कुमार ने कड़ी कार्रवाई का दिया भरोसा

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या के बाद प्रदेश की सियासत गर्म है। इसी बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व मंत्री मुकेश सहनी से फोन पर बात कर उनके पिता की हत्या पर गहरी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक प्रेस बयान में कहा गया है कि सीएम नीतीश कुमार ने पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी के असामयिक निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीतन सहनी की हत्या अत्यंत दुखद घटना है।

डीआईजी का दावा-छह से आठ घंटे में हो जाएगा हत्या मामले में खुलासा

दरभंगा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। डीआईजी बाबुराम ने दावा करते हुए कहा है कि पुलिस मामले के उद्भेदन के अंतिम चरण तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि मृतक के घर अंदर टेबल पर से तीन ग्लास बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का दावा है कि अगले छह से आठ घण्टे के भीतर मामले का उद्भेदन करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या मामले को गंभीरता से लेते हर दरभंगा प्रक्षेत्र के डीआईजी बाबूराम भी जांच के लिए पहुंच गए है। वहीं मौके पर डॉग स्काएड की टीम घटना स्थल पर पहुंच कर जांच में जुट गई है। डॉग स्कॉयड थोड़ी दूरी पर तीन जगहों पर जाकर फिर से वापस उनके घर लौट आई। वहीं एफएसएल की टीम भी जांच में जुट गई। बताया जाता है कि जीतन सहनी के घर में दो अन्य लोग रहते थे। उनमें एक उनके लिए खाना बनाता था और उनकी देखभाल करता था। हालांकि वे दोनों प्रतिदिन उनके लिए खाना बनाकर चले जाया करते थे। बताया जाता है कि अपराधियों ने घटना के बाद घर के अंदर से बक्सा जो लाल रंग के कपड़े में लपेटा हुआ था।

मुख्यमंत्री योगी ने दिलाया भरोसा नहीं तोड़ा जाएगा एक भी मकान

प्रतिनिधिमंडल ने की थी मुलाकात

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कुकरैल रिवरफ्रंट के दायरे में आने वाले रहीमनगर, खुर्रमनगर, पंतनगर, इंद्रप्रस्थनगर और अबरारनगर में रहने वाले लोगों के मकान नहीं तोड़े जाएंगे। मंगलवार को इन इलाकों के निवासियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और अपनी बात रखी। मुलाकात के बाद प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने बताया कि मुख्यमत्री योगी ने हमें पूरा भरोसा दिलाया कि जिन लोगों के मकान की रजिस्ट्री है वो मकान नहीं तोड़े जाएंगे और जिन अफसरों ने लोगों में दहशत फैलाई है। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल निशा झा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी ने हमारी बात सुनी और कहा कि अवैध निर्माण को तोड़ा जा रहा है उन मकानों को बिल्कुल नहीं तोड़ा जाएगा जिनकी रजिस्ट्री है। जिन मकानों की रजिस्ट्री है ये उनका हक है कि वो उन्हीं घरों में रहें। निशा झा ने बताया कि हम लोगों के लिए ये बड़ी राहत की बात है। हमने एक सप्ताह से ठीक से खाना नहीं खाया है। रहीम नगर की गुंजन शुक्ला ने कहा कि योगी जी ने हमारा साथ दिया और हमारे बच्चों और परिवार का ख्याल रखा। इसके पहले कुकरैल रिवरफ्रंट के दायरे में अकबरनगर के बाद आए रहीमनगर, खुर्रमनगर, पंतनगर, इंद्रप्रस्थनगर और अबरारनगर के लोग अपने घरों को अवैध बताकर लाल निशान लगाए जाने से काफी गुस्से और दुख में थे।

अखिलेश बोले-शिक्षकों व कर्मचारियों को आंदोलन के लिए बाध्य कर रही यूपी सरकार

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शिक्षकों की मांगों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर कहा कि शिक्षकों और बच्चों के अभिभावकों को जितनी जल्दी ये बात समझ आ जाएगी कि भाजपा सरकार शिक्षक और शिक्षा के ख़िलाफ़ है और भाजपा की वजह से परिवारवालों के बच्चों का भविष्य अंधकारमय है, उतनी ही जल्दी परिवर्तन के लिए जमीन बननी तैयार हो जाएगी।

भाजपा शिक्षकों और कर्मचारियों को विरोध का एक ऐसा आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य न करे जिससे हर क्षेत्र में ठहराव आ जाए। भाजपा अपनी हार का तो विश्लेषण करती है लेकिन शिक्षक और कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति हमेशा बेरुखी का नजरिया अपनाती है। भाजपा की सरकार एक हृदयहीन सरकार है। जिसमें संवेदना न हो वो सरकार नहीं चाहिए। शिक्षकों और बच्चों के अभिभावकों को जितनी जल्दी ये बात समझ आ जाएगी कि भाजपा सरकार शिक्षक और शिक्षा के ख़िलाफ़ है और भाजपा की वजह से परिवारवालों के बच्चों का भविष्य अंधकारमय है, उतनी ही जल्दी परिवर्तन के लिए ज़मीन बननी तैयार हो जाएगी। बता दें कि वर्तमान में शिक्षक विभिन्न मांगों को लेकर सरकार प्रदर्शन कर रहे है। शिक्षकों ने 8 जुलाई को शुरू की गई डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था का विरोध किया। हालांकि, इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को निर्देश दिया है कि वो शिक्षकों से बात करें और समस्या का समाधान निकालें।

कुरान पढ़ाने वाले टीचर ने नाबालिग से किया रेप

सहारनपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सहारनपुर में कुरान पढ़ाने वाले टीचर ने मासूम से रेप किया। टीचर की हरकतों से परेशान होकर 14 साल की लड़की ने मां से कहा- मैं सर से कुरान नहीं पढूंगी। सर गंदे हैं। बैड टच करते हैं। बेटी की बात सुनकर मां के होश उड़ गए। महिला तुरंत अपनी बेटी के साथ थाने पहुंची और टीचर के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला थाना सदर बाजार का है। परिजनों ने कहा- हम बेटी को टीचर के भरोसे छोड़ देते थे। वो उसे कुरान पढ़ाएगा। अच्छी तालीम देगा। लेकिन, टीचर ने बच्ची के साथ गलत काम किया। गंदी हरकतें की।

शिक्षक भर्ती-3 परीक्षा की फुल प्रूफ प्लानिंग

डीएम को 3 घंटे पहले मिलेगी पेपर की जानकारी; अलग-अलग प्रेस में छपेंगे पेपर, कलर कोडिंग होगी

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा 19 से 22 जुलाई को होगी। इसे लेकर आयोग ने फुल प्रूफ प्लानिंग की गई है। आयोग के अध्यक्ष रवि मनु भाई परमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने बताया कि टीआरई 3 में नए तरीके का इस्तेमाल किया जा रहा है।

चेयरमैन ने यह भी कहा कि पेपर लीक करने वाले चैनल को तुरंत चिह्नित कर लिया जाएगा। पेपर लीक हुआ भी तो उसका विस्तार उसी जिले तक होगा। दूसरे जिले पर असर नहीं पड़ेगा। उदाहरण के लिए नवादा में अगर पेपर लीक होगा तो पूरे राज्य के सभी केंद्रों की परीक्षा रद्द करने की नौबत नहीं आएगी। इसके लिए हर जिले के हिसाब से प्रश्नपत्र सेट किए गए हैं।

प्रश्न पत्र के कई सेट रहेंगे

अध्यक्ष ने कहा कि आयोग ने तय किया है कि आगामी परीक्षा स्वच्छ और कदाचार रूप से हो, इसके लिए कई तैयारियां की गई हैं। आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र के कई सेट रहेंगे। इसमें परीक्षा की तिथि को उपयोग में लाए जाने वाले सेट का चयन परीक्षा से कुछ घंटे पहले उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसे अलग-अलग प्रिंटिंग प्रेस से छपवाया जाएगा। इसका कोडिंग कलर से किया गया है। किस कलर सेट का किस जिले में उपयोग किया जाएगा। इसकी सूचना डीएम को परीक्षा से 3 घंटे पहले दी जाएगी। प्रश्न पत्र पहुंचाने वाली गाड़ी में जीपीएस ट्रैकर लगे होंगे। इसमें ड्राइवर के साथ अधिकारी और कर्मचारी भी रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद रिजल्ट

बीपीएससी टीआरई 3 के रिजल्ट पर 65 प्रतिशत आरक्षण के फैसले का प्रभाव पड़ेगा या नहीं। इस पर बीपीएससी के अध्यक्ष ने कहा कि यह 65 प्रतिशत आरक्षण का मामला इस वक्त सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। कोर्ट से निर्णय आने के बाद बिहार सरकार का जो भी निर्देश आयोग को प्राप्त होगा। उसी अनुसार, रिजल्ट का प्रकाशन किया जाएगा।

तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी होने के बाद ही चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। परीक्षा में कदाचार रोकने के लिए हर केंद्र पर प्रत्येक अभ्यर्थियों को बायोमेट्रिक जांच से गुजरना होगा। परीक्षा केंद्र पूरी तरह सीसीटीवी की निगरानी में रहेगा।

आईएएस संजीव हंस और पूर्व विधायक के घर रेड

> पटना और मधुबनी में ईडी की छापेमारी
> रेप केस के बाद सुर्खियों में आए थे दोनों

मधुबनी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पटना और मधुबनी में मंगलवार सुबह ईडी ने रेड की है। मधुबनी में पूर्व विधायक गुलाब यादव के घर ईडी की रेड चल रही है। मंगलवार सुबह झंझारपुर में पूर्व विधायक के गंगापुर स्थित आवास पर टीम दल-बल के साथ पहुंची। केंद्रीय पुलिस बल की टीम ने उनके घर को घेर लिया है। घर के मेन गेट को बंद कर के टीम अंदर जांच में जुट गई है। रेड की जानकारी मिलते ही आवास के बाहर लोगों की भीड़ भी जुट गई है। इसके साथ ही बिहार के सीनियर आईएएस अफसर संजीव हंस के 7 ठिकानों पर छापेमारी चल रही है। संजीव हंस बिहार में ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव हैं। वे बिजली कंपनी के सीएमडी भी हैं। दोनों पर 8 साल पहले एक महिला ने रेप का आरोप लगाया। उस वक्त दोनों सुर्खियों में आए थे। आज फिर एक साथ ईडी की रेड से दोनों फिर चर्चा में हैं।

अखाड़ा परिषद से 13 महामंडलेश्वर और संत निष्कासित

> धार्मिक कार्य की बजाय धनार्जन में जुटे थे > महाकुंभ से बैन हुए > 112 को नोटिस

प्रयागराज, 16 जुलाई (एजेंसियां)। संगम के तट पर आयोजित होने वाले महाकुंभ-2025 को लेकर सिर्फ शासन-प्रशासन ही नहीं, बल्कि साधु-संत भी सक्रिय हो गए हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद लगातार ऐसे साधु-संतों को चिह्नित करने में जुटा है, जो धार्मिक कार्यों के बजाय धनार्जन और अन्य दूसरी गतिविधियों में लिप्त हैं।

गोपनीय जांच के बाद परिषद ने ऐसे 13 महामंडलेश्वर और संत निष्कासित कर दिए हैं। वहीं, 112 संतों को नोटिस थमाया गया है। अगर ये सही जवाब नहीं देते हैं, तो इन्हें भी निष्कासित कर दिया जाएगा। निष्कासित किए गए महामंडलेश्वर और संत निष्कासित अखाड़ों की आंतरिक जांच में खरे नहीं उतरे। इसके बाद यह एक्शन लिया गया। निष्कासित हुए महामंडलेश्वर और संत महाकुंभ के लिए बैन हो गए हैं। इन्हें कुंभ में एंट्री नहीं मिलेगी।

30 सितंबर तक जवाब देना होगा

करीब 112 के संतों को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। जिन्हें नोटिस मिली है, उन्हें 30 सितंबर तक जवाब देना होगा। संतोषजनक जवाब न मिलने पर निष्कासन की कार्रवाई की जाएगी। ऐसे संतों को महाकुंभ-2025 में प्रवेश नहीं मिलेगा। अखाड़े सनातन धर्मावलंबियों की आस्था व समर्पण का केंद्र हैं। मौजूदा समय 13 अखाड़े हैं।

जांच में देखा गई एक्टिविटी

अखाड़े से जुड़े संतों में कोई दोष न आए इसके लिए दो-तीन वर्ष के अंतराल पर समस्त अखाड़े अपने महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंत, श्रीमहंतों की कार्यप्रणाली की गोपनीय जांच करवाते हैं। जांच अखाड़े के पदाधिकारी करते हैं। इसमें उनका रहन-सहन, कार्यप्रणाली, किस प्रकार के लोगों से संबंध हैं? देखा जाता है। अपेक्षा के अनुरूप कार्यप्रणाली न मिलने पर नोटिस देकर जवाब मांगा जाता है, जिनमें ज्यादा दोष मिलता है उन्हें तत्काल अखाड़े से निष्कासित कर दिया जाता है।

भीषण सड़क हादसे में परिवार के छह लोगों की मौत

पटना/नवादा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पटना के बख्तियारपुर में मंगलवार सुबह भीषण सड़क हादसे में परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। वहीं पांच लोगों की हालत गंभीर है। घटना बख्तियारपुर-बिहारशरीफ हाईवे पर हुई। बताया जा रहा है कि आज नवादा जिले के हमीदपुर बारा से एक परिवार स्कार्पियो पर सवार होकर मुंडन कराने बाढ़ उमानाथ मंदिर जा रहे थे। बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के मानसरोवर पेट्रोल पंप के समीप तेज रफ्तार ने स्कार्पियो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो पर सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मरने वाले सभी एक ही परिवार के

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने स्कॉर्पियो को घायलों को बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। वहीं मरने वालों की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बाढ़ अनुमंडल के डीएसपी 2 अभिषेक सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत की बात सामने आ रही है। मरने वालों के परिजनों को सूचना भेज दी गई है। सभी लोग नवादा जिले के हमीदपुर बारा गांव के बताए जा रहे हैं। बाढ़ अनुमंडल के डीएसपी 2 अभिषेक सिंह ने बताया कि सड़क किनारे हाईवा गाड़ी खड़ी थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी।

नोएडा में कार और पिकअप की टक्कर, तीन की मौत

गौतम बुद्ध नगर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में चोगानपुर गोल चक्कर पर चौकी डी पार्क के पास शादी समारोह से साथ लौट रहे दो वाहनों में टक्कर हो गई। सुबह तीन बजे महिंद्रा पिकअप और स्विफ्ट कार की टक्कर से दोनों वाहन में सवार 12 लोग घायल हो गए।

सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं अस्पताल में भर्ती 9 लोगों का इलाज जारी है। इनमें से गंभीर रूप से घायल 4 लोगों को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

कानपुर में प्रेमी प्रेमिका का मर्डर

कानपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर के बिधनू में प्रेमी-प्रेमिका का मर्डर किया गया है। युवक का शव गांव के बाहर जंगल में पेड़ से लटका मिला। महिला की डेड बॉडी 50 मीटर दूर जमीन पर पड़ी थी। महिला के चेहरे को कूंचा गया था। चेहरे से सीने तक महिला की डेड बॉडी से उसकी पहचान नहीं हो पा रही थी। महिला के शव को कुत्ते नोच डाले थे।

खड़ेसर चौकी क्षेत्र के कड़री धराहरा चंपतपुर के जंगल में उसी गांव के सोनू (30) और सीमा (33) के शव मिले हैं। पुलिस और फोरेंसिक टीम के मुताबिक, शव दो-तीन दिन पुराना है।

शिक्षकों की डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था दो माह के लिए स्थगित

मामले के समाधान को योगी सरकार बनाएगी कमेटी

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था को दो महीने के लिए स्थगित कर दिया गया है। मामले में शिक्षकों की समस्या के समाधान और डिजिटल अटेंडेंस की दिक्कतों को खत्म करने के लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा। ये जानकारी प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा डॉ. एमकेएस सुंदरम ने दी।

बता दें कि मंगलवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ बेसिक के शिक्षक संगठनों की हुई वार्ता हुई। जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डा. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि शासन ने फिलहाल डिजिटल अटेंडेंस स्थगित करने पर सहमति दी है। जल्द इसका आदेश जारी होगा। शिक्षकों की समस्या के समाधान और डिजिटल अटेंडेंस की दिक्कत के समाधान के लिए एक कमेटी गठित की जाएगी। इसमें शिक्षाविद, शिक्षक नेता और अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा डा. एमकेएस सुंदरम, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा आदि अधिकारी उपस्थित थे। डिजिटल अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों की नाराजगी दूर करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन पहले ही सभी डीएम, बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) और सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी (एबीएसए) के साथ मिलकर शिक्षकों व शिक्षक प्रतिनिधियों से संवाद करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने यह भी कहा था कि विद्यालयों में पठन-पाठन सुचारु रूप से चलता रहे, यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इससे पहले भी सीएम ने विभागीय अधिकारियों को शिक्षकों से वार्ता कर समाधान निकालने के निर्देश दिए थे। परिषदीय विद्यालयों में आठ जुलाई से शिक्षकों के डिजिटल अटेंडेंस लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसे लेकर शिक्षक पिछले एक सप्ताह से आंदोलनरत थे। सोमवार को भी उन्होंने हर जिले में प्रदर्शन कर सीएम को संबोधित ज्ञापन भेजा।

भीमराव आंबेडकर की दीक्षाभूमि के विस्तार के लिए जमीन चाहिए, एचसी पहुंचा मामला; सरकार को नोटिस

नागपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। संविधान निर्माता भीमराव आंबेडकर ने नागपुर में जिस स्थान पर बौद्ध मत की दीक्षा ली थी, उस स्थान को और विकसित करने के लिए हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल हुई है। इस याचिका में मांग की गई है कि दीक्षाभूमि का विस्तार करना जरूरी है और वहां कुछ और निर्माण होना चाहिए। इस अर्जी पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने राज्य सरकार, जिला प्रशासन, स्थानीय निकाय समेत तमाम एजेंसियों से जवाब मांगा है। याचिका में मांग की गई है कि दीक्षाभूमि के लिए कुछ और जमीन दी जाए ताकि वहां और निर्माण किया जा सके। याचिका में मांग की गई है कि दीक्षाभूमि को ऐसे स्थान के तौर पर विकसित किया जाए, जिससे दुनिया भर के पर्यटकों काध्यान आकर्षित हो। भीमराव आंबेडकर ने 14 अक्टूबर, 1956 को नागपुर में बौद्ध धर्म अपना लिया था। उन्होंने दो दशक पहले ही मतांतरण की बात कही थी, लेकिन इस पर फैसला 1956 में लिया था। हर वर्ष 14 अक्टूबर को बड़ी संख्या में लोग दीक्षाभूमि में जुटते हैं। यही नहीं आंबेडकर जयंती और पुण्यतिथि पर भी यहां कार्यक्रमों का आयोजन होता है। शैलेष नरनावारे की ओर से दाखिल अर्जी में संवैधानिक नियमों का हवाला देते हुए कहा गया कि देश की सांस्कृतिक विविधता के अनुसार सभी को अपने संस्थानों के विकास का अधिकार है। जनहित याचिका में शैलेष नरनावारे ने हाई कोर्ट से मांग की कि स्थानीय प्रशासन को जमीन अधिग्रहण करके दीक्षाभूमि को सौंपने का आदेश दिया जाए। उन्होंने कहा कि कॉटन रिसर्च इंस्टिट्यूट से 3.84 एकड़ भूमि और माता कचहरी से 16.44 एकड़ भूमि ली जा सकती है। यदि यह जमीन मिल जाए तो दीक्षाभूमि का विकास हो सकता है। याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट की डिविजन बेंच जस्टिस नितिन सांबरे और जस्टिस अभय मंत्री ने महाराष्ट्र के शहरी विकास मंत्राल., नागपुर सुधार ट्रस्ट, नागपुर के नगर निगम को नोटिस जारी किया है और इस मांग पर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता ने कहा कि दीक्षाभूमि के लिए इस जमीन के अधिग्रहण में देरी नहीं करनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि दीक्षाभूमि में काम चल रहा है। ऐसे में प्रोजेक्ट्स के विस्तार के लिए जमीन की जरूरत है। यही नहीं कुछ स्मारकों के संरक्षण के लिए भी ऐसा करना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन की ओर से मंजूरी मिलने में देरी हो रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों 181 करोड़ रुपये की परियोजना पेश की गई थी, लेकिन उस पर मंजूरी मिलने में देरी हो रही है।

बच्चों को मुफ्त शिक्षा और 20 लाख का लालच देकर धर्मांतरण का प्रयास, तीन महिलाओं पर एफआईआर

भोपाल, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित आनंद नगर के शिव नगर में तीन महिलाओं द्वारा गरीब बस्ती में लोगों को उनके बच्चों की अच्छी शिक्षा और पैसों का लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीन महिलाओं के खिलाफ धर्मांतरण के प्रयास का मामला दर्ज कर हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पिपलानी पुलिस के अनुसार शिव नगर में रहने वाले धनवीर सिंह ठाकुर ने पुलिस को की शिकायत में बताया कि मैरी बस्तवाल, मैरी मसीह एवं सुमन मसीह रविवार को शिवनगर बस्ती में घर-घर जाकर संपर्क कर बच्चों को अच्छी शिक्षा मुफ्त में दिलाने और लोगों को पैसों का लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रलोभन दे रही थीं।

गुजरात में हुई भारी बारिश, सूरत के उमरपाड़ा में चार घंटे में 347 मिमी बरसात

अहमदाबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत के उमरपाड़ा तालुका में सुबह 6 बजे से 10 बजे तक 347 मिलीमीटर बारिश हुई। राज्य आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र (एसईओसी) की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, गुजरात में अब तक मानसून की औसत बारिश से 30 प्रतिशत वर्षा हुई है। राज्य के अहमदाबाद में दोपहर और शाम को भारी बारिश हुई, जिससे सड़कों के साथ-साथ कई अंडरपास में जलभराव हो गया और निचले इलाकों में पानी भर गया, जिसके कारण यातायात बाधित हुआ और लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा।

कहां कितनी हुई बारिश?

एसईओसी ने बताया कि भरूच, नर्मदा, पंचमहल, वडोदरा और आनंद जिलों के कुछ हिस्सों में शाम छह बजे तक 12 घंटे की अवधि के दौरान 50 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई। सूरत के उमरपाड़ा में चार घंटे की अवधि में 347 मिमी बारिश हुई, जबकि भरूच के नेत्रंग और नर्मदा जिले के गरुड़ेश्वर, नांदेड़ और तिलकवाड़ा तालुका में 100-200 मिमी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सूरत, नवसारी, वलसाड, छोटा उदयपुर, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर और गिर सोमनाथ जिले में कुछ इलाकों में मंगलवार को भारी से बहुत भारी बारिश के साथ-साथ अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना जताई है। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को असम, उत्तर प्रदेश और गुजरात के मुख्यमंत्रियों से बात कर तीनों राज्यों में बाढ़ और भारी बारिश के कारण उपजी स्थिति का जायजा लिया। साथ ह उन्हें केंद्र से हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से फोन पर हुई बातचीत में केंद्रीय गृह मंत्री ने भारी बारिश के बाद नदियों में बढ़ते जलस्तर के कारण उपजी स्थिति का जायजा लिया।

हिमंता बिस्वा सरमा ने झारखंड में बीजेपी की सरकार बनने का किया दावा, एक महीने में तीसरा दौरा

गुवाहाटी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड पहुंचे असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि वह यहां आकर ऊर्जा से भर जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह निश्चित है कि राज्य की मौजूदा सरकार चुनाव के बाद सत्ता से बाहर होगी। झारखंड की राजधानी रांची पहुंचे असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने दावा किया है कि प्रदेश में कुछ महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा जीत दर्ज करेगी और राज्य में डबल इंजन की सरकार बनेगी। हिमंता बिस्वा सरमा झारखंड भाजपा के सह प्रभारी हैं। वह पिछले एक महीने के भीतर तीसरी बार झारखंड आए हैं। उन्होंने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में हमारी पार्टी ने राज्य में अच्छा प्रदर्शन किया है। विधानसभा चुनाव में हम इससे भी शानदार परिणाम हासिल करेंगे। हमें राज्य की जनता और पार्टी के कार्यकर्ताओं-समर्थकों पर भरोसा है।

सरकार चुनाव के बाद सत्ता से बाहर होगी

उन्होंने कहा कि यह निश्चित है कि राज्य की मौजूदा सरकार चुनाव के बाद सत्ता से बाहर होगी। हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि झारखंड आकर वह ऊर्जा से भर जाते हैं। वह यहां बार-बार आना चाहते हैं। मंगलवार को वह खूंटी और तोरपा विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की ओर से आयोजित विजय संकल्प सभाओं में भाग लेंगे। इस दौरान बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को सम्मानित करेंगे। बता दें कि पार्टी की ओर से पिछले 5 जुलाई से राज्य के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तरीय नेताओं-कार्यकर्ताओं के अभिनंदन का कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

कार्यकर्ताओं को चुनाव की तैयारियों के दिए जा रहे टिप्स

इस अभिनंदन का कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा सहित पार्टी के सांसद-विधायक इसमें भाग ले रहे हैं और कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर चुनावी तैयारियों के टिप्स दे रहे हैं। चुनावी अभियान के दौरान पार्टी राज्य सरकार की नाकामियों, युवाओं-बेरोजगारों से जुड़े मुद्दों, नियुक्ति परीक्षाओं की गड़बड़ियों, संथाल परगना के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठ और बदलती डेमोग्राफी जैसे मुद्दों पर खास जोर दे रही है।

पार्लर गई महिला के 1.5 लाख रुपये के सोने के कंगन चोरी घटना से पहले सीसीटीवी बंद किया, 20 दिन बाद केस

शहडोल, 16 जुलाई (एजेंसियां)। शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत टोपनदास तिराहा के पास स्थित एक ब्यूटी पार्लर में जाना महिला को भारी पड़ गया। मेकअप करने के दौरान पार्लर संचालिका ने महिला के सोने के कंगन उतरवारे लिए, लेकिन बाद में वे गायब हो गए। इन कंगन की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये बताईं जा रही है। पीड़ित महिला के 20 दिन तक थाने के चक्कर लगाने के बाद अब पुलिस ने ब्यूटी पार्लर संचालिका कल्पना गुप्ता पति रामराज गुप्ता के खिलाफ केस दर्ज किया है। हालांकि, अब तक कंगन का पता नहीं चल सका है। जानकारी के अनुसार अनामिका सिंह पति धर्मेन्द्र सिंह परिहार (30) निवासी ग्राम अमकुई थाना जसो जिला सतना 27 अप्रैल को अपने पिता अनूपलाल सिंह बघेल निवासी ग्राम सेमरपाखा थाना ब्योहारी के साथ पहुंची थी। जहां, उसने एक लिखित आवेदन

अमर्त्य सेन का बयान- परिपक्व राजनेता बन गए हैं राहुल गांधी, संसद में होगी उनकी असली परीक्षा

कोलकाता, 16 जुलाई (एजेंसियां)। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित और अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन का कहना है कि बीते कुछ सालों में राहुल गांधी एक परिपक्व राजनेता बन गए हैं। इस बार संसद में उनकी असल परीक्षा होगी कि वे एनडीए सरकार के खिलाफ विपक्ष का कैसे नेतृत्व करते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने न केवल उनको राष्ट्रीय नेता के तौर पर स्थापित किया है, बल्कि देश के राजनीतिक परिदृश्य को भी मजबूत किया है। पश्चिम बंगाल के बोलपुर में अपने पैतृक आवास पर अमर्त्य सेन ने कहा कि उन्हें याद है कि ट्रिनटी कॉलेज कैमब्रिज में पढ़ाई के दौरान राहुल अनिश्चित थे कि उन्हें जीवन में क्या करना है, क्योंकि उन्हें राजनीति ने कभी आकर्षित नहीं किया। अमर्त्य सेन बोले कि मुझे लगता है कि इन दिनों राहुल काफी परिपक्व हो गए हैं। मैं उन्हें ट्रिनटी कॉलेज के दिनों से जानता हूं। जहां मैने भी पहले पढ़ाई की और बाद में शिक्षक बन गया। उस वक्त जब राहुल मुझसे मिलने आए थे तो बिल्कुल नहीं जानते थे कि उन्हें आगे क्या करना है? क्योंकि उनको राजनीति पसंद नहीं थी। सेन ने यह भी कहा कि युवा कांग्रेस नेता ने राजनीति में काफी परेशानी का सामना किया, लेकिन हाल के कुछ वर्षों में उन्होंने असाधारण प्रदर्शन किया है। मुझे इस बात की खुशी है कि राहुल चुनाव केवल अपनी गुणवत्ता और क्षमता पर नहीं लड़ते हैं, बल्कि इस पर ध्यान देते हैं कि देश क्या चाहता है? राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस तरह की भविष्यवाणी करना काफी कठिन है। उन्होंने हंसते हुए जवाब दिया कि मुझे तो यह समझ नहीं आता कि लोग प्रधानमंत्री कैसे बन जाते हैं? जब मैं छात्र था तो कोई मुझसे पूछता कि आप अपने साथी छात्रों में से किसे प्रधानमंत्री बनते देखना चाहेंगे तो मैं मनमोहन सिंह का नाम लेता। उन्हें भी राजनीति में कोई खास दिलचस्पी नहीं थी, लेकिन वे उत्कृष्ट व्यक्ति थे और प्रधानमंत्री बने। इसलिए ऐसी भविष्यवाणी करना काफी मुश्किल भरा है।

राहुल ने खुद में काफी सुधार किए

अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की पहल को लेकर कहा कि कांग्रेस नेता ने खुद में काफी सुधार किए हैं। उन्होंने अपने अभिव्यक्ति की क्षमता बेहतर की है। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा देश और राहुल दोनों के लिए अच्छी रही। राहुल ने अपनी बात कहने के तरीके में काफी सुधार किया है। अब वे राजनीति में स्पष्ट रूप से अपनी बात रखते हैं। उन्होंने कहा कि संसद में विपक्ष के नेता के तौर पर उनका नेतृत्व कांग्रेस के लिए वरदान साबित होगा। यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि वे विपक्ष का नेतृत्व कैसे हैं, क्योंकि पिछले दिनों देश में असमानता और सांप्रदायिकता में इजाफा हुआ है। अल्पसंख्यकों के अधिकारों के प्रति मुखर होना उनकी पहली भूमिका है। इसे वे अच्छे से संभाल रहे हैं।

विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी बीजेपी

बावनकुले बोले- महायुती के गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका में रहेगी पार्टी

नागपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों में बीजेपी जुट चुकी है। इस बीच बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने आज नागपुर में कहा है कि बीजेपी महायुती के गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका में रहेगी। वह कल भी बड़े भाई की भूमिका में थी, आज भी है और कल भी रहेगी। यह बात एकनाथ शिंदे भी मानते हैं, अजित पवार भी मानते हैं। बीजेपी के विधायक और बीजेपी महाराष्ट्र मे अहम स्थान पर है। महायुती के बीच में यह भ्रम नहीं है कि पार्टी कौन सी बड़ी है। पार्टी तो बीजेपी ही है। बावनकुले ने कहा कि विधानसभा का चुनाव किसके नेतृत्व में लड़ा जाएगा, यह फैसला केंद्रीय नेतृत्व करेगा। 21 तारीख को बीजेपी का महाअधिवेशन पुणे में संपन्न होगा। इसमें 5000 पदाधिकारी और प्रतिनिधि शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी इसका उद्घाटन करेंगे और केंद्रीय मंत्री अमित शाह समापन करेंगे बीजेपी की 18 और 19 को दो दिवसीय कोर कमेटी की बैठक मुंबई में होने जा रही है। इसमें बीजेपी की कोर कमेटी के सभी सदस्य शामिल होंगे। ये बैठक प्रदेश प्रभारी के नेतृत्व में होगी। यह बैठक शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक चलेगी। इस बैठक में महाराष्ट्र प्रभारी भूपेंद्र यादव होंगे, जिसमें तमाम मुद्दों पर चर्चा होगी। 21 तारीख को बीजेपी के सभी प्रतिनिधियों का अधिवेशन पुणे में बुलाया गया है। इसमें लगभग 5000 पदाधिकारी और प्रतिनिधि शामिल होंगे। बावनकुले ने कहा कि महाराष्ट्र में विपक्ष ने जात-पात की राजनीति की थी, महाविकास अघाडी जनता को जात-पात की राजनीति में बांट रही है। महाराष्ट्र में विपक्ष गंदी राजनीति कर रहा है।

आईएएस पूजा खेडकर की मुश्किलें बढ़ीं, चिकित्सीय प्रमाण पत्रों की सत्यता की जांच करेगी पुलिस

पुणे, 16 जुलाई (एजेंसियां)। ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। अब खबर आई है कि पुणे पुलिस पूजा खेडकर के चिकित्सीय प्रमाण पत्रों (मेडिकल सर्टिफिकेट्स) की सत्यता की जांच करेगी। ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर पर शारीरिक दिव्यांगता वर्ग के तहत गलत तरीके से फायदा लेने का आरोप है। 2023 बैच की आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर का बीते दिनों ही पुणे से वाशिम जिले में ट्रांसफर किया गया था।

महाराष्ट्र कैडर की आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर पर गलत तरीके से संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास करने का आरोप है। जिसमें उन्होंने खुद को कई शारीरिक समस्याएं होने का दावा किया था। आईएएस पूजा खेडकर ने संघ लोक सेवा आयोग में अपने कई चिकित्सीय प्रमाण पत्र जमा किए थे, जिनमें से एक प्रमाण पत्र में उन्होंने आंखों में परेशानी बताई थी, जिसकी वजह से उन्होंने देखने में थोड़ी समस्या होने का दावा किया था। आईएएस अधिकारी ने खुद को ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर वर्ग से संबंधित बताया था, लेकिन उनकी संपत्ति और उनके पिता की संपत्ति को लेकर जो खुलासा हुआ है, उसके बाद उनके इस दावे पर भी शंका जाहिर की जा रही है। ट्रेनी आईएएस अधिकारी पर अपने ताकत का गलत इस्तेमाल करने और पुणे में तैनाती के दौरान अपने विशेषाधिकारों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप है।

इसे लेकर पुणे के जिलाधिकारी ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर शिकायत भी की थी। इसके बाद आईएएस पूजा खेडकर का पुणे से वाशिम तबादला कर दिया गया था। दिव्यांग विभाग के अधिकारी ने पुणे पुलिस और पुणे जिलाधिकारी को पत्र लिखकर आईएएस पूजा खेडकर के चिकित्सीय प्रमाण पत्रों की सत्यता जांचने की अपील की है। पुणे पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमें दिव्यांग विभाग के एक शीर्ष अधिकारी का पत्र मिला है। इस पत्र में उन्होंने पूजा खेडकर के चिकित्सीय प्रमाण पत्रों की सत्यता जांचने की मांग की है। हम प्रमाण पत्रों के तथ्यों की जांच करेंगे और ये भी पता लगाएंगे कि किस अस्पताल, किस डॉक्टर द्वारा इन प्रमाण पत्रों की सत्यता की पुष्टि की गई।

बीते हफ्ते ही केंद्र सरकार ने भी एक समिति गठित की है, जो आईएएस पूजा खेडकर की उम्मीदवारी की जांच करेगी और दो हफ्ते में अपनी रिपोर्ट देगी। सरकार ने बताया कि अतिरिक्त सचिव रैंक के अधिकारी द्वारा ये जांच की जाएगी। उल्लेखनीय है कि एक आपराधिक मामले में पुणे पुलिस ने आईएएस पूजा खेडकर के माता-पिता के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है।

आगे मां चल रही थी, पीछे 5 साल का दीपांशु अचानक तेंदुआ ने जबड़े में दबोचा

अंबाला, 16 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला जिले में तेंदुए के हमले में एक बच्चा घायल हो गया। घायल बच्चे का इलाज पीजीआई चंडीगढ़ में चल रहा है। वहीं, जिले के ठरवा गांव में तेंदुआ देखे जाने के बाद कई गांवों में दहशत का माहौल है। वन विभाग और पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया है, लेकिन अब तक तेंदुए के बारे में पता नहीं चल है। जानकारी के अनुसार, मुलाना के ठरवा गांव में रविवार शाम को तेंदुए ने पांच साल के बच्चे को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। बच्चा अपनी मां के पीछे पीछे चल रहा था कि इस दौरान तेंदुए ने उसे अपने जबड़े में दबोच लिया। इस दौरान एक दम से शौर चाने पर तेंदुआ बच्चे को छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद वन्य प्राणी विभाग की टीम ने गांव में सर्च अभियान चलाया, लेकिन तेंदुए के कोई निशान नहीं दिखाई दिए। हालांकि पांच साल का बच्चा दीपांशु जिस कूप के पीछे से मिला, वहां पर काफी मात्रा में खून पड़ा था। वन्य विभाग ने तेंदुआ होने की पुष्टि अभी नहीं की है, लेकिन ग्रामीण तेंदुआ होने की बात कह रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, तेंदुए की वायरल वीडियो उनके गांव का ही है, जोकि गांव के ही युवाओं ने बनाई है। उधर तेंदुए को उपलाना गांव के खेतों में देखने की बात सामने आई है। इसके बाद गांव एहतियातन मुनादी भी कराई गई है। ग्राम सरपंच मीनू रानी ने बताया कि गांव में तेंदुआ देखा गया है। घायल हुए बच्चे दीपांशु का उपचार पीजीआइ चंडीगढ़ में चल रहा है। फिलहाल तेंदुआ अभी तक दिखाई नहीं दिया है, जबकि विभाग की टीम तलाश में जुटी है। वहीं पुलिस भी वन विभाग के साथ सर्च ऑपरेशन में सहयोग कर रही है।

किसानों का दिल्ली कूच का एलान: चंडीगढ़ में कहा-रास्ता खुलते ही जाएंगे, 17 को अंबाला एसपी आफिस का घेराव

चंडीगढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)। शंभू बॉर्डर पर फरवरी से डटे किसानों ने दिल्ली कूच का एलान कर दिया है। संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक के सदस्य जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि वह शंभू बॉर्डर के खुलते ही दिल्ली के लिए कूच कर देंगे। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की है कि उनको जंतर मंतर या दिल्ली के रामलीला मैदान में शांति पूर्ण प्रदर्शन करने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर रास्ते में कहीं पर भी सरकार की तरफ से उनको रोकने का प्रयास किया गया तो वह वहीं पर धरना शुरू कर देंगे और जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से सरकार की होगी। डल्लेवाल ने कहा कि हम ट्रैक्टर ट्रालियों के साथ कूच करेंगे, क्योंकि बारिश, गर्मी व सर्दी से बचने के लिए उनके पास एकमात्र विकल्प ट्राली ही होती है। उन्होंने कहा कि कूच में थोड़ा समय लग सकता है क्योंकि हमें सामान समेटने में समय लगेगा लेकिन दिल्ली कूच होकर रहेगा। इसी के लिए ही हमने अपना आंदोलन शुरू किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बॉर्डर खोलने के लिए तैयार नहीं हो रही है जबकि हाई कोर्ट की तरफ से इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किया गया है। हरियाणा सरकार सुप्रीम कोर्ट गई है। उन्होंने कहा कि हमने नहीं, हरियाणा सरकार ने रास्ता बंद किया हुआ है। किसानों ने शुभकरण की मौत के मामले में एफएसएल की जांच पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसानों को बदनाम करने के लिए शॉटगन का इस्तेमाल दिखाया गया है। डल्लेवाल ने कहा कि बुधवार को उनकी एसपी ऑफिस का घेराव करने की भी तैयारी है। वह बुधवार को सुबह अनाज मंडी में एकत्रित होंगे और उसके बाद ही एसपी ऑफिस के लिए कूच करेंगे। उन्होंने 15 अगस्त को ट्रैक्टर मार्च निकालने का भी फैसला लिया है।

खत्म हो रहा एक हफ्ते का समय

वहीं हाईकोर्ट के आदेश छह दिन बीतने के बाद भी हरियाणा सरकार की ओर से शंभू बॉर्डर नहीं खोला गया है। हाईकोर्ट ने 10 जुलाई को एक हफ्ते में शंभू बॉर्डर आमजन के लिए खोलने का आदेश दिया था। 17 जुलाई को एक सप्ताह का समय पूरा हो जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची हरियाणा सरकार

आदेश के खिलाफ हरियाणा सरकार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। हरियाणा सरकार की तरफ से उच्चतम न्यायालय में दायर स्पेशल लीव पिटीशन (एसएलपी) पर इस हफ्ते सुनवाई हो सकती है। हरियाणा सरकार की ओर से बीते सप्ताह एसएलपी दायर की गई थी।

शंभू पर पुलिस की सख्ती बढ़ी

शंभू बॉर्डर पर फिर से किसानों की संख्या बढ़ती देख हरियाणा पुलिस की ओर से भी तैयारियां तेज कर दी गई है। बॉर्डर पर हरियाणा की तरफ पुलिस ने वज्र वाहन बढ़ा दिए हैं। इन सबके बीच किसानों ने दिल्ली कूच के लिए एक सप्ताह का समय और बढ़ा दिया है।

पुलिस हिरासत में दूल्हे की मौत, महिलाओं ने कलेक्ट्रेट में कपड़े उतारे, महिला पुलिसकर्मियों ने रोका

गुना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। गुना जिले में पुलिस हिरासत में पारदी समाज के युवक की मौत हो गई। इसे लेकर समाज की महिलाओं ने कलेक्ट्रेट में हंगामा कर दिया। बताया जा रहा है कि महिलाएं मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचीं, इस दौरान कलेक्टर डॉ. सतेंद्र सिंह ने उनकी बात सुनी। लेकिन, इसके बाद उन्होंने बाहर आकर हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान कुछ महिलाओं ने अपने कपड़े उतारना शुरू कर दिए, जिन्हें मुश्किल से महिला पुलिसकर्मियों ने रोका। कलेक्टर ने कुछ महिलाओं को दोबारा बुलाकर भी उनकी बात सुनी। दरअसल, गुना की झांगर चौकी पुलिस ने देवा पारदी और उसके चाचा गंगाराम पारदी को रविवार को पकड़ा था। इसी दिन देवा की बारात गुना शहर के गोकुल सिंह चक्क में जानी थी।

गुंडा एक्ट कैसे लगायाः हाईकोर्ट की डबल बेंच ने सरकार से पूछा सवाल, 19 को अगली सुनवाई

नैनीताल, 16 जुलाई (एजेंसियां)। नैनीताल हाईकोर्ट ने सामाजिक कार्यकता व आरटीआई एक्टिविस्ट चोरगलिया हल्द्वानी निवासी भुवन चंद्र पोखरिया को सुरक्षा दिलाए जाने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के बाफ मामले की अगली सुनवाई के लिए 19 जुलाई की तिथि नियत की हैं। वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी व न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खण्डपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि इनके उपर गुंडा एक्ट कैसे लगाया इस पर स्तिथि स्पष्ट करें। मामले के अनुसार याचिका में कहा कि वर्ष 2020 में राज्य सरकार ने स्टोन क्रेशर, खनन भंडारण सहित एनजीटी व उच्च न्यायलय के आदेशों की अवहेलना की। जिसका विरोध याचिकाकर्ता द्वारा किया गया। लेकिन सरकार ने अपने कार्यो को छुपाने के लिए उनके खिलाफ चोरगलिया पुलिस ने उसी थाने में आईपीसी की धारा 107, 116 की कार्यवाही की। फिर उसी रिपोर्ट को आधार बनाकर उनका लाइसेंसी शस्त्र निरस्त कर मालखाने में जमा करा दिया। पुलिस द्वारा दोषमुक्त अपराधों को आईपीसी की धारा 16 व 17 में उन्हें दोषी दिखाकर गुंडा एक्ट की कार्यवाही करते हुए जिला बदर की कार्यवाही कर दी। न्यायलय ने इस मामले में उन्हें 2022 में दोषमुक्त कर दिया और कुमायूं आयुक्त के न्यायालय से उनका सत्र बहाल हुआ।

लेकिन जिला अधिकारी ने लाइसेंस का नवनीकरण करने की अनुमति नही दी। 15 जनवरी 2024 व 18 जनवरी 2024 को उनके द्वारा डीजीपी महोदय को शिकायत दर्ज कराई । याचिका ने कहा कि भरस्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर उन्हें धमकी मिल रही है। राज्य सूचना आयोग ने उनके इस प्रकरण पर सुनवाई करते हुए एसएसपी नैनीताल को निर्देश दिए कि उनको सुरक्षा दी जाय साथ मे जाच रिपोर्ट करें। एएसपी हल्द्वानी द्वारा गलत जाच रिपोर्ट बनाकर रिपोर्ट पेश की। कहा कि बिना जांच करे उन वादों की रिपोर्ट पेश कर दी जिनमे वे दोषमुक्त हो चुके है। लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी दोषियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नही हुई।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 17 जुलाई- 2024

महंगाई की मार

आरबीआई की लाख कोशिश के बाद भी खुदरा महंगाई दर चार फीसद से नीचे आने का नाम ही नहीं ले रहा है। इसलिए आम नागरिक बेतहाशा महंगाई से बेहाल हो चुका है। महंगाई को नियंत्रण में रखने के लिए रिजर्व बैंक रेपो दर में बदलाव का कोई फैसला भी नहीं कर पा रहा है। यही वजह है कि काफी समय से बैंक दरें स्थिर बनी हुई हैं। दूसरी ओर उद्योग समूह भी महंगाई से परेशान है, वह भी चाहता है कि तत्काल रेपो दर घटाई जाए। जून महीने में खुदरा महंगाई 5.08 फीसद दर्ज की गई, जो कि पिछले चार महीने का सबसे ऊंचा स्तर है। मई महीने में महंगाई का रुख कुछ नरम दिखा था। बहरहाल, रिजर्व बैंक को पहले से ही अंदाजा था कि जून और बरसात के महीनों में खुदरा महंगाई बढ़ना तय है। लेकिन बरसात के बाद महंगाई दर ढलान पर होगी, तब इसे स्थिर रख पाना संभव हो सकेगा। रिजर्व बैंक का यह दावा कितना सही होगा, कहना मुश्किल है, क्योंकि पहले भी रिजर्व बैंक कई बार कह चुका है कि वह महंगाई को जल्दी ही काबू में ले आएगा। लेकिन दावे पर वह खरा नहीं उतरा है। इस बार भी खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण हुआ है। रोजमर्रा के उपभोग की खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी पर अंकुश लगाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। खाद्य महंगाई बढ़ कर 9.36 फीसद पर पहुंच गई है, जो मई महीने में 8.69 फीसद थी। जून महीने में अनाज के दामों में 8.75 फीसद, फलों में 7.15 फीसद, सब्जियों के दामों में 29.32 और दालों की कीमतों में 16.07 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जबकि जमीनी स्तर पर आम उपभोक्ता को इससे कहीं अधिक बढ़ी हुई कीमतें चुकानी पड़ रही हैं। बरसात के मौसम में तो कुछ कारण समझ आते हैं कि बाढ़ और बारिश की वजह से माल ढुलाई में बाधा आने की वजह से कई जगहों पर उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति ठीक से नहीं हो पाती। कई इलाकों में पानी भर जाने से फलों और सब्जियों की फसल चौपट हो जाने का भी खतरा रहता है, जिसकी वजह से कीमतों में बढ़ोतरी स्वाभाविक है। मगर जून के महीने में ऐसी स्थिति की संभावना नहीं होती। आमतौर पर बाजार में गेहूं और दालों की नई फसल की उपलब्धता रहती है, इसलिए भी इनकी किल्लत का तर्क रखना किसी को हजम नहीं हो रहा है। रोजी-रोजगार के मोर्चे पर संकट के दौर से गुजर रहे लोगों के सामने अनाज, फल और सब्जियों की बढ़ती कीमतों की कैसी मार पड़ रही होगी, अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। महंगाई पर काबू न पाए जा सकने के पीछे बाजार और विपणन के प्रबंधन में व्यवस्थागत कमजोरियां साफ झलक रही हैं। रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाली जिन उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन अपने यहां भरपूर होता है, उन्हें सही ढंग से बाजार तक पहुंचाने की व्यावहारिक व्यवस्था अभी तक क्यों नहीं बन पाई है, यक्षप्रश्न के रूप में सामने खडा है। कोफ्त तो तब होती है जब उनकी जगह पर आयातित वस्तुएं बाजार पर कब्जा जमा लेती हैं। नतीजतन, किसानों को अपनी कच्ची फसलों को सडकों पर फेंकने को मजबूर होना पडता है। किसान मंडियों में महाजनों की मनमानी की शिकायत करते रहते हैं, लेकिन उनकी फसलों की खरीद का कोई व्यवस्थित इंतजाम करने पर ध्यान नहीं दिया जाता। पर्याप्त भंडारगृह और शीतगृहों के न होने से भी फसलें बाजार पहुंचने से पहले बर्बाद हो जाती हैं। जब तक खाद्य वस्तुओं के प्रबंधन पर समुचित ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक केवल बैंक दरों के जरिए महंगाई पर अंकुश लगाना खली से तेल निकालने जैसा ही कठिन है।

मौत के कुएं बन रहे बांध

नवीन जैन

पण्डित जवाहरलाल नेहरू के कार्य काल में जब भाखड़ा नांगल बांध का निर्माण पूरा हो गया ,तो उन्हीं दिनों यूएसएसआर (वर्तमान रूस)के राष्ट्र _प्रमुख ख्रुश्चोफ आधाकारिक दौरे पर भारत आए। मारे खुशी के पण्डित जी उन्हें भाखड़ा नांगल बांध का मुआयना कराने ले गए। नेहरू जी एक भावुक दिल राजनेता थे। सोचा खुश होंगे ख्रुश्चोफ ,लेकिन बात ,तो उलटी पड़ गई। ख्रुश्चोफ ने सपाट ज़बान में पूछा _ यदि इस बांध में टूटन आ गई ,या किसी दुश्मन देश ने इस पर बमबारी कर दी , तो बदहवास हुए पानी के सैलाब से जान _माल की हिफाज़त के लिए क्या साधन हैं आपके पास? नेहरूजी क्या जवाब देते! चुप्पी साध गए।

पिछले सालों में हमने देखा है , कि देश के कई बांधों में आई दरारों के कारण जान ओ माल का कितना नुकसान होता रहा। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में सालों पहले भारत को इस संबंध में चेता दिया गया था। रिपोर्ट में साफ़ शब्दों में सावधान किया गया था कि साल 2025 के आते _आते भारत के कम से कम एक हज़ार ऐसे बांध होंगे ,जो बूढ़े या प्रौढ़ होने को होंगे । ये बांध आधी सदी जी चुके होंगे। लिहाजा, हरेक प्रकार की बड़ी जोखिम का सबब बन सकते हैं। रिपोर्ट में हवाला दिया गया था , कि इन बांधों के आस _पास घनी बस्तियां हैं ।यही नहीं, इन बांधों में बढ़ी तादाद उनकी होगी ,जो बीसवीं सदी में बने हैं ।बता दें कि इस रपट को नाम दिया गया था एजिंग वॉटर इंफ्रास्ट्रक्चर (उम्र दराज होते जलीय आधार भूत ढांचे)। दुनियाभर में बने 58हजार 700 बांध 1930 से 70 के बीच बने थे। इनकी डिजाइनिंग इतनी आउटडेटेड हो चुकी है कि अपने निर्माण की तारीख से इनकी उम्र 50 से 100साल ज्यादा हो चुकी है ।50 वर्ष में कंक्रीट से बना बांध प्रौढ़ या बूढ़ा तक होने लगता है और ऐसी हालत में इसी रिपोर्ट में केरल के मुल्लापेरियार बांध का भी उल्लेख है, जो करीब सवा सौ साल पहले बना था ।रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि ये बांध कभी भी धोखा दे सकता है और ऐसी हालत में पैंतीस लाख से ज्यादा लोगों को खतरा हो सकता है ।मुल्लापेरियार बांध 53.6मीटर की ऊंचाई वाला बांध है, जिसकी जलभराव क्षमता 4430 वर्ग मीटर है ।यह बांध सन 1895 में ब्रिटिश सरकार ने सिंचाई के उद्देश्य से बनवाया था ।साल 1959 में इससे बिजली उत्पादन भी शुरू किया गया ।निर्माण के समय बांध का जीवनकाल पचास वर्ष बताया गया था,जबकि इसे करीब एक सौ तीस साल हो चुके हैं ।भोपाल से करीब 15 किलोमीटर दूर केरवा बांध है, जहां सोशल मीडिया की एक साइट के अनुसार बकायदा बोर्ड टंगा है मौत का कुंआ ।वजह है कि कुछ साल पहले इस बांध में डूबकर मंधार भीसे नामक युवक की जान चली गई थी ।बताया जाता है कि अब तक कोई दो सौ लोग इस मौत के कुएं में समा चुके हैं ।जबकि संबंधित विभाग चेतावनी और सुरक्षा के कोई ठोस उपाय ही नहीं करता ।जान लेना जरूरी है कि 1984 के दिसंबर माह में भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री में जहरीली मिक गैस से बचने के लिए मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्य मंत्री स्वर्गीय अर्जुनसिंह सपरिवार भोपाल स्थित अपना शासकीय आवास छोड़कर इसी केरवा डैम पर बने गेस्ट हाउस में चले गए थे ।भारत में बांध टूटने की घटनाएं गढ़वाल क्षेत्र के गोहाना ,मध्य प्रदेश के तीगरा ,पुणे के शन शेट ,दामोदर घाटी परियोजना,खड़गपुर, गुजरात के मच्छू, महाराष्ट्र का तिव्रे बांध का दरकना प्रमुख हैं।

मोदी की रूस यात्रा से अमेरिका और यूरोप परेशान

राजेश कुमार पासी

मोदी जी की रूस यात्रा के बाद अमेरिका किस कदर चिढ़ा हुआ है, इसका अंदाजा अमेरिकी राजदूत के बयान से लगाया जा सकता है । उसने बयान दिया है कि भारत को यह नहीं भूलना चाहिए कि युद्ध भारत से ज्यादा दूर नहीं है । देखा जाए तो यह सीधे-सीधे भारत को युद्ध की धमकी है । एक तरह से अमेरिका धमकी देने पर उतर आया है क्योंकि उसे लगता है कि भारत उसकी नीतियों के विरुद्ध जा रहा है । अमेरिकी राजदूत का बयान इसलिए अजीब है क्योंकि एक तरफ अमेरिका भारत से दोस्ती बढ़ाने की बात कर रहा है तो दूसरी तरफ वो दोस्त को युद्ध की धमकी दे रहा है । अमेरिकी रक्षा सलाहकार ने कहा है कि भारत रूस पर गलत बाजी लगा रहा है और ये उसे भारी पड़ने वाला है । अमेरिका ने कहा है कि रूस जरूरत पड़ने पर भारत को धोखा देगा क्योंकि रूस भारत का सच्चा दोस्त नहीं है । अमेरिका का कहना है कि रूस चीन पर बहुत ज्यादा निर्भर हो गया है, अगर भारत और चीन के बीच युद्ध हो जाता है तो रूस भारत की मदद नहीं करेगा । अमेरिका ने इस बारे में कुछ नहीं कहा है कि अगर रूस भारत का साथ नहीं देगा तो क्या अमेरिका चीन के खिलाफ भारत का साथ देगा । ऐसा कोई वादा अभी तक अमेरिका ने नहीं किया है । दूसरी बात उसने जिन देशों से वादा किया हुआ है वो देश भी अब अमेरिका पर विश्वास करने को तैयार नहीं हैं । देखा जाए तो भारत अपनी सुरक्षा के लिए किसी दूसरे देश की मदद पर निर्भर नहीं है और होना भी नहीं चाहिए । यूक्रेन ने अमेरिका और उसके साथी देशों के भरोसे रूस से युद्ध तो छेड़ दिया लेकिन वो पूरी तरह बर्बाद हो गया है । भारत ऐसी गलती करने की सोच नहीं सकता । भारत चीन के साथ अपने विवाद खुद ही सुलझाने में लगा हुआ है और चीन की इतनी भी हिम्मत नहीं है कि वो भारत से युद्ध छेड़ दे । चीन अच्छी तरह से जानता है कि भारत के साथ युद्ध सिर्फ भारत को नहीं बल्कि उसे भी बर्बाद कर देगा । अमेरिका जहां भारत को चीन से डरा रहा है वहीं दूसरी तरफ वो रूस से भारत को दूर रखने की कोशिश में है । अमेरिका और यूरोप ने पहले कभी भारत और रूस की दोस्ती पर ऊँगली नहीं उठाई है लेकिन भारत की बढ़ती ताकत का नतीजा है कि नाटो नहीं चाहता है कि भारत रूस के खेमे में चला जाए । मोदी जी की रूस यात्रा की जितनी चर्चा वैश्विक मीडिया में हुई है, शायद ही इससे पहले भारत के किसी प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा की हुई हो । जहां वैश्विक मीडिया मोदी जी के पुतिन से गले मिलने को लेकर उन्हें कोस रही है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका और यूरोप की जनता इस बात से खुश है कि मोदी जी ने पुतिन के सामने बैठकर युद्ध की निंदा की है । मोदी पुतिन के मुंह पर पहले भी कह चुके हैं और इस बार भी कहा है कि ये दौर युद्ध का नहीं है सारे मामले कूटनीति और बातचीत से तय होने चाहिए। ये बात कहने की हिम्मत मोदी के अलावा कोई और नेता नहीं कर सका है और न पुतिन किसी के मुंह से ऐसी बात सुन सकते हैं । नाटो देश अब इस बयान से खुश नहीं है क्योंकि उन्हें लगता है कि मोदी सिर्फ अपनी यात्रा का बचाव कर रहे हैं । वास्तव में दुनिया के कई देशों की जनता मानती है कि भारत उन देशों में है, जो युद्ध नहीं शांति चाहते हैं । वास्तव में भारत का हित इसमें है कि यह युद्ध जल्दी से जल्दी खत्म हो जाये लेकिन अमेरिका और उसके साथी कहते हैं कि यूक्रेन के आखिरी नागरिक तक युद्ध जारी रहेगा । इसका मतलब है कि ये देश चाहते हैं कि यूक्रेन का आखिरी नागरिक भी मर जाये । एक कॉमेडियन ने नाटो में शामिल होने की जिद्द में अपने देश को बर्बाद कर दिया है लेकिन ऐसी गलती कि उम्मीद भारत से नहीं की जा सकती । विदेश नीति में कहा जाता है कि कोई आपका स्थाई रूप से न दुश्मन होता है और न ही दोस्त होता है। कभी भी दोस्त दुश्मन और दुश्मन दोस्त बन सकता है लेकिन रूस और भारत की दोस्ती एक अपवाद के रूप में सामने आई है । इतने उतार-चढ़ाव के बाद भी रूस और भारत की दोस्ती में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है । रूस ने भारत के दुश्मनों की कभी मदद नहीं की जबकि अमेरिका और उसके दोस्त भारत के खिलाफ कई बार खड़े हो चुके हैं । भारत ये कैसे भूल सकता है कि जब भारत बांग्लादेश को आजाद करा रहा था तो अमेरिका ने अपना परमाणु विमानवाहक नौसैनिक बेड़ा भेजकर डराने की कोशिश की थी, तब इस रूस ने ही अपने नौसैनिक बेड़े से उसको डराकर भगा दिया था । इसके अलावा भारत के खिलाफ पाकिस्तान की आतंकवाद नीति का अमेरिका ने दशकों तक अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन किया है । अमेरिका भारत और रूस के रिश्तों को हथियार विक्रेता और ग्राहक के रिश्ते की तरह देखता है इसलिए वो कह रहा है कि जो भी हथियार भारत को चाहिए वो उसे अमेरिका देगा । वो ये कहना चाहता है कि रूस को छोड़कर भारत पूरी तरह से अमेरिकी खेमे में शामिल हो जाए । भारत अपनी सुरक्षा जरूरतों के लिए पूरी तरह से नाटो देशों पर निर्भर नहीं होना चाहता । वो नाटो के देशों के हथियार खरीदता है लेकिन रूस को भी अपने महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में देखता है । अमेरिका चाहता है कि भारत को अमेरिका की दोस्ती चाहिए तो रूस का साथ छोड़ना होगा । अमेरिका खुद को दुनिया का एकमात्र सुपर पावर मानता है लेकिन वो ये समझने को तैयार नहीं है कि रूस दोबारा खड़ा हो गया है और चीन भी विश्व शक्ति बनने की ओर अग्रसर है । सबसे बड़ी बात यह है कि भारत ने भी विश्व शक्ति बनने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं । उसकी दादागिरी अब ज्यादा दिन तक चलने वाली नहीं है । वास्तव में अमेरिका यह बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर चलते हुए वैश्विक राजनीति में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहा है । अमेरिका और उसके साथी देशों को ये बात पसंद नहीं आ रही है । अमेरिका भारत की बढ़ती शक्ति से डरा हुआ है क्योंकि वो नहीं चाहता कि भारत एक वैश्विक शक्ति बन जाये और विश्व का शक्ति संतुलन उसके पक्ष में न रहे । भारत जहां बहुध्रुवीय विश्व की बात कर रहा है तो वहीं दूसरी तरफ अमेरिका अभी भी एकध्रुवीय विश्व का सपना देख रहा है। अमेरिका और यूरोप चाहते हैं कि भारत रूस से तेल और कोयला खरीदना बंद कर दे जबकि यूरोप आज भी रूस से जबरदस्त खरीद कर रहा है । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक पत्रकार की बात का जवाब देते हुए कहा था जितना तेल हम महीने में खरीदते हैं उतना तो यूरोप वाले एक दोपहर में खरीद लेते हैं । यूरोप ने इस बयान पर चुप्पी साध ली थी आज तक उनकी बात का जवाब नहीं दिया है । उन्होंने यह भी कहा था कि यूरोप वाले सोचते हैं कि यूरोप की समस्या पूरी दुनिया की समस्या है और पूरी दुनिया की समस्या यूरोप की नहीं है । भारत अमेरिका और यूरोप के हितों के लिए अपने हितों की अनदेखी नहीं कर सकता ।

यूक्रेन की गलती की सजा भारत क्यों भुगते । भारत की अपनी मजबूरियां हैं, भारत इस समय रूस को अकेला नहीं छोड़ सकता क्योंकि ऐसा करने से रूस पूरी तरह से चीन पर निर्भर हो जायेगा । ऐसा होना न तो भारत के हित में है और न ही दुनिया के हित में है । दूसरी तरफ अमेरिका भी नहीं चाहता कि भारत को इतना नाराज कर दिया जाये कि वो चीन-रूस के खेमे में चला जाये । देखा जाये तो अमेरिका भारत की संप्रभुता को खत्म करके यूरोप जैसा बनाना चाहता है । जैसे उसके दूसरे सहयोगी उसके एक इशारे पर युद्ध में उतर जाते हैं और अपने हितों की भी अनदेखी कर देते हैं, वैसे ही भारत भी बन जाये । अब यूरोप की भी आंखें खुल रही हैं क्योंकि यूक्रेन युद्ध के कारण जहां उनकी अर्थव्यवस्था बर्बाद हो रही है तो दूसरी तरफ आंतरिक शांति को भी बड़ा खतरा पैदा हो गया है ।

बांग्लादेशियों की घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

अशोक भाटिया

चुनावी साल में झारखंड में आदिवासियों और मुसलमानों की आबादी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी का आरोप है कि राज्य के संथाल परगना में पिछले कुछ सालों में आदिवासियों की संख्या में कमी आई है जबकि यहां पर मुसलमान बढ़ गए हैं। पार्टी का कहना है कि यह सब साजिश के तहत हो रहा है।पार्टी ने चुनाव आयोग में भी इसकी शिकायत की है। भौगोलिक तौर पर झारखंड 4 हिस्सों (संथाल परगना, कोल्हान, उत्तर छोटानागपुर और दक्षिण छोटानागपुर) में बंटा है। संथाल परगना इलाके में झारखंड के 6 जिले गोड्डा, देवघर, दुमका, जामताड़ा, साहिबगंज और पाकुड़ शामिल हैं। झारखंड भाजपा के मुताबिक साल 1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई थी, उस वक्त संथाल परगना के जिलों में आदिवासियों की आबादी 44.67 प्रतिशत थी। 9.44 प्रतिशत मुसलमान थे।

45.9 प्रतिशत आबादी दलित, ओबीसी और सवर्ण समाज की थी। 1971 में इस आंकड़ों में बढ़ोतरी देखी गई। साल 1971 में आदिवासियों की संख्या में गिरावट हुई और इस साल संथाल परगना में आदिवासी 44.67 से 36।22 प्रतिशत हो गए। मुसलमान 9.44 से बढ़कर 14.62 प्रतिशत हो गए।1981 के जनगणना में आदिवासियों की आबादी में मामूली बढ़त देखी गई। इस साल के जनगणना के मुताबिक यहां पर आदिवासियों की संख्या 36.80 प्रतिशत थी। वहीं मुसलमानों की संख्या में करीब 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। साल 2011 के जणगणना के मुताबिक संथाल परगणना में घटकर आदिवासी करीब 28 प्रतिशत पर पहुंच गए। वहीं मुसलमानों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई। मुसलमान यहां बढ़कर 22.73 प्रतिशत पर पहुंच गए। बताया जाता है कि जमशेदपुर के रहने वाले दानियाल दानिश ने झारखंड हाई कोर्ट में PIL फाइल की थी कि संथाल परगना में बड़ी तादाद में घुसपैठिए दाखिल हो गए हैं जिससे वहां की डेमोग्राफी चेंज हो रही है और आदिवासियों की संख्या घट रही है। याचिकाकर्ता दानियाल ने अदालत से कहा कि संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं से शादी करके उनका धर्म परिवर्तन कर रहे हैं और उनकी ज़मीनों को गिफ्ट डीड के ज़रिए हथिया रहे हैं। उन्होंने कहा कि घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं से शादी करके उनके नाम पर रिजर्व पोस्ट को रिमोट से चला रहे हैं। दानियाल ने अपनी याचिका में हाई कोर्ट से यह भी कहा कि झारखंड के बंगाल से लगने वाले जिलों में घुसपैठियों ने बहुत बड़ी तादाद में मस्जिदें और मदरसे कायम कर लिए हैं। झारखंड हाई कोर्ट ने जिस मसले पर सुनवाई की, उसको लेकर संथाल परगना के लोग काफी दिनों से आवाज उठा रहे हैं। कई सोशल वर्कर, आदिवासियों की कम होती आबादी और बदलती डेमोग्राफी को लेकर चिंता जता चुके हैं। संथाल परगना में घुसना इसलिए आसान है क्योंकि वहां से बांग्लादेश केवल 15 किलोमीटर दूर है। संथाल परगना की सीमा पश्चिम बंगाल से लगती है और वहां से बांग्लादेश बॉर्डर ज्यादा दूर नहीं है। ज्ञात हो कि संथाल परगना के लोग अक्सर, कभी पैदल तो कभी नाव से नदी पार करके बंगाल जाते-आते रहते हैं। अब अगर बांग्लादेश से किसी को झारखंड में दाखिल होना है तो उसे बस ये 15 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है। बांग्लादेश बॉर्डर करीब होने की वजह से ऐसे कई पॉइंट हैं जहां बंगाल से होते हुए, झारखंड में दाखिल हुआ जा सकता है। झारखंड का पाकुड़ जिला बांग्लादेश बॉर्डर से सबसे करीब पड़ता है। वहां काम करने वाले सोशल एक्टिविस्ट धर्मेंद्र कुमार ने घुसपैठ के पूरे नेक्सस के बारे में बताया। घुसपैठ करके झारखंड में बसने वाले बांग्लादेशियों के पास कई बार तो दोनों देशों के ID कार्ड होते हैं जिससे वे आराम से बांग्लादेश और भारत आ-जा सकें। बताया जाता है कि झारखंड में बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों के लिए फेक डॉक्यूमेंट बनाने के लिए बाकायदा फेक वेबसाइट्स भी चलाई जा रही हैं और सरकार को भी इसकी खबर है। पिछले साल गृह मंत्रालय ने एक डॉक्यूमेंट रिलीज किया था। इसमें बताया गया था कि 120 से ज्यादा फेक वेबसाइट्स, नकली बर्थ सर्टिफिकेट बनाने का काम कर रही हैं। होम मिनिस्ट्री ने झारखंड सरकार को खासतौर पर चेताया था कि राज्य में बहुत सी वेबसाइट चल रही हैं जो घुसपैठियों के लिए नकली बर्थ सर्टिफिकेट बना रही हैं। भारत की नागरिकता हासिल करने के बाद घुसपैठियों का असली खेल शुरू होता है। वे आदिवासी लड़कियों को अपने जाल में फंसाते हैं, उनसे ब्याह करते हैं और फिर उनकी जमीनें हासिल करने की कोशिश करते हैं। असल में आदिवासी अपनी ज़मीन किसी को बेच नहीं सकते। संथाल परगना टेनेंसी एक्ट के तहत, ट्राइबल्स अपनी जमीनें लीज पर भी नहीं दे सकते। इसलिए अब घुसपैठियों ने आदिवासियों की जमीन हड़पने का एक नया रास्ता निकाल लिया है। घुसपैठिए, इसके लिए आदिवासियों से गिफ्ट डीड कराते हैं यानी डॉक्यूमेंट तैयार करके आदिवासियों से उनकी जमीन गिफ्ट करा ली जाती है, फिर इन जमीनों पर अवैध काम किए जाते हैं। गौरतलब है कि अप्रैल 2022 में दुमका में हथियारों की एक अवैध फैक्ट्री पकड़ी गई थी। यह हथियार फैक्ट्री गिफ्ट डीड की जमीन पर चल रही थी। जब बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने छापा मारा, तब ये मामला सामने आया था। जब कुछ रिपोर्टर संथाल परगना इलाके में पहुंचे तो उन्हें कई जिलों में एक खास ट्रेंड दिखा। कई आदिवासी महिलाओं से मुसलमानों ने शादी कर ली थी जिनमें से कई महिलाएं ऐसी थीं जो अपने-अपने गांव की पंचायत की मुखिया हैं लेकिन उनका रिमोट उनके मुस्लिम पतियों के पास है। ऐसी महिलाओं की आदिवासी पहचान मिट चुकी है और वे खुद भी इस्लामिक तौर तरीके अपना रही हैं। इनके बच्चे भी इस्लाम धर्म का हिस्सा बन रहे हैं। दुमका और साहिबगंज जिलों में पत्रकारों को ऐसे कई मामले मिले। साहिबगंज के बिशुनपुर गांव में मुखिया का पद आदिवासियों के लिए रिजर्व है। यहां से तालामई टुडु मुखिया हैं और उन्होंने वसीम अकरम से शादी की है। पूरा गांव तालामई के बजाय वसीम अकरम को ही मुखिया कहता है। वहीं, तालामई टुडु ने बताया कि वह पर्दा प्रथा मानने लगी हैं और नमाज पढ़ने लगी हैं। बिशुनपुर में आशा वर्कर थेमी सोरेन ने कहा कि उनके गांव में ही नहीं, आसपास के कई गांवों में मुसलमानों ने आदिवासी लड़कियों से शादी की है। इससे आदिवासियों की आबादी घटती जा रही है क्योंकि उनके बच्चे मुसलमान होते हैं।

सियासत से अलग, घुसपैठ एक गंभीर मसला है। भारत के सबसे बड़े आदिवासी इलाकों की डेमोग्राफी बदल जाना चिंता की बात है। झारखंड सरकार को इसे राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय एक सीरियस सोशल इश्यू के तौर पर स्वीकार करना होगा।

कीमतों में कमी लाये सरकारी बफर स्टॉक

प्रियंका सौरभ

बफर स्टॉक आवश्यक वस्तुओं के भंडार हैं जो आपूर्ति और मांग में उतार-चढ़ाव को प्रबंधित करने के लिए बनाए रखे जाते हैं। भारत में चौथी पंचवर्षीय योजना (1969-74) के दौरान शुरू किए गए, वे खाद्य सुरक्षा , आर्थिक स्थिरता और मूल्य नियंत्रण सुनिश्चित करते हैं। उदाहरण के लिए, भारतीय खाद्य निगम द्वारा बनाए गए चावल और गेहूं के बफर स्टॉक प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान इन प्रमुख वस्तुओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं, जिससे खाद्य सुरक्षा और मूल्य स्थिरता का समर्थन होता है। बफर स्टॉकिंग खाद्य पदार्थों की कीमतों में अत्यधिक अस्थिरता को रोकने का एक साधन हो सकता है, मुद्रा बाजार के मुकाबले आरबीआई के विदेशी मुद्रा भंडार के समान। जलवायु-संचालित मूल्य अस्थिरता में वृद्धि - जो अंततः न तो उपभोक्ताओं और न ही उत्पादकों की मदद करती है - केवल खाद्य बफर नीति के मामले को मजबूत करती है। आपूर्ति को बढ़ावा देने और कीमतों को स्थिर करने के लिए कमी की अवधि के दौरान बफर स्टॉक जारी किया जाता है, जिससे उपलब्धता सुनिश्चित होती है। उदाहरण के लिएः 2019 में प्याज की कीमत में उछाल के दौरान , भारत सरकार ने आपूर्ति बढ़ाने, कीमतों को नियंत्रित करने और मुद्रास्फीति को रोकने के लिए बफर स्टॉक जारी किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्याज सस्ती बनी रहे। बफर स्टॉक बनाए रखने से सरकार आपूर्ति की कमी के दौरान कीमतों में भारी वृद्धि को रोक सकती है, जिससे बाजार की मांग संतुलित रहती है । उदाहरण के लिएः 2020 में , सरकार ने कीमतों को स्थिर करने के लिए बफर स्टॉक से दालें जारी कीं, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि उत्पादन में कमी के बावजूद दालें उपलब्ध और सस्ती बनी रहें। बफर स्टॉक बाजार में आपूर्ति और मांग की गतिशीलता को विनियमित करके अत्यधिक मूल्य में उतार-चढ़ाव को सुचारू बनाने में मदद करते हैं। बफर स्टॉक कमी के दौरान बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर मुद्रास्फीति को कम करते हैं, जिससे कीमतों में अत्यधिक वृद्धि को रोका जा सकता है। उदाहरण के लिएः 2021 में गेहूं और चावल के स्टॉक को जारी करने से भारत में बढ़ती खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिली, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि मुख्य अनाज उपभोक्ताओं के लिए किफ़ायती रहे. बफर स्टॉक स्थिर बाजार सुनिश्चित करके, अधिक आपूर्ति के कारण कीमतों में गिरावट को रोककर और मूल्य स्थिरता प्रदान करके किसानों की सहायता करते हैं। उदाहरण के लिएः सरकार ने अतिरिक्त दूध खरीदा और किसानों के लिए दूध की कीमतों को स्थिर करने के लिए इसे स्किम्ड मिल्क पाउडर (एसएमपी) में बदल दिया, जिससे अधिक आपूर्ति के कारण वित्तीय नुकसान को रोका जा सके। बफर स्टॉक आवश्यक खाद्य पदार्थों तक निरंतर पहुँच सुनिश्चित करते हैं , जिससे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए महामारी के दौरान , गरीबों के लिए भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने, भूख को रोकने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया गया था। बफर स्टॉक कीमतों को स्थिर करके और बाजार संतुलन बनाए रखकर आर्थिक झटकों को रोकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिरता में योगदान मिलता है। उदाहरण के लिएः महाराष्ट्र में 2018 के सूखे के दौरान बफर स्टॉक जारी करने से कीमतों को स्थिर करने और आर्थिक स्थिरता का समर्थन करने में मदद मिली, जिससे क्षेत्र में आर्थिक संकट को रोका जा सका। बफर स्टॉक जलवायु-प्रेरित आपूर्ति झटकों के कारण खाद्य उपलब्धता पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करते हैं, जिससे जलवायु लचीलापन बढ़ता है। अधिशेष वर्षों के दौरान अतिरिक्त उपज की खरीद करके , बफर स्टॉक किसानों को एक स्थिर बाजार और उचित मूल्य प्रदान करता है, जिससे ग्रामीण आर्थिक स्थिरता में योगदान मिलता है। बफर स्टॉक कल्याणकारी योजनाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करते हैं, जो कमज़ोर आबादी का समर्थन करके और सामाजिक स्थिरता बनाए रखकर आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिएः प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेवाई) ने कोविड-19 महामारी के दौरान गरीबों को भोजन वितरित करने के लिए बफर स्टॉक पर भरोसा किया , जिससे भूख और अभाव को रोककर आर्थिक और सामाजिक स्थिरता सुनिश्चित हुई। चूंकि भारत जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती अस्थिरता और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, इसलिए सरकार द्वारा नियंत्रित बफर स्टॉक कीमतों को स्थिर करने और आर्थिक स्थिरता का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करके, मुद्रास्फीति को कम करके और कल्याणकारी योजनाओं का समर्थन करके, ये बफर स्टॉक खाद्य सुरक्षा और आर्थिक लचीलापन बढ़ाएंगे, सतत विकास को बढ़ावा देंगे और भविष्य में एक स्थिर आर्थिक वातावरण को बढ़ावा देंगे।

बजट और बहस

डॉ टी महादेव राव

बारिश थम गई थी। मॉर्निंग वॉक के बाद समुद्र तट पा बने बैंचों पर आठ दस लोग विराजे बड़ी गंभीर चर्चा में मग्न थे। मेरे पहुंचते ही मित्र मकरंद ने आवाज लगाई ₹महादेव! आओ।

मैने पूछा क्या चर्चा चल रही है बड़ी गंभीरता के साथ?

जल्दी ही बजट पेश होने वाला है, उसी पर चर्चा कर रहे थे। क्या कुछ कम हो सकता है? किस मद पर कर बढ़ेगा? जीएसटी का क्या होगा? ऐसे ऐसे प्रश्नों पर चर्चा कर रहे थे। मकरंद की पत्नी ने कहा इस बार वित्त मंत्री बजट पेश करते समय किस रंग की साड़ी पहनेंगी। मंगलगिरी की या कांचीपुरम के कोसा की साड़ी होगी या बनारस की? कितना देर वह बजट पेश करेंगी। बीच बीच में शेरोशायरी होगी या ज्ञान की बातों का उद्धरण होगा।सही जा रहे हो आप लोग। बजट में क्या होगा, पिछले दस सालों से सभी को पता है। वरिष्ठ नागरिकों को कोई सुविधा, कोई राहत, भविष्य निधि पर बढ़ा पेंशन नहीं दिया जा रहा है, न दिया जाएगा। अप ऐसा कैसे कह सकते हैं? क्या आपने पहले से ही बजट पढ़ लिया है या किसी स्रोत से आपको सारा कुछ पता हो गया? हमारे ग्रुप के परम भक्त परमेश ने गोली दागी। अब चांवल पूरी तरह भात बना है या नहीं जानने के लिए क्या हर एक चावल के दाने को जांचोगे, परखोगे? महादेव सही कह रहे हैं। पिछले अनुभव के आधार पर यही सब तो।हो रहा है जो इन्होंने कहा। एक और साथी सुंदरेशन ने अपनी दलील पेश की। फिर भी कुछ तो राहत मिलेगी, ऐसा लगता है। चुनाव तीसरी बार जीते हैं तो एक तिहाई टैक्स होगी, जीएसटी भी एक तिहाई कम होगी, फलस्वरूप महंगाई भी एक तिहाई कम होगी। हमारे कॉलोनी का पत्रकार हरीश का दावा था। मैं हंस दिया।

भाई दो तिहाई वोटों से जीतने का मतलब यह हरगिज नहीं कि बचे एक तिहाई का फॉर्मूला बजट पे लागू होगा। आर्थिक हालत देश की पतली है, भले ही यह दावा भी है कि हम विश्व के तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहे हैं। जहां चुनावी परिणामों के चलते शेयर मार्केट इधर उधर हो सकता है, वहां कुछ कम होगा की उम्मीद बस उम्मीद ही है, सचाई नहीं। अर्थशास्त्र के रिटायर्ड प्रोफेसर जगन्नाथ कह रहे थे।

तीन गुना रोओगे जब बजट होगा। तीसरी बार तीन गुना महंगाई की मार झेल रहे हैं। आप शेयर मार्केट का अंदाजा लगा सकते हैं लेकिन कौन सी चीज का दाम कब कितना हो जाए, कोई नहीं बता सकता। कॉमरेड कामेश्वर बोल रहे थे। परेशान सी दिखती मकरंद की बीवी को देख कर ब्रेगेनजा ने कहा भाभी जी देखिए।

आषाढ़ी एकादशी पर निकलती है पंढरपुर की दिंडी यात्रा

हर साल आषाढ़ माह की एकादशी पूरे भारत में देवशयनी या आषाढ़ी एकादशी के नाम से मनाई जाती है। आषाढ़ी एकादशी के मौके पर महाराष्ट्र में एक अलग ही धूम देखने को मिलती है। इस त्योहार पर महाराष्ट्र के हर कोने से भक्त दिंडी जात्रा का हिस्सा बनते हैं और पंढरपुर में विट्ठल के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस यात्रा में शामिल होने वाले हर वारकरी (भक्त) की यही इच्छा होती है की उन्हें मुक्ति ना मिले और फिर उन्हें मानव जीवन में इस धरती में आना पड़े ताकि वो विट्ठल की भक्ति कर सकें। आषाढ़ी एकादशी पर पंढरपुर यात्रा से जुड़ी और दिलचस्प बातें जानते हैं।

800 वर्षों से किया जा रहा है यात्रा का आयोजन पंढरपुर में भगवान विष्णु के अवतार विठोबा और उनकी पत्नी रुक्मणि के सम्मान में श्रद्धालु हर साल यहां पहुंचते हैं। भक्तों का जमावड़ा साल में चार बार लगता है। सबसे ज्यादा अकीदतमंद आषाढ़ महीने में और फिर क्रमशः कार्तिक, माघ और श्रावण महीने में एकत्रित होते हैं। ऐसी मान्यता है कि शोलापुर नगर में भीमा नदी के तट पर मौजूद विठोबा मंदिर में इस उत्स्व का आयोजन 800 सालों से होता आ रहा है।

भक्त के दिए ईंट को श्रीकृष्ण ने बनाया था अपना आसन

पुंडलिक अपने माता पिता के परम सेवक थे और भगवान श्रीकृष्ण के परम भक्त। प्रचलित कथा के अनुसार, एक दिन पुंडलिक अपने माता पिता की सेवा कर रहे थे और तभी कृष्ण भगवान उन्हें दर्शन देने पहुंच गए। मगर भक्त पुंडलिक अपने पिता के चरण दबाते रहे। पुंडलिक खड़े नहीं हुए और भगवान को खड़े होने के लिए उन्होंने ईंट सरका दी। वहीं प्रभु कृष्ण अपने भक्त पुंडलिक की पितृभक्ति से प्रसन्न हुए और उसके दिए ईंट को स्वीकार किया तथा अपनी कमर पर हाथ रखकर उस पर ही खड़े हो गए। इस वजह से यहां निज मंदिर में भगवान की मूर्ति कमर पर हाथ रखकर खड़े हुए है। कृष्ण ने पत्थर (विठ या ईंट) को खुशी से अपना आसन बनाया इस वजह से ये विठोबा के नाम से मशहूर हुए।

विठोबा की मूर्ति को ले गए थे कृष्णदेव ऐसा कहा जाता है कि विजयनगर साम्राज्य के मशहूर राजा कृष्णदेव पंढरपुर में मौजूद विठोबा की मूर्ति को अपने राज्य में ले गए थे मगर बाद में प्रभु का एक भक्त उनकी मूर्ति को वापस इस स्थान पर ले आया और इसे पुनः स्थापित कर दिया।

-पंढरीनाथ नर्सीकर

इस दिन भूलकर भी न पहनें नए कपड़े, भाग्य पक्ष होता है कमजोर

अगर आप नया कपड़ा खरीदना या पहनना चाहते हैं तो सबसे पहले यह देख लीजिए कि आज कौन सा वार है। कपड़े की खरीदारी में दिन की विशेषता बहुत ही मायने रखती है। यह जरूर देख लें अपने कैलेंडर में कि आप किस दिन कपड़ों की ख़रीदारी कर रहें हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि सनातन धर्म में प्रत्येक दिन नए वस्त्र की खरीदारी करना या पहनना शुभ नहीं माना जाता है।

कुछ खास ही दिन है जब नए कपड़े की खरीदारी करनी चाहिए या नए कपड़े पहने चाहिए। अगर आप नए कपड़े खरीदने या पहनने की सोच रहे हैं तो एक बार देख लीजिए कि कौन से दिन नए कपड़े खरीदने या पहनने चाहिए और किस दिन कपड़ा खरीदना अशुभ माना जाता है-

कपड़े से बिगड़ सकता है आपका भाग्य

आपको इस बात से हैरानी हुई होगी, लेकिन ज्योतिष शास्त्रों में कपड़ों का सीधा संबंध आपके भाग्य से बताया गया है। यह भाग्य बिगाड़ने का जिम्मेदार भी साबित हो सकता है। ज्यादातर लोग सिर्फ पुराने कपड़ों को ही लंबे अंतराल या सालों साल पहनते हैं जो असल में नकारात्मकता को आपके जीवन में जगह देता रहता है। कपड़ों से जीवन में कई प्रकार की समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है।

किस दिन पहने नए कपड़े

ज्योतिष शास्त्रों के मुताबिक बुधवार, **गुरुवार, शुक्रवार और रविवार** को नए कपड़े पहनने चाहिए। इस दिन नए वस्त्र की खरीदारी करना या नए वस्त्र पहनना बेहद ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से आपके जीवन में कई प्रकार की तरक्की के द्वारा खुल सकते हैं। आपका मनोबल बहुत ही उच्च स्तर में जाता है। जिंदगी में नई सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार होता है। नए कपडे धारण करने से आपकी मानसिक स्थिति में शीतलता आती है। इससे आप अपनी जिंदगी में प्रगति करके धन और दौलत भी हासिल कर सकते हैं।

भूलकर भी इन तीन दिन न पहने नए कपड़े

ज्योतिष शास्त्रों के मुताबिक कुछ दिन ऐसे होते हैं जब आपको नए वस्त्र धारण नहीं करने चाहिए। **सोमवार, मंगलवार और शनिवार** के दिन पर आपको नए कपड़े बिल्कुल भी नहीं पहनने चाहिए। यह अशुभ माना गया है। कहा जाता है कि इस दिन नए वस्त्र धारण करने से कई कार्यों में बाधा आनी शुरु हो जाती है। अगर आपको इस दिन नए कपड़े पहन के जाने है तो एक बार उसे पहनकर फिर उतार लीजिए। उसके पश्चात फिर से आप उस कपड़े को पहने। इस तरह आपका कपड़ा नया नहीं रहेगा और आप इन तीन दिनों में भी नए कपड़े धारण कर सकेंगे।

चमत्कार से कम नहीं है मां भगवती का ये धाम

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के पटिहटा में प्राचीन भगवती मां का मंदिर है। कहा जाता है कि मैहर माता के प्राण प्रतिष्ठा के वक्त ही मां भगवती की स्थापना हुई थी। भक्तों के हर दुख को हर लेने वाली मां भगवती के दर्शन के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। यहां पर दर्शन मात्र से भक्तों की हर मुराद पूरी हो जाती है। नवरात्रि में मां का विशेष पूजन होता है, जिसमें भारी संख्या में दर्शनार्थी पहुंचते हैं। वहीं, सप्ताह में मंगलवार को दूर-दराज से भक्त दर्शन-पूजन के लिए मां भगवती के धाम में पहुंचते हैं।

मिर्जापुर से जिले 45 किलोमीटर दूर पटिहटा गांव में मां भगवती का मंदिर स्थित है। सैकड़ों वर्ष पुरानी मंदिर में भक्त दर्शन पूजन के लिए आते हैं। बियार मां को कुलदेवी मानकर पूजन अर्चन के लिए आते हैं। मंदिर के पुजारी पं। राम आसरे मिश्रा ने बताया कि मंदिर की स्थापना सैकड़ों वर्ष पहले हुआ है। यहां पर पहले कुछ नहीं था। मां ने भक्तों पर कृपा बरसाई, जिसके बाद भव्य व दिव्य मंदिर का निर्मण हुआ है। नवरात्रि, गुप्त नवरात्रि व मंगलवार को भक्तों की भीड़ दर्शन के लिए उमड़ती है।

पूरी करती है हर मनोकामना

पं राम आसरे मिश्र ने बताया कि मां भगवती में चमत्कारिक शक्ति है। यहां दर्शन मात्र से ही भक्तों की हर मुराद पूरी हो जाती है। हम धाम इसलिए भी विशेष है क्योंकि इनका नाता मैहर माता से जुड़ा हुआ है। भक्तों के द्वारा मां का प्रिय नारियल, चुनरी व माला चढ़ाया जाता है। उन्होंने बताया कि मां करुणामयी है, जो भक्तों के हर मनोरथ को पूर्ण कर देती है।

दूर-दूर से आते हैं लोग

भक्त राहुल सिंह ने बताया कि मां भगवती के दर्शन के लिए पूर्वांचल के अलग-अलग जनपदों से लोग आते हैं। हम भी यहां पर कई बार दर्शन कर चुके है। मां भगवती की नवरात्रि में विशेष आरती होती है, जिसे देखने के लिए भी दूर-दराज से भक्त यहां पर आते हैं। मां में बहुत शक्ति है, जो हर मुराद को पूरी कर देती है।

यूपी का 100 साल पुराना चमत्कारी मंदिर..

भारत में अनोखे मंदिरों की कोई कमी नहीं है। हर मंदिर की अलग कहानी और मान्यता है। कुछ मंदिर तो इतने साल पुराने हैं कि उनका इतिहास जान ही लोग उत्सुक हो जाते हैं। यूपी के बागपत में भी कई चमत्कारी मंदिर है। शिव शनि धाम शक्ति माता मंदिर भी इन मंदिरों की लिस्ट में आता है। इस मंदिर को 1910 में बनाया गया था। तब से लेकर आज तक, लगातार लोग इस मंदिर में पूजा-पाठ के लिए आते हैं।

शिव शनि धाम शक्ति माता मंदिर

बागपत का शिव शनि धाम शक्ति माता मंदिर बहुत ही चमत्कारी है। इस मंदिर का निर्माण 1910 में गांव वालों ने करवाया था। तभी से इस मंदिर की मान्यता लगातार बढ़ती जा रही है। यहां लोगों को चमत्कार देखने को मिलते हैं। कहा जाता है कि यहां सच्चे मन से पूजा अर्चना करने वाले हर भक्त की मुराद पूरी होती है। इस मंदिर की परिक्रमा करने को लेकर भी कई खास कहानी जुड़ी है। सुख, शांति और कष्टों के निवारण के लिए लोग यहां परिक्रमा करते हैं।

पूरी होती है हर एक मनोकामना

शिव भक्त सुशील कुमार ने बताया कि ग्रामीण द्वारा इस मंदिर का निर्माण 1910 में कराया था। तभी इस मंदिर परिसर में गौशाला का भी निर्माण कराया गया था। इस मंदिर में तभी से लोग हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, चंडीगढ़, अंबाला सहित अन्य स्थानों से आने लगे। मंदिर की मान्यता है कि कभी भी इस मंदिर से कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं लौटता। जिसने इस मंदिर में सच्चे मन और श्रद्धा से पूजा अर्चना की, उसकी सभी मनोकामनाएं भगवान शिव ने जरूर पूरी करते हैं।

कई संतों ने भी की है यहां पूजा

शिव शनि धाम शक्ति माता मंदिर में बड़े-बड़े और महान साधु संतों ने पूजा अर्चना की है। यह शिव मंदिर शिव भक्तों की आस्था का बड़ा केंद्र है और इस मंदिर में सभी देवी देवताओं की मूर्तियां स्थापित है। मंदिर की परिक्रमा करने से सुख समृद्धि में वृद्धि होती है और कष्टों का निवारण होता है। मन्नत पूरी होने के बाद इस मंदिर में प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन कराया जाता है। गौशाला की भी देखरेख मंदिर कमेटी करती है।

आज चिर निद्रा में चले जाएंगे श्रीहरि

इस वर्ष देवशयनी एकादशी के दिन चार शुभ योग बन रहे हैं। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि भगवान जगत के पालनहार विष्णु नारायण चार माह तक निद्रा अवस्था में चले जाते हैं। इस दौरान सभी मांगलिक कार्य पूर्ण रूप से बंद कर दिए जाते हैं।

भगवान श्री हरि के चार माह तक शयन अवस्था में जाने के कारण इसे चातुर्मास के नाम से भी जाना जाता है। चातुर्मास में सभी प्रवेश इत्यादि जैसे सभी शुभ कार्य पूर्ण रूप से बंद रहेंगे।

व्रत का पारण 18 जुलाई दिन गुरुवार को किया जाएगा।

देवशयनी एकादशी 2024 पर शुभ संयोग

17 जुलाई को देवशयनी एकादशी की पूजा ब्रह्म मुहूर्त से प्रारंभ की जा सकती है। उस दिन प्रातः काल से ही सर्वार्थ सिद्धि योग बना है जिसमें किए गए संपूर्ण कार्य सफल और सिद्ध साबित होंगे। देवशयनी एकादशी की देवी देवता निद्रा अवस्था में चले जाते हैं और सृष्टि का संचालन भगवान शिव के हाथों में समर्पित कर दिया जाता है।

देवशयनी एकादशी पर व्रत रखकर भगवान विष्णु नारायण की विधि विधान से पूजा अर्चना की जाती है। उनके आशीर्वाद से मोक्ष की प्राप्ति होती है और जाने अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है। आइए विस्तार पूर्वक जानते हैं देवशयनी एकादशी की तिथि, मुहूर्त, व्रत का पारण, समय और पूजा विधिः हिंदू पंचांग के मुताबिक आषाढ़ शुक्ल की एकादशी तिथि 16 जुलाई रात्रि 8:33 पर प्रारंभ होगी और 17 जुलाई रात्रि 9:02 पर समाप्ति होगी। उदया तिथि के मुताबिक देवशयनी एकादशी का व्रत 17 जुलाई दिन बुधवार को रखा जाएगा। इसके कारण चार माह तक कोई भी मांगलिक कार्य नहीं होंगे। इस दौरान शादी विवाह, मुंडन, नामकरण, गृह तिथि पर सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग, शुभ योग और शुक्ल योग निर्माण होगा। यह सभी पूजा पाठ और शुभ कार्यों के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है। व्रत के दिन अनुराधा नक्षत्र और पारण वाले दिन जेष्ठ नक्षत्र भी है।

देवशयनी एकादशी पूजा विधि

* सर्वप्रथम ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करके भगवान सूर्य को जल का अर्घ्य दें और स्वच्छ वस्त्र धारण करके मंदिर की साफ सफाई करें।
* इसके पश्चात गणेश जी को दंडवत प्रणाम करें।
* भगवान जगत के पालनहार विष्णु नारायण का पंचामृत सहित गंगाजल से अभिषेक करें।
* अब प्रभु को पीला चंदन और पीले पुष्प अर्पित करें।
* इसके पश्चात मंदिर में घी का दीपक प्रज्वलित करें और विष्णु चालीसा का सच्चे भाव से पाठ करें।
* कोमल मन और श्रद्धा पूर्वक भगवान विष्णु जी की विधिवत आरती करें।
* तुलसीदल सहित मिष्ठान या फल का भोग लगाएं। * अंतिम में जाने अनजाने में हुई भूल चुक के लिए जगत के पालनहार विष्णु नारायण से क्षमा की प्रार्थना करें।

तीन राशियों की चमकेगी किस्मत

वहीं देवश्यनी एकादशी के ठीक 1 दिन पहले सूर्य कर्क राशि में गोचर कर रहे हैं। यहां पहले से ही बुद्ध और शुक्र विराजमान है।

इससे बुद्धाआदित्य राजयोग और शुक्रआदित्य राजयोग का निर्माण हो रहा है। यह दोनों शुभ योग तीन राशियों की किस्मत चमकाने वाली है। एकादशी के दिन तीन राशियों के ऊपर सकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है। भगवान विष्णु की कृपा बरसने वाली है। वह तीन राशि मेष वृषभ और सिंह है।

मेष राशि: देवशयनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की कृपा मेष राशि जातक के ऊपर पड़ने वाला है। आर्थिक उन्नति होने वाली है। स्वास्थ्य भी उत्तम रहने वाला है। घर में खुशी का माहौल रहने वाला है। करियर कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी की तलाश पूरी होने वाली है। अपने कार्य के कारण समाज में मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होने वाली है। जीवन के सभी परेशानियों से छुटकारा मिलने वाला है। कोई पुराना महत्वपूर्ण अटका हुआ कार्य पूर्ण होने वाला है। वैवाहिक जीवन भी सुखमय रहने वाला है।

सिंह राशि: सिंह राशि जातक के ऊपर भगवान विष्णु की कृपा देवशयनी एकादशी के दिन पढ़ने वाली है। आर्थिक सफलता का योग बन रहा है। व्यापार में धन निवेश करते हैं तो आर्थिक लाभ होगा।संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिल सकता है।आमदनी के नए-नए स्रोत बनने वाले हैं। खर्च कम और मुनाफा ज्यादा होने के कारण बैंक बैलेंस भी बढ़ने वाला है।किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहने वाला है।

तीसरी बार बड़े पर्दे पर साथ दिखेंगे शाहरुख-अभिषेक

फिल्म किंग में हुई कास्टिंग, थ्रिलर फिल्म में निभाएंगे विलेन का रोल

शाहरुख खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म किंग की तैयारियों में जुटे हुए हैं। हाल ही में शाहरुख, अनंत-राधिका की शादी का हिस्सा बनने लंदन में चल रही शूटिंग छोड़कर भारत आए थे।

अब रिपोर्ट्स हैं कि इस फिल्म में अभिषेक बच्चन की भी कास्टिंग हो चुकी है। अभिषेक फिल्म में विलेन की भूमिका निभाएंगे।

हाल ही में आई पीपिंग मून की रिपोर्ट के अनुसार, अभिषेक बच्चन ने फिल्म साइन कर ली है। वो फिल्म किंग में नेगेटिव रोल प्ले करने वाले हैं, हालांकि उनका असल किरदार कैसा होगा, इस पर कोई जानकारी नहीं मिली है। सोर्स की मानें तो वो एक सोफिस्टिकेटेड और कॉम्प्लेक्स विलेन के रोल में दिखेंगे। फिल्म में उन्हें और शाहरुख को आमने-सामने दिखाया जाने वाला है।

2 फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं अभिषेक-शाहरुख

फिल्म किंग से पहले अभिषेक बच्चन और शाहरुख खान 2 फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं। दोनों सबसे पहले साल 2006 की फिल्म कभी अलविदा न कहना में साथ नजर आए थे। इसके बाद दोनों फिल्म हैप्पी न्यू ईयर में भी साथ दिखे हैं।

अभिषेक बच्चन ब्लॉकबस्टर फिल्म कभी खुशी कभी गम में भी एक कैमियो रोल निभाने वाले थे, हालांकि क्रिएटिव डिफरेंस के चलते उन्होंने फिल्म छोड़ दी थी। इसके अलावा अभिषेक, शाहरुख की फिल्म ओम शांति ओम में भी कैमियो कर चुके हैं।

2026 में रिलीज हो सकती है फिल्म किंग

कहानी, कहानी 2, जाने जा जैसी बेहतरीन फिल्मों के निर्देशक रहे सुजोय घोष फिल्म किंग को डायरेक्ट करने वाले हैं। ये एक क्राइम थ्रिलर फिल्म होने वाली है, जिसे एक्शन-पैक्ड बनाया जाएगा। साल 2025 के आखिर तक फिल्म बनकर तैयार हो जाएगी, जिसके बाद इसे 2026 में रिलीज किया जाएगा।

फिल्म से शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान बड़े पर्दे पर डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने नेटफ्लिक्स की फिल्म द आर्चीज से एक्टिंग डेब्यू किया था।

फिल्म को रेड चिल्लीज प्रोडक्शन द्वारा प्रोड्यूस किया जा रहा है। ये अभिषेक बच्चन और सुजोय घोष की दूसरी फिल्म होने वाली है। इससे पहले सुजोय घोष ने अभिषेक बच्चन स्टारर फिल्म बॉब बिस्वास प्रोड्यूस की थी।

शूटिंग छोड़कर अनंत-राधिका की शादी में पहुंचे थे शाहरुख

शाहरुख खान बीते कुछ समय से लंदन में फिल्म किंग की शूटिंग कर रहे हैं। 12 जुलाई को अनंत-राधिका की शादी अटेंड करने के लिए शाहरुख खान लंदन से मुंबई आए थे।

शुभ विवाह और आशीर्वाद सेरेमनी अटेंड करने के बाद शाहरुख खान वर्क कमिटमेंट के चलते लंदन लौट गए थे। उन्होंने अनंत-राधिका का रिसेप्शन अटेंड नहीं किया था।

तृप्ति डिमरी और विक्की कौशल के इंटीमेट सीन पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की आगामी फिल्म 'बैड न्यूज' ने रिलीज से पहले काफी हलचल मचा दी है। इसकी वजह है दोनों के बीच फिल्माए गए इंटीमेट सीन। फिल्म के गाने 'जानम' में दोनों के बीच हद से ज्यादा बोल्ड दृश्य देखने को मिले हैं। फिल्म रिलीज से सिर्फ तीन दिन दूर है। इससे पहले सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) ने मेकर्स को फिल्म से इंटीमेट सीन हटाने की बात कही है।

सीबीएफसी ने निर्माताओं को फिल्म से इंटीमेट सीन को एडिट करने का आग्रह किया है। रिपोर्ट के मुताबिक सीबीएफसी ने निर्माताओं से फिल्म के तीन अलग-अलग हिस्सों से इंटीमेट सीन हटाने की गुजारिश की है। इस सभी दृश्यों की कुल अवधि 27 सकेंड बताई जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिल्म की सीबीएफसी की जांच समिति ने जांच की। इसके बाद विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी के बीच तीन अंतरंग दृश्यों को हटाने की बात कही है। कट लिस्ट में बताए गए ये दृश्य कुल मिलाकर 27 सेकंड के हैं। इनमें एक सीन 9 सेकंड का, दूसरा 10 सेकंड और तीसरा 8 सेकंड है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि सूची के मुताबिक फिल्म में दिखाए गए 'लिप-लॉक' के दृश्यों को एडिट करने की जरूरत है। इसके अलावा सीबीएफसी ने शुरुआत में एक अस्वीकरण को बदलने, शराब विरोधी संदेश डालने और शराब विरोधी संदेश का फॉन्ट आकार बढ़ाने सहित कुछ छोटे बदलावों का अनुरोध भी निर्माताओं से किया है।

इन बदलावों को करने के बाद फिल्म 'बैड न्यूज' के निर्माताओं को सीबीएफसी द्वारा यू/ए सर्टिफिकेट दिया गया। सेंसर सर्टिफिकेट के अनुसार, फिल्म की अवधि 142 मिनट या 2 घंटे 22 मिनट है। बता दें कि फिल्म 19 जुलाई को रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज से पहले ही इसके गाने- 'तौबा तौबा', 'मेरे महबूब मेरे सनम' और 'जानम' काफी हिट हो रहे हैं।

किम कार्दशियन ने भगवान गणेश की मूर्ति के साथ दिया पोज, ट्रोल होते ही तुरंत हटाई तस्वीर

अंतर्राष्ट्रीय रिएलिटी टेलीविजन स्टार किम कार्दशियन हाल ही में मुंबई में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में शामिल होने के लिए पहली बार भारत आईं। हाल ही में, उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर शादी समारोह की तस्वीरें साझा कीं, तो भगवान गणेश की मूर्ति के साथ उनकी एक तस्वीर ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। हालांकि, इस तस्वीर के वायरल होने के बाद लोगों ने किम को ट्रोल करना शुरू कर दिया, जिसके बाद उन्हें वह फोटो अपने इंस्टाग्राम हैंडल से हटानी पड़ी।

मुंबई में किम ने मनीष मल्होत्रा के आइवरी लहंगे में सज-धज कर एक खूबसूरत फोटोशूट कराया। फोटो शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन दियाः अंबानी शादी के लिए हीरे और मोती। नेटिजंस ने उनके लुक को पसंद किया, लेकिन एक तस्वीर उनके भारतीय फॉलोअर्स को पसंद नहीं आई। तस्वीर में किम भगवान गणेश की मूर्ति को फोटो प्रॉप के तौर पर इस्तेमाल करती दिख रही हैं और फोटो क्लिक करवाने के लिए

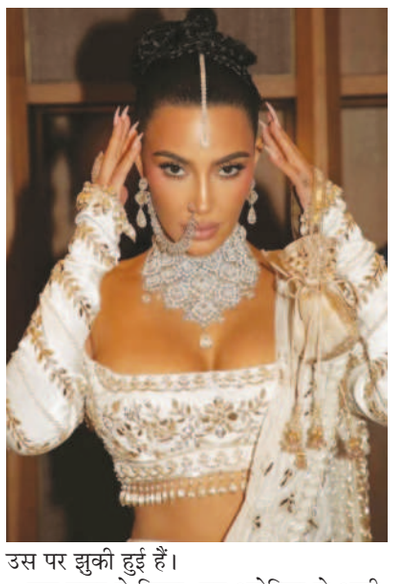

उस पर झुकी हुई हैं।

एक यूजर ने लिखा, वह अमेरिका से आती है और भगवान गणेश की मूर्ति के साथ इस तरह पोज देती है। उनके लिए इसका महत्व नहीं होगा, लेकिन उन्हें किसी से पूछ कर ही यह फोटोशूट कराना चाहिए था। दूसरे यूजर ने कमेंट किया, यह काफी अनुचित है और इससे भी अधिक अपमानजनक है जब आप उस संस्कृति से संबंधित नहीं हैं। यह फोटो गलत कारणों से वायरल हो गई, इसलिए किम ने बिना कोई स्पष्टीकरण दिए चुपचाप अपने पोस्ट से तस्वीर हटा दी।

मूर्ति के साथ किम की तस्वीर पर कई लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी। एक ने लिखा, उन्होंने इसे हटा दिया, यह उनके लिए अच्छा है। दूसरे यूजर ने लिखा, क्या उन्होंने इसे अपनी पोस्ट से हटा दिया? मैंने स्वाइप किया और यह अब वहां नहीं है, लेकिन मुझे आश्चर्य नहीं है कि उन्होंने ऐसा कुछ किया।

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी 12 जुलाई को मुंबई में हुई थी , जिसमें दुनिया भर से कई राजनीतिक हस्तियों और मशहूर हस्तियों ने शिरकत की । इनमें बहनें और रियलिटी टीवी शो फेम किम और क्लो भी शामिल थीं।

'वह चिल्लाने या गुस्सा करने वालों में नहीं', अक्षय संग मतभेदों पर सुधा कोंगरा ने तोड़ी चुप्पी

अक्षय कुमार के करियर में एक के बाद एक फ्लॉप फिल्में जुड़ती ही जा रही हैं। अभिनेता की हालिया रिलीज फिल्म 'सरफिरा' का भी हाल बेहाल ही नजर आ रहा है। हालांकि, लोगों को इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की हालत काफी खस्ता चल रही है। अब फिल्म की निर्देशक सुधा कोंगरा ने सेट पर अक्षय कुमार के साथ हुए झगड़े पर चुप्पी तोड़ी है। आइए जानते हैं कि सुधा ने क्या कहा है।

इंडिया टुडे के साथ एक साक्षात्कार में सुधा ने अक्षय के साथ सेट पर हुए रचनात्मक मतभेदों के बारे में बात की और कहा कि अक्षय के साथ उनका यह मतभेद एक हफ्ते तक चला था। अक्षय अपनी बात पर अड़े हुए थे। फिल्म के निर्माता विक्रम मल्होत्रा को दोनों के बीच आना पड़ा और समस्या को सुलझानी पड़ी थी। हालांकि, कुछ दिनों के बाद मुद्दा सुलझ गया था और काम आराम से आगे बढ़ने लगा था।

इंटरव्यू में आगे सुधा ने पूछा गया कि 'सरफिरा' के सेट पर उनका पहला दिन कैसा था और उन्होंने क्या अलग अनुभव किया था। इस पर उन्होंने कहा, 'सक्रिप्ट को लेकर हम दोनों के विचार काफी अलग थे। वह मुझे अच्छी तरह समझते थे। कुछ ऐसी चीजें होती हैं, जिनको लेकर मेरा अपना विचार है और जो चीजें मेरे लिए मायने रखती है, मैं उनके आगे कभी झुकती भी नहीं हूं। ऐसी स्थिति में विक्रम आगे आते हैं और समझाते हैं। सुधा ने आगे यह भी बताया कि अक्षय और उनमें एक चीज बहुत कॉमन है और वह यह है कि दोनों को ही सुबह जल्दी काम करना अच्छा लगता है।'

सुधा ने यह भी बताया कि अक्षय ने 'सरफिरा' में अपने किरदार में ढलने के लिए काफी मेहनत की है। शूटिंग के छह महीनों तक सुधा अक्षय को मतभेदों की वजह से समझ नहीं पाई थीं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अक्षय चिल्लाने वाले या गुस्सा करने वालों में से नहीं हैं। निर्देशक ने आगे बताया कि अक्षय जब नाराज होते हैं तो अपना सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस देते हैं। वह कभी भी शॉट्स के दौरान ब्रेक भी नहीं लेते हैं, उनके कभी भी अपनी वैनिटी में जाते और आराम करते हुए भी नहीं देखा है। 'सरफिरा' में अक्षय कुमार के साथ-साथ राधिका मदान और परेश रावल ने भी अहम भूमिका निभाई हैं। फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन निराशाजनक है। ऐसे में लोगों का मानना है कि यह फिल्म अक्षय के करियर के लिए संजीवनी साबित नहीं हो पाएगी।

आशा पारेख ने बताया शम्मी कपूर के साथ शादी की अफवाह का सच, शत्रुघ्न के साथ मतभेद पर तोड़ी चुप्पी

गुजरे जमाने की दिग्गज अभिनेत्री आशा पारेख हाल ही में अरबाज खान के टॉक शो में शामिल हुईं, जहां उन्होंने कई दिलचस्प खुलासे किए। द इनविंसिबल्स सीरीज के दूसरे सीजन के एक एपिसोड में उन्होंने शम्मी कपूर से अपनी शादी और शत्रुघ्न सिन्हा के साथ अपने तनावपूर्ण संबंधों के बारे में लंबे समय से चल रही अफवाहों पर बात की। अपने करियर पर विचार करते हुए आशा पारेख ने उस दौर को याद किया, जब अभिनेत्रियां शराब का लुत्फ उठाती थीं। उन्होंने एक घटना साझा की, जिसमें शराब पीने से उनकी आंखें इतनी लाल हो गई थीं कि उन्होंने अगले दिन शूटिंग करने से मना कर दिया था।

किसने फैलाई शादी की अफवाह

आशा पारेख ने शम्मी कपूर से शादी की अफवाह के बारे में खुलकर बात की। अरबाज खान ने अभिनेत्री ने उनके और शम्मी कपूर के शादी की अफवाह के बारे में पूछा तो इस पर अभिनेत्री ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया कि हां हम शादीशुदा थे। हालांकि बाद में उन्होंने इसके पीछे की सच्चाई भी बताई। टॉक शो में बात करते हुए अभिनेत्री ने खुलासा किया कि यह अफवाह सबसे पहले निर्देशक ओम प्रकाश ने फैलाई थी। उन्होंने बताया कि जब फिल्म निर्माता ने अफवाह फैलाने का फैसला किया, तब अभिनेता महाबलेश्वर में फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। आशा ने कहा कि वे और शम्मी साथ-साथ खेलते थे। यह अफवाह इतनी फैल गई कि शम्मी जिस महिला को डेट कर रहे थे, वे भी परेशान हो गई थीं।

ऐसे फैली शादी की अफवाह

आशा ने कहा कि यह एक लंबी कहानी है। हम महाबलेश्वर में शूटिंग कर रहे थे और मुझे नहीं पता कि ओम प्रकाश जी को क्या सूझा, उन्होंने घोषणा कर दी कि शम्मी और मैं शादी कर चुके हैं। फिर नासिर हुसैन के घर पर एक पार्टी थी, लोग शादी की अफवाहों के बारे में कानाफूसी करने लगे। मैंने कहा, 'हां, हम शादी कर चुके हैं।' प्रसिद्ध पत्रकार देवयानी चौबल भी कमरे में थीं। उन्होंने अफवाहें सुनीं और वो फैल गईं।

शत्रुघ्न के साथ मतभेद

जब उनसे पूछा गया कि क्या शम्मी ने उनसे अफवाहों का खंडन न करने के लिए कहा था तो आशा ने कहा, 'उन्होंने कहा, 'कुछ मत बताना।' वह सभी के साथ एक शरारत कर रहे थे।' उन्होंने कहा, 'उस समय उनका किसी के साथ अफेयर चल रहा था, इसलिए वह लड़की भी बहुत परेशान हो गई थी।' इसके साथ ही उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के साथ अपने पेशेवर रिश्ते के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि शत्रुघ्न सिन्हा कहते थे कि मैं जैसा चाहता हूं, वैसा ही होगा। फिर उन्होंने मीडिया में कुछ गलत बयान दिए, जो उनके लिए ही अपमानजनक थे, मेरे लिए नहीं।

'कल्कि 2898 एडी' दूसरे भाग पर कमल हासन दी दिलचस्प जानकारी

दिग्गज अभिनेता-फिल्म निर्माता कमल हासन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में यास्किन के किरदार को सभी तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। नाग अश्विन निर्देशित इस फिल्म ने अब तक करीब 1050 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है और यह अब तक की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है।

कमल ने आज एक विशेष वीडियो जारी किया और कल्कि की बड़ी सफलता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, 'कल्कि एक बड़ी हिट है। संख्याएं बढ़ रही हैं। यह एक खुशी का क्षण है। मैंने लगभग 250 फिल्में की हैं, लेकिन सभी को इतना ध्यान नहीं मिलता। जब हमें यह ध्यान मिलता है तो हमें इसका जश्न मनाना चाहिए। यह बस एक अस्पष्ट स्थिति है। हम नहीं जानते कि हम क्या कर रहे हैं, लेकिन हम इसमें इतने डूबे हुए हैं।'

यास्किन के किरदार को किस तरह से डिजाइन किया गया, इस बारे में बात करते हुए कमल ने कहा, 'हमने इस यास्किन को साथ मिलकर बनाया है। नाग अश्विन इसे गढ़ा।

वे छेनी लेकर आए और मैं हथौड़ा लेकर आया। हमने आकृति को हथौड़े से बनाया और फिर हमने शूटिंग की।' अपने कम स्क्रीन समय के बारे में बात करते हुए कमल ने कहा, 'उन्होंने मुझसे कहा कि मैं इस फिल्म में थोड़े समय के लिए ही आ रहा हूं। मैंने यास्किन का गेटअप देखा। अगर मुझे तब भी असहज महसूस होता तो मैं इससे बाहर निकल सकता था, लेकिन जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते गए, मैं और अधिक उत्साहित होता गया।'

कमल हासन ने आगे कहा, 'भारत के कुछ बड़े सितारे इस फिल्म को बनाने के लिए एक साथ आए हैं।

नाग अश्विन में गुरु की तरह ही एक बच्चे जैसा गुण है और इसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए। आप भाग 2 में यास्किन की और भी गतिविधियां देखेंगे। हम सभी कल्कि से बहुत खुश हैं और हम इसका जश्न मना रहे हैं। कृपया हमारे साथ इसका जश्न मनाएं।'

फिल्म नाग अश्विन द्वारा लिखित और निर्देशित है। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित यह फिल्म भारत की सबसे महंगी फिल्म है। फिल्म के डायलॉग साई माधव बुर्रा ने लिखे हैं। संगीतकार संतोष नारायणन, छायाकार जोर्डजे स्टोजिलजकोविक और संपादक कोटागिरी वेंकटेश्वर राव तकनीकी टीम का हिस्सा हैं।

वहीं, फिल्म के कलाकारों की बात करें तो नाग अश्विन द्वारा निर्देशित साइंस फिक्शन फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' प्रभास के साथ में कमल हासन, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, दिशा पाटनी और कई अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

कम उम्र में कामयाबी का नेपोटिज्म से जुड़ा रिश्ता

जंगली पिक्चर्स की राजी के बाद नई स्पाई फिल्म 'उलझ'

वर्ष 2018 में जंगली पिक्चर्स के बैनर तले फिल्म बनी थी 'राजी'। मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आलिया भट्ट जासूस के रोल में नजर आईं। फिल्म खूब पसंद की गई। अब, यही कंपनी 'राजी' के बाद एक और नई स्पाई फिल्म लेकर आ रही है। नाम है 'उलझ'। इस फिल्म की हीरोइन श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी जान्हवी कपूर बनी हैं। आज मंगलवार को इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

स्टारकिड होने के चलते इंडस्ट्री में नेपोटिज्म के आरोप झेल चुकीं जान्हवी इस बार परदे पर नेपोटिज्म के आरोपों का सामना करने वाली हैं। फिल्म 'उलझ' के ट्रेलर में वह इन्हीं आरोपों से उलझी हुई हैं। जान्हवी कपूर फिल्म में सुहाना भाटिया की भूमिका में हैं, जिसकी पढ़ाई सेंट स्टीफंस और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से हुई है। बड़े घर से ताल्लुक रखने वाली सुहाना देश की सबसे युवा डिप्टी हाई कमीशन बनती हैं। लेकिन, उनके चयन पर सवाल खड़े होते हैं। कुछ लोग आरोप लगाते हैं कि सुहाना की नियुक्ति में नेपोटिज्म का काफी हाथ है।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि लंदन की एंबेसी में एक खबरी है, जिसके चलते हर शख्स शक के घेरे में है। जान्हवी कपूर उस खबरी को खोजने निकलती हैं, लेकिन खुद ही उसके जाल में फंस जाती हैं। देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म में खुद पर लगे आरोपों के धब्बे वे कैसे छुड़ाती हैं और सच्चाई का पर्दाफाश किस तरह कर पाती हैं। सुधांशु सारिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

जान्हवी कपूर ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए ट्रेलर रिलीज की जानकारी साझा की है। उन्होंने इसके साथ लिखा है, 'हर किसी के पास एक कहानी है। हर कहानी के सीक्रेट्स हैं। हर सीक्रेट में ट्रैप है। इस 'उलझ' को सुलझाना आसान नहीं है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है और यह फिल्म 2 अगस्त को सिनेमाघरों तक पहुंच रही है।

ट्रेलर देखने के बाद यूजर्स अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक तरफ अभिनेत्री के फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं, तो वहीं कुछ यूजर्स उनकी एक्टिंग पर सवाल कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'हर बार एक जैसे एक्सप्रेशन?' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'बाकी सब तो ठीक है, लेकिन एक्टिंग स्किल्स का क्या?' वहीं कुछ लोग तारीफ करते हुए लिखा रहे हैं, 'ट्रेलर तो दिलचस्प लग रहा है'।

बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए उनके शिक्षक से जरूर पूछें ये पांच सवाल

हर माता पिता अपने बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए चिंतित रहते हैं। बच्चा बड़ा होकर आत्मनिर्भर बन सके, एक अच्छा नागरिक और सामाजिक व्यक्ति बने, इसके लिए माता पिता बच्चे को अच्छे संस्कार देने के साथ ही उसे किताबी ज्ञान हेतु स्कूल भेजते हैं। स्कूल में बच्चे को शिक्षा के माध्यम से जीवन आसानी से जीने के लिए सभी जरूरी बातें सिखाई जाती हैं। माता पिता भी अपने बच्चे की अच्छी शिक्षा का खास ध्यान देना चाहते हैं। इसके लिए अभिभावक अपने बच्चे की शिक्षा, समझदारी और उन्नति के बारे में समय समय पर उनके शिक्षक से बातचीत करते हैं। शिक्षक आपको बच्चे की सीख के बारे में जानकारी देते हैं। हालांकि बच्चे के उज्ज्वल भविष्य के लिए हर अभिभावक को अपने बच्चे के शिक्षक से कुछ सवाल जरूर पूछने चाहिए।

आप कक्षा में संघर्ष करने वाले छात्रों से कैसे निपटते हैं?

इस सवाल के जरिए आप समझ सकते हैं कि शिक्षक क्लास में कैसे उन बच्चों को तलाशते हैं जिन्हें पढ़ाई में अधिक मदद या ध्यान दिए जाने की जरूरत है। ऐसे बच्चों की समस्याओं को कितना चुनौतीपूर्ण मानकर शिक्षक उन्हें पढ़ाते हैं।

कक्षा में रचनात्मकता और नवीन सोच जोड़ने के लिए आप क्या करते हैं?

आज के दौर में रचनात्मकता और नए विचार की अहमियत बहुत अधिक है। ऐसे में आपको पता होना चाहिए कि शिक्षक कैसे आपके बच्चे में इस कौशल को निखार रहे हैं। विशेष एक्टिविटीज और प्रोजेक्ट्स जो रचनात्मकता को बढ़ाती हैं, उन पर चर्चा करें।

मेरा बच्चा चुनौतियों और असफलताओं को कैसे संभालता है?

शिक्षक से सवाल करें कि आपका बच्चा चुनौतियों पर कैसे प्रतिक्रिया देता है। क्या किसी समस्या पर वह मदद मांगता है और असफलताओं को कैसे संभालता है। यह जानकारी बच्चे को प्रभावी तरीके से समस्या का समाधान निकालने के कौशल को सिखाने में मदद करेगी।

क्लास में सीखते समय बच्चे को क्या समस्या या बाधा आती है?

सामान्य बाधाओं की पहचान करके आप उन पर काबू पाने में अपने बच्चे की सहायता करने में मदद कर पाएंगे। फिर चाहे ये पाठ्यक्रम, कक्षा की गतिशीलता, या बाहरी कारकों से संबंधित है, इन बाधाओं को समझने से आपको और शिक्षक को उन्हें प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए मिलकर काम करने में मदद मिल सकती है ।

घर में मैं अपने बच्चे की पढ़ाई में कैसे सहायता कर सकता हूं?

शिक्षक सलाह दे सकते हैं कि कैसे क्लासरूम की सीख को घर के माहौल में तब्दील करके बच्चों को आसानी से पढ़ाया या सिखाया जा सकता है। उन्हें एक्टिविटी, संसाधनों और रूटीन के बारे में पूछें, जो स्कूल के अलावा घर पर भी बच्चे को पढ़ाई से बाँधे रखने में मदद कर सके।

हर वक्त दूसरों को खुश रखना संभव नहीं, ऐसी स्थिति में क्या करें

सोना की तबियत ठीक नहीं है और आज उसकी दोस्त सौम्या के भाई की शादी है। सोना का पति विनय उसे शादी में जाने के लिए मना कर रहा है, लेकिन सोना है कि कुछ सुन ही नहीं रही और बस बोले जा रही है कि "उसने बड़े प्यार से बुलाया है, मुझे जाना ही होगा, वरना उसे बुरा लगेगा।" विनय सोना को बोल रहा है कि "एक बार तुम सौम्या को अपनी स्थिति बता कर तो देखो, वह जरूर समझेगी।" आप भी कभी न कभी ऐसी स्थिति में जरूर फंसी होंगी। यह सच है कि हमें अपने आस-पास के लोगों की भावनाओं का ख्याल रखना चाहिए, लेकिन आपकी अपनी प्राथमिकताएं भी तो अहमियत रखती हैं, जिनको नजरअंदाज करके हमेशा ही दूसरों को खुश करना या रखना संभव नहीं है। तो ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए?

प्यार से इनकार

कुछ लोग सामाजिक दबाव में आकर दूसरों की हर बात बिना सोचे-समझे ही मान लेते हैं, लेकिन आप ऐसी गलती न करें। अगर खराब सेहत, बच्चों की परीक्षा या अन्य किसी वजह से आप अपने पारिवारिक या सामाजिक समारोह में जाने में असमर्थ हैं तो जिसने आपको आमंत्रित किया है, उसे प्यार से इनकार करें। उसे अपनी परेशानी बताएं। इससे उसे बुरा भी नहीं लगेगा और आपकी समस्या का समाधान भी हो जाएगा।

मन की उधेड़बुन

कुछ लोगों को बहुत ज्यादा सोचने की आदत होती है। कोई उनसे कुछ भी नहीं कहता, फिर भी वे यह सोचकर परेशान रहते हैं कि अगर मैंने ऐसा किया तो पता नहीं, वह व्यक्ति मेरे बारे में क्या कहेगा? ऐसी स्थिति में आप हमेशा खुद को ही दोषी समझने लगती हैं, जिस कारण आप बेवजह ही सामाजिक दबाव महसूस करती हैं और तनावग्रस्त रहती हैं। इसलिए खुद को हमेशा दोषी न मानें और इस आदत को छोड़ दें।

थोड़ा खुद का साथ

लोगों से मिलना-जुलना, बातचीत करना और पार्टियों में जाना आपके सामाजिक व्यवहार का जरूरी हिस्सा है। लेकिन कई बार व्यक्ति थोड़ा वक्त खुद को भी देना चाहता है, दोस्तों के साथ कहीं पिकनिक या आउटिंग पर जाने के बजाय कुछ पल अपने परिवार के साथ सुकून से बिताना चाहता है। इसमें कोई बुराई भी नहीं है, इसलिए अपने लिए भी थोड़ा समय जरूर निकालें।

दबाव की सीमा

अति किसी भी चीज की बुरी होती है। सामाजिक नियमों को पूरी तरह नकार देना या अपनी खुशियों को त्याग कर सामाजिक दबाव के भय में जीना, दोनों ही अति हैं और गलत हैं। इसलिए संयम के साथ संतुलित मार्ग पर चलें। अब सवाल है कि सामाजिक दबाव की सीमा कौन निर्धारित करेगा? इसके लिए व्यक्ति को स्वविवेक से तय करना चाहिए कि उसके लिए क्या जरूरी है और किन बातों की परवाह उसे नहीं करनी चाहिए।

मन का विश्वास कम न हो

समाजशास्त्री डॉ. ऋतु सारस्वत बताती हैं, हम सब सामाजिक प्राणी हैं और समाज से पूरी तरह कट कर नहीं रह सकते। ऐसे में सामाजिक दबाव को पूरी तरह अस्वीकारना असंभव है। अक्सर ही अत्यधिक सामाजिक दबाव में जीने वाले व्यक्ति का मन कुंठित हो जाता है, जिससे उसे चिंता, तनाव और अवसाद जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याएं उत्पन्न होने लगती हैं।

साथ ही उनका आत्मविश्वास कमजोर होता है और उन्हें हमेशा सामाजिक स्वीकृति की जरूरत महसूस होती है। ऐसे व्यक्तियों को अक्सर सामाजिक दबाव अधिक महसूस होता है।

इसके विपरीत जो लोग आत्मविश्वासी होते हैं, वे सही-गलत की पहचान करके अपने लिए स्वयं उचित निर्णय लेते हैं। ध्यान रखें, व्यक्ति से ही समाज बनता है, इसलिए अपनी प्राथमिकताओं को पहचान कर बिना किसी दबाव के निर्णय लें।

रिश्ते में पार्टनर कर रहा आपका इस्तेमाल तो इन बातों से करें पहचान

कई बार आप किसी रिश्ते में तो होते हैं लेकिन आपको खुशी या सुकून नहीं मिलता। अक्सर आपको लगता है कि आप तो पार्टनर को प्यार करते हैं लेकिन वह आपसे उतना प्यार नहीं करता। कई सारे रिलेशनशिप तो

एकतरफा प्यार पर टिके होते हैं। इस तरह के रिश्ते में दोनों शख्स एक दूसरे से प्यार नहीं करते, सिर्फ एक ही अपने प्यार से उस रिश्ते को चला रहा होता है। सवाल यह है कि दूसरा पार्टनर अपने साथी को प्यार ही नहीं करता, तो रिश्ते में क्यों होता है? इसका जवाब आसान है, उन्हें आपकी जरूरत है। वह सिर्फ अपनी जरूरत या अपने काम निकालने के लिए प्यार करने वाले पार्टनर के साथ होते हैं। अगर आपको लगता है कि रिलेशनशिप में भी सिर्फ आप ही प्यार करते हैं और आपका पार्टनर शायद आपका इस्तेमाल कर रहा है तो इन तरीकों से इस शक की पुष्टि कर सकते हैं।

आप करते हैं भुगतान

अगर आप और आपका पार्टनर शॉपिंग पर, या कहीं घूमने फिरने जाते हैं और हर बार आप ही होने वाले खर्च का भुगतान करते हैं तो समझ लीजिए कि आपका साथी आपके आर्थिक सुविधाओं का फायदा उठा रहा है। ये बात लड़के और लड़की दोनों के लिए लागू होती है।

काम का साथी

सिर्फ काम पड़ने पर आपका पार्टनर आपको याद करें और अन्य मौकों पर व्यस्त रहने की बात करें तो समझ जाएं कि वह सिर्फ आपका इस्तेमाल कर रहा है। दिनभर निकल जाता है लेकिन वह आपका हाल चाल तक नहीं लेते या फिर हर बार आप ही कन्वर्सेशन शुरू करते हैं और वह सिर्फ काम होने पर ही पहले मैसेज या कॉल करें तो इस रिश्ते के बारे में आपको फिर सोचने की जरूरत है।

बातचीत

जब आपका पार्टनर आपसे बात करने में रुचि न लें तो भी रिश्ते में कुछ गड़बड़ होने के संकेत मिलते हैं। हो सकता है कि आपका पार्टनर रिजर्व टाइप का हो, उसे ज्यादा बात करने में रुचि न हो लेकिन अगर वह आपसे प्यार करते होंगे तो भले ही बोले कम लेकिन आपकी बातों को जरूर गंभीरता से सुनते हैं। वह आपसे बात करे न करें लेकिन आपकी बात सुनते तक नहीं तो मान लीजिए कि ये रिश्ता एकतरफा है।

भावनात्मक जरूरत

रिलेशनशिप का मतलब केवल घूमना फिरना नहीं होता, बल्कि एक दूसरे के साथ भावनात्मक तौर पर जुड़ना होता है। अगर आपका पार्टनर आपकी भावनाओं को नहीं समझता, जब आपको सबसे ज्यादा जरूरत अपने पार्टनर की हो लेकिन वह हर बार किसी न किसी वजह से आपके साथ नहीं होते तो समझ लीजिए कि उन्हें आपकी फिक्र नहीं है।

इन संकेतों से करें रेड फ्लैग दोस्तों की पहचान, इनसे दूरी बनाना ही बेहतर

दोस्ती का रिश्ता परिवारिक रिश्तों से भी काफी बढ़कर होता है। कई बार ऐसा होता है कि हम अपने मन की बातें परिवारवालों को नहीं बता पाते, लेकिन दोस्त हमारे मन की बात बिना कहे समझ जाते हैं। सच्चा दोस्त आपकी खुशी के साथ-साथ गम और मुसीबत के समय में भी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलता है। कई बार ऐसा देखा जाता है कि ये दोस्ती एक तरफ से ही चलती है। यानी कि आप तो अपने दोस्त के लिए हर कदम साथ खड़े हैं, लेकिन जब आपको जरूरत होती है तो आपका दोस्त आपके साथ नहीं होता।

हर किसी की जिंदगी में भी कई दोस्त ऐसे हैं जो मुसीबत के समय सबसे पहले भाग खड़े होते हैं, तो ऐसे दोस्तों से दूरी ही बनाकर रखें। ऐसे दोस्तों को ही रेड फ्लैग कहते हैं। रेड फ्लैग दोस्तों की पहचान करना महत्वपूर्ण होता है ताकि आप अपने जीवन में सही लोगों को चुन सकें। यहां कुछ संकेत दिए गए हैं जिनसे आप पहचान सकते हैं कि कोई दोस्त रेड फ्लैग है या नहीं।

स्वार्थी व्यवहार

यदि आपका दोस्त हमेशा अपने बारे में सोचता है और आपकी जरूरतों को नजरअंदाज करता है, तो यह एक रेड फ्लैग हो सकता है।

भरोसा तोड़ना

अगर आपका दोस्त आपके भरोसे का बार-बार दुरुपयोग करता है, तो यह एक बड़ा चेतावनी संकेत है। अक्सर देखा जाता है कि सामने वाला तो आपको बार-बार धोखा दे रहा है लेकिन आप दोस्ती के खातिर उसे माफ कर देते हैं। ये आगे चलकर खतरनाक साबित हो सकता है।

आपको नीचा दिखाना

यदि आपका दोस्त हमेशा आपकी आलोचना करता है और नेगेटिविटी फैलाता है, तो ये एक संकेत हो सकता है कि वह आपका सच्चा दोस्त नहीं है। एक अच्छा दोस्त हमेशा आपको मोटिवेट करेगा और गलत काम करने से भी रोकेगा।

झूठ बोलना

अगर आपका दोस्त बार-बार झूठ बोलता है और आपसे चीजें छुपाता है, तो यह एक स्पष्ट संकेत हो सकता है कि वह भरोसे के लायक नहीं है। ऐसे लोगों से दूरी बनाएं।

नहीं करना भावनात्मक समर्थन

आज के समय में लोगों की मेटल हेल्थ काफी खराब है। ऐसे में अगर आपका दोस्त आपके साथ भावनात्मक समर्थन के लिए नहीं होता और आपकी समस्याओं को हल्के में लेता है, तो यह भी एक रेड फ्लैग हो सकता है।

पीठ पीछे बुराई

आपका सच्चा दोस्त भले ही आपका मजाक उड़ा ले लेकिन वो कभी पीठ पीछे आपकी बुराई नहीं करेगा। आपकी अनुपस्थिति में आपकी गलती को भी कवर करने की कोशिश करेगा, ताकि आपकी छवि खराब न हो।

रात की बची रोटी से बनाएं ये स्वादिष्ट पकवान

ऐसे में ज्यादातर लोग रात के वक्त हल्का भोजन करना ही पसंद करते हैं। इस मौसम में डॉक्टर्स भी हल्का खाना खाने की ही सलाह देते हैं। इसी के चलते हर किसी को रात में रोटी और सब्जी खाना ही सही लगता है। जो लोग अकेले रहते हैं वो तो खाना लिमिटेड बनाते हैं लेकिन परिवार के साथ रहने वाले लोगों के यहां रोटियां हमेशा ज्यादा ही बनती हैं। अगले दिन उन ठंडी रोटियों को कोई खाना पसंद नहीं करता, जिसके चलते वो डस्टबिन में ही जाती हैं। रात की बची रोटियों को अगर आप भी सुबह फेंक देती हैं तो ये खबर आपके लिए है।

समोसा

नाश्ते के वक्त आप अपने परिवारवालों को बची हुई रोटियों से समोसा तैयार करके खिला सकती हैं। चाहें तो इन समोसों को एयरफ्राई करें, ताकि रोटी में तेल ज्यादा न भरे और ये खाने में स्वादिष्ट लगे। रोटी से तैयार समोसों को खट्टी और मीठी चटनी के साथ परोस कर परिवारवालों का दिल जीतें।

पिज्जा

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे पिज्जा खाना पसंद नहीं होगा। पिज्जा बेस भी रोटी की तरह ही होता है। ऐसे में आप दो रोटियों को लेकर उसे बेस की तरह इस्तेमाल कर सकती हैं। दोनों रोटियों के बीच चीज रखकर पहले इसे चिपकाएं और फिर साधारण पिज्जा की तरह ही इसे तैयार करें।

रैप

बच्चों को इस तरह का रैप खाना बेहद पसंद आता है। बाजार में ये आपको 200 से 300 रुपये में मिलेगा। ऐसे में आप इसे घर पर ही रात की बची रोटी से भी तैयार कर सकती हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसी के चलते बिना देर किए हुए घर पर स्वादिष्ट रैप तैयार करें। इसमें अपने पसंदीदा सब्जियां आप भर सकते हैं।

नूडल्स

अगर आपके पास रोटियां काफी ज्यादा बच गइ हैं तो उन्हें बारीक-बारीक नूडल्स की तरह काट लें। काटने के बाद इसे ठीक उसी तरह से पकाएं, जैसे आप नूडल्स बनाती हैं। बस ध्यान रखें कि रोटी के नूडल्स बनाते समय आप इसे

उबाल नहीं सकतीं। उबालने की वजह से रोटी खराब हो जाएगी। ऐसे में बस रोटी को बारीक काटकर उसे सब्जियों और मसालों के साथ फ्राई कर लें।

प्याज-आलू के पकौड़े खाकर हो गए हैं बोर तो इस बार ट्राई करें कुछ अलग

बारिश के मौसम की शुरुआत हो गई है। कई जगहों पर लगातार हो रही बारिश की वजह गर्मी के मौसम ने भी करवट बदल ली है। तापमान में आई गिरावट से लोगों को काफी राहत मिली है। बारिश के इस खुशनुमा मौसम में घूमने और कुछ चटपटा खाने का मन तो हर किसी का करता है। खासतौर पर बात करें पकौड़ों की, तो इस मौसम में बारिश आते ही हर किसी से जहन में अदरक वाली चाय और पकौड़ों की तस्वीर घूमने लगती है।

ज्यादातर लोग बारिश में प्याज और आलू के पकौड़े खाना पसंद करते हैं लेकिन अगर आप बारिश के मौसम में प्याज-आलू के पकौड़े खाकर बोर हो गए हैं तो इस बार कुछ अलग ट्राई करें। आप प्याज और आलू को छोड़ कर कई अन्य सब्जियों की मदद से भी स्वादिष्ट पकौड़े बना सकते हैं। हम यहां आपको कुछ अलग तरह के पकौड़ों के बारे में आपको बताने जा रहे हैं।

कटहल के पकौड़े

कटहल की सब्जी तो ज्यादातर लोगों को पसंद आती है, लेकिन क्या आप जानती हैं कि कटहल के पकौड़े भी बनाए जाते हैं। कटहल के बने कुरकुरे पकौड़े खाने में काफी स्वादिष्ट लगते हैं। जिन लोगों को इसकी सब्जी नहीं पसंद वो भी पकौड़े को बड़े मन से खाएंगे।

बैंगन के पकौड़े

इस मौसम में बैंगन काफी ज्यादा मात्रा में मिलते हैं। ऐसे में आप चाहें तो बैंगन के पकौड़े बनाकर अपने घरवालों का दिल जीत सकती हैं। जिन लोगों को बैंगन की सब्जी पसंद नहीं आती, वो भी इसे बड़े चाव से खाएंगे।

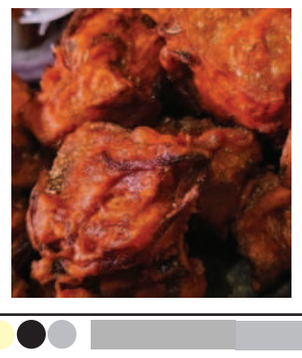

मिर्च पकौड़े

बड़ी वाली मिर्च क स्वादिष्ट पकौड़े खाने में काफी स्वादिष्ट लगते हैं। ये राजस्थान की काफी पॉपुलर डिश है। आप चाहें तो इसे घर पर आसानी से बना सकती हैं। ध्यान रखें कि मिर्च के पकौड़े बनाते समय मिर्च पर बेसन की लेयर को ज्यादा मोटा न रखें, इससे इसका स्वाद खराब हो सकता है।

मूंग दाल के पकौड़े

दिल्ली की सड़कों पर आपको मूंग दाल के पकौड़े आसानी से मिल जाते हैं। आप चाहें तो इसे घर पर बना कर बारिश का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके साथ इमली की खट्टी मीठी चटनी और हरे धनिए की तीखी चटनी खाने में और स्वादिष्ट लगती है।

कद्दू के फूल के पकौड़े

सुनने में आपको ये अजीब लगेगा, लेकिन कद्दू के फूल के पकौड़े भी बनाए जाते हैं। खाने में ये काफी स्वादिष्ट लगते हैं। ये बंगाल और ओडिशा में ये एक बहुत ही पॉपुलर डिश है। अगर आपके घर के आस-पास भी कद्दू के फूल आसानी से मिल जाते हैं तो इस पकौड़े को जरूर बनाकर ट्राई करें।

पनीर पकौड़े

चाय के साथ पनीर के पकौड़े खाने में काफी स्वादिष्ट लगते हैं। इसे बनाना काफी आसान होता है। पनीर के पकौड़े ज्यादा तीखे नहीं होते, इसलिए आप इसे इसे बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी तैयार कर सकते हैं। इसे हरे धनिए की चटनी के साथ ही परोसें।

शादी-पार्टियों में पहनें नए ट्रेंड की ये साड़ियां

फैशन में बदलाव होते रहते हैं लेकिन भारत में साड़ी एक ऐसा परिधान है जो हर मौसम, हर मौके के लिए बेस्ट होती है। साड़ी के डिजाइन और स्टाइल में बदलाव होते रहते हैं लेकिन महिलाओं में साड़ी पहनने का क्रेज कम नहीं हुआ। साड़ी में आप स्टाइलिश और फैशनेबल लुक अपना सकती हैं। दुनियाभर के फैशन को साड़ी टक्कर देती है। आज कल लोग साड़ी को मॉडर्न टच के साथ कैरी करते हैं। घर में कोई पूजा पाठ हो या ऑफिस में कोई पार्टी, शादी का मौका हो या फिर कोई मीटिंग, हर जगह पर महिलाएं साड़ी को मौके के अनुरूप पहन कर सबसे प्रभावी लुक पा सकती हैं।

सीक्विन साड़ी

पिछले कुछ सालों में सीक्विंस साड़ी का ट्रेंड बढ़ गया है। कई मौकों पर भारतीय अभिनेत्रियों को सीक्विंस साड़ी में देखा जा चुका है। शादी पार्टी के मौके पर सीक्विंस साड़ी गजब का लुक देतीं हैं। सीक्विंस साड़ियां पहनने में इजी टू कैरी और इजी टू ड्रेप होती हैं।

ऑर्गेंजा साड़ी

इन दिनों ऑर्गेंजा साड़ियां का भी फैशन है। इस तरह की साड़ी सेलेब्स से लेकर आम लोगों तक

पॉपुलर हैं। ऑर्गेंजा साड़ी पहनने में हल्की होती हैं।

प्री-स्टिच्ड साड़ी

अगर आपको साड़ी पहनने का शौक है लेकिन साड़ी को ड्रेप करने में दिक्कत आती है तो प्री-स्टिच्ड साड़ियों को आप बिंदास पहन सकती हैं।

सिल्क साड़ी

सिल्क की साड़ियां एवरग्रीन हैं। इस तरह की साड़ियां हमेशा से महिलाओं को प्रभावी लुक देती हैं। इसमें आपको अधिक एक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं होती। सिल्क की साड़ी में आपको कई वैराएटी भी मिल जाएंगी। जैसे बनारसी सिल्क, कांचीपुरम सिल्क, चेटिनाड सिल्क आदि।

सिर्फ पीएम किसान योजना से नहीं बनेगी बात, सरकार को करना होगा ये काम

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारत को कृषि प्रधान देश माना जाता है. इसे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ भी कहा जाता है. किसानों की मदद के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही है, जिनमें पीएम किसान योजना काफी पॉपुलर है. इसमें किसानों को तीन किस्तों में 6 हजार रुपए दिए जाते हैं, लेकिन खेतीबाड़ी करने वालों पर पड़ने वाली मौसम की मार के बीच ये आर्थिक मदद काफी नहीं है. पिछले कुछ समय से जलवायु परिवर्तन की वजह से अचानक आ रही बाढ़, अत्यधिक गर्मी और लू से किसानों को काफी नुकसान हो रहा है. लखीमपुर में खेती करने वाले रामकिशन भी ऐसी समस्या से जूझ रहे हैं. उनका कहना है कि दो महीने पहले पड़ रही भीषण गर्मी और लू की वजह से उनकी फसलें बर्बाद हो गई. वहीं अब जरूरत से ज्यादा बारिश की वजह से भी पैदावार प्रभावित हो रही है. ऐसे में रामकिशन चाहते हैं कि इस साल के आम बजट में वित्त मंत्री जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान से बचाने के उपायों पर ध्यान दें. जिससे उनकी तरह दूसरे किसानों को राहत मिल सके. हापुड़ निवासी बनवारी लाल, पेशे से किसान हैं. उनका कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम संबंधी जोखिम एक बड़ा खतरा बनकर उभरा है. चूंकि ज्यादातर किसान अपनी सारी जमापूंजी लगाकर फसल उगाते हैं, लेकिन उपज खराब होने से सारा पूरा पैसा डूब जाता है. कई बार हम कर्जे में भी आ जाते हैं. इससे उबारने के लिए सरकार को इस आम बजट में किसानों के लिए एक मजबूत फसल बीमा सिस्टम तैयार करने पर जोर देना चाहिए. जिससे उनके नुकसान की भरपाई हो सके.बिहार में समस्तीपुर के रहने वाले श्याम तिवारी का कहना है कि उनके पिता खेती करते हैं, लेकिन उनकी खराब आर्थिक स्थिति के चलते उन्होंने अपने पारंपरिक काम को नहीं किया.

तिमाही नतीजों के बाद स्पाइसजेट 5% चढ़ा

अभी 58 रुपए के करीब कारोबार कर रहा, जियो फाइनेंस का शेयर रिजल्ट के बाद 2% गिरा

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी और चौथी तिमाही के नतीजे नतीजे के बाद स्पाइसजेट के शेयर में करीब 5% की तेजी है। कर्ज में डूबी एयरलाइन ने सोमवार, 15 जुलाई को लंबे समय के बाद अपने वित्तीय नतीजे जारी किए थे। वहीं जियो फाइनेंशियल के वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजों के बाद उसके शेयरों में 2% की गिरावट है। बीते एक साल में स्पाइसजेट के शेयरों की वैल्यू लगभग दोगुनी हो गई है। जुलाई 2023 में शेयर करीब 30 रुपए पर था जो अब बढ़कर 58 रुपए के करीब पहुंच गया है। वहीं इस साल स्पाइसजेट का शेयर 3% गिरा है। साल की शुरुआत में शेयर का भाव 61 रुपए के करीब था। उधर, जियो फाइनेंस का शेयर लिस्ट होने के बाद से 60% के करीब चढ़ा है।

1. स्पाइसजेट रिजल्ट

जनवरी-मार्च (क्यू4वित्तीय वर्ष24) तिमाही में कंसॉलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार बढ़कर 127 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही (क्य4वित्तीय वर्ष23) में कंपनी को 6.2 करोड़ का लॉस हुआ था। एयरलाइन को अक्टूबर-दिसंबर (क्यू3वित्तीय वर्ष24) तिमाही में 298 करोड़ का लॉस हुआ था। एक साल पहले की समान तिमाही (क्यू3वित्तीय वर्ष23) में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 110 करोड़ रहा था। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (क्यू 1 वित्तीय वर्ष25) के नतीजों के लिए बोर्ड की बैठक की तारीख की सूचना जल्द ही दी जाएगी।

भारत की लो कॉस्ट एयरलाइन है स्पाइसजेट

स्पाइसजेट भारत की लो कॉस्ट एयरलाइन है, जो देश के सुदूर कोनों को जोड़ती है। कंपनी भारत के भीतर 48 डेस्टिनेशन और इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के लिए लगभग 250 फ्लाइट डेली ऑपरेट करती है। स्पाइसजेट के बेड़े में बोइंग 737 मैक्स, बोइंग 700 और क्यू400 शामिल हैं। स्पाइसजेट ब्रांड का जन्म 2004 में हुआ था, लेकिन इसका एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट (एओसी) 1993 का है। तब एसके मोदी के स्वामित्व वाली एक एयर टैक्सी कंपनी ने जर्मन एयरलाइन के साथ लुफ्थांसा के साथ पार्टनरशिप की थी। 1996 में इसके ऑपरेशन बंद हो गए थे। 2004 में, एंटरप्रेन्योर अजय सिंह ने भारत की लो कॉस्ट एयरलाइन स्पाइसजेट बनाने की योजना बनाई। स्पाइसजेट की पहली फ्लाइट 24 मई 2005 को लीज्ड बोइंग 737-800 का उपयोग करके नई दिल्ली (डेल) से मुंबई (बीओएम) के लिए रवाना हुई थी।

2. जियो फाइनेंस रिजल्ट

रिलायंस इंडस्ट्रीज की नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) ने सोमवार को नतीजे जारी किए थे। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 312.63 करोड़ रुपए का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दर्ज किया। सालाना आधार पर इसमें 5.81% की कमी रही। एक साल पहले अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी को 331 .92 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। 1999 में बनी थी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को 22 जुलाई 1999 को रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के रूप में शामिल किया गया था।

सेबी ने पेटीएम को दी चेतावनी

नियमों के अनुपालन में गड़बड़ी का मामला

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस को सेबी से एक ''प्रशासनिक चेतावनी पत्र'' मिला है। मामला वित्त वर्ष 2021-22 में ऑडिट समिति या शेयरधारकों की मंजूरी के बिना पेटीएम पेमेंट्स बैंक्स (पीपीबीएल) के साथ संबंधित लेनदेन से जुड़ा है। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि उसने लगातार सेबी के नियमों के अनुपालन में काम किया है। फिनटेक कंपनी ने कहा कि वह '' अनुपालन मानकों को बनाए रखने और पारदर्शिता को लेकर प्रतिबद्ध है और सेबी को अपना जवाब भी देगी। ''भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 15 जुलाई को लिखे पत्र में कहा कि उसने वन97 कम्युनिकेशंस और उसकी सहयोगी पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) से संबंधित वित्तीय तथा अन्य सूचनाओं के खुलासे के संदर्भ में जांच की है। सेबी के पत्र के अनुसार, '' इस संदर्भ में जांच के दौरान निम्नलिखित गैर-अनुपालन देखे गए... वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी और/या इसकी अनुषंगी कंपनियों ने पीपीबीएल के साथ अतिरिक्त संबंधित पक्ष लेनदेन (आरपीटी) या तो लेखा परीक्षा समिति या शेयरधारकों की उचित मंजूरी के बिना किए।''पेटीएम ने बीएसई को दी गई सूचना में सेबी के पत्र की विषय-वस्तु साझा की। बाजार नियामक के पत्र के अनुसार, कंपनी ने दावा किया कि उसने शेयरधारकों के संदर्भ के लिए कंपनी तथा उसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा पीपीबीएल के साथ किए गए लेनदेन का संचयी संख्यात्मक मूल्य प्रदान किया था। ओसीएल तथा पीपीबीएल की अनुषंगी कंपनियों के बीच लेनदेन वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान आरपीटी के रूप में सही नहीं हैं।''सेबी ने कहा, '' दूसरी ओर कंपनी के निदेशक मंडल और लेखा परीक्षा समिति ने ओसीएल और/या इसकी अनुषंगी कंपनियों के बीच पीपीबीएल के साथ लेनदेन को महत्वपूर्ण आरपीटी माना है। साथ ही एक प्रस्ताव पारित किया गया कि पीपीबीएल के साथ आरपीटी, संबंधित प्रस्तावों में उल्लिखित सीमाओं के भीतर होंगे।

सोने की कीमत में तेजी, चांदी में गिरावट

10 ग्राम गोल्ड 73,131 रुपए पर पहुंचा, एक किलो चांदी 91,802 रुपए पर आई

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 16 जुलाई को मामूली तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 199 रुपए चढ़कर 73,131 रुपए पर पहुंच गया है। कल इसके दाम 72,932 रुपए प्रति दस ग्राम थे। हालांकि, चांदी की कीमतों में मामूली गिरावट है। एक किलो चांदी 33 रुपए फिसलकर 91,802 रुपए प्रति किलो बिक रही है। इससे पहले चांदी 91,835 रुपए किलो प्रति पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति पर पहुंच गई थी।दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 74,170 रुपए है। मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 74,020 रुपए है। कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 67,850 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 74,020 रुपए है। चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 74,510 रुपए है। भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 74,070 रुपए है। इस साल अब तक 9,500 रुपए से ज्यादा बढ़ चुके हैं सोने के दाम इस साल अब तक सोने के दाम 9,779 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,352 रुपए पर था। जो अब 73,131 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं चांदी साल की शुरुआत में 73,395 रुपए प्रति किलो पर थी। जो अब 91,802 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी, चांदी इस साल 18,407 रुपए बढ़ चुकी है।

फेम 3 के तहत नई ईवी सब्सिडी योजना बजट 2024 में नहीं होगी शामिल', केंद्रीय मंत्री ने साफ की स्थिति

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने अभी तक फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (एफएएमइ) III के तहत अपनी नई ईवी सब्सिडी नीति पर फैसला नहीं किया है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री को बढ़ावा देने के मकसद से शुरू की गई सब्सिडी योजना मार्च में खत्म हो गई थी। क्योंकि केंद्र ने ईवी खरीदारों को फायदा पहुंचाने के लिए व्यय में बढ़ोतरी का एलान किया था। एफएएमइ III (फेम 3) विनियमों के तहत नई ईवी सब्सिडी योजना अभी भी चर्चा में है। और 23 जुलाई को होने वाले केंद्रीय बजट 2024 के दौरान इसके शामिल होने की संभावना नहीं है। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि एफएएमइ III को नजदीकी भविष्य में लागू किए जाने की संभावना है। एफएएमइ ईवी सब्सिडी योजना पहली बार 2015 में शुरू की गई थी। इसे दो साल बाद एफएएमइ II योजना द्वारा बदल दिया गया था। इस साल 31 मार्च को खत्म हो चुकी यह योजना 2019 से भारत में बिकने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी दे रही है।

रिकॉर्ड हाई छूने के बाद मामूली तेजी के साथ सेंसेक्स-निफ्टी बंद

कोल इंडिया बीपीसीएल एचयूएल के स्टॉक में भारी खरीदारी

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मंगलवार के कारोबारी सत्र में सेंसेक्स-निफ्टी दोनों ही इंडेक्स ऐतिहासिक हाई पर जा पहंचा तो निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स भी नया लाइफटाइम हाई बनाने में कामयाब रहा. लेकिन ऊपरी लेवल से बाजार में मुनाफावसूली लौट आई है जिसके चलते बाजार मामूली तेजी के साथ क्लोज हुआ है. मिडकैप स्टॉक में दिन के ट्रेड में लौटी बिकवाली के चलते निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स भी गिरकर बंद हुआ है. बाजार में गिरावट के बावजूद आईटी और एफएमसीजी स्टॉक्स में खरीदारी देखी गई जिससे बाजार को बड़ा सहारा मिला है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 52 अंकों की मामूली तेजी के साथ 80,716 अंकों पर क्लोज हुआ है. जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 26 अंकों की तेजी के साथ 24,613 अंकों पर बंद हुआ है।बाजार के फ्लैट बंद होने के चलते बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप भी फ्लैट क्लोज हुआ है. बीएसई का मार्केट कैप आज के ट्रेड में 455.20 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 455.06 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 14000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी आई है। आज के कारोबार में एचयूएल 2.49 फीसदी, भारती एयरटेल 1.76 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.17 फीसदी, इंफोसिस 1.07 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.84 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.72 फीसदी, आईटीसी 0.68 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.56 फईसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. जबकि कोटक महिंद्रा बैंक 2.07 फीसदी, रिलायंस 1.37 फीसदी, एनटीपीसी 1.34 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.23 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

कैमलिन के प्रमुख सुभाष दांडेकर का निधन, स्याही बनाने वाली कंपनी को बना दिया था ग्लोबल ब्रांड

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जाने-माने स्टेशनरी ब्रांड कैमलिन के प्रमुख सुभाष दांडेकर का सोमवार को निधन हो गया। दांडेकर पिछले कुछ दिनों से बीमार थे और हिंदुजा अस्पताल में भर्ती थे। उनका मध्य मुंबई में अंतिम संस्कार कर दिया गया। उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुवार को एक शोक सभा आयोजित की जाएगी। दांडेकर ने जापान की कंपनी कोकुयो को अपना लोकप्रिय ब्रांड बेच दिया था और उसके बाद से वह कोकुयो कैमलिन के मानद चेयरमैन के रूप में काम कर रहे थे। उनके परिवार में एक बेटा और एक बेटी है। उनके निधन पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने कहा कि राज्य ने एक ऐसा दिग्गज खो दिया है, जिसने मराठी उद्योग जगत को प्रसिद्धि दिलाई। कैमलिन की स्थापना 1931 में सुभाष दांडेकर के पिता डीपी दांडेकर और उनके भाई जीपी दांडेकर ने की दांडेकर एंड कंपनी के रूप में की थी। कंपनी ने सबसे पहले हॉर्स ब्रांड इंक बनाई। इसे स्याही पाउडर के रूप में बेचा जाता था। साल 1947 में कंपनी ने चॉक, स्टांप पैड और गोंद के बाजार में भी एंट्री मारी। इसके बाद 1960 के दशक में सुभाष दांडेकर ने कंपनी को ऊंचाई पर पहुंचा दिया। सुभाष दांडेकर ने रंग रसायन विज्ञान में ग्लासगो से पढ़ाई की। वापस लौटने के बाद उन्होंने एक लैब बनाई और भारतीय बाजार के अनुरूप रंग तैयार करने का काम शुरू किया। 1962 में उन्होंने आर्ट मार्केट में एंट्री मारी।

टाटा, महिंद्रा या वोल्वो नहीं, अशोका लीलैंड को मिला है 2,100 से भी ज्यादा बसों का ऑर्डर

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बस बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी अशोक लेलैंड को महाराष्ट्र सरकार से बड़ा ऑर्डर हाथ लगा है। कंपनी को महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एमएमआरटीसी) से 982 करोड़ रुपये का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। इसके मुताबिक कंपनी को 2,104 वर्जिन पैसेंजर बसें सप्लाई करनी होंगी। कंपनी का कहना है कि वह अगले महीने ही डिलीवरी शुरू कर देगी। इसके साथ ही एमएमआरटीसी के बेड़े में अशोक लेलैंड की बसों की संख्या बढ़ जाएगी। एमएमआरटीसी देश की सबसे बड़ी सरकारी अंडरटेकिंग्स कंपनियों में से एक है। उसके पास 15,000 से ज्यादा बसों को बेड़ा है। अशोक लेलैंड बस बनाने वाली दुनिया की टॉप पांच कंपनियों में शामिल है। अशोक लेलैंड का हेडक्वार्टर चेन्नई में है। कंपनी का कहना है कि एमएमआरटीसी को सप्लाई की जाने वाली बसों में सीएमवीआर स्टैंडर्ड्स का पालन किया जाएगा। इनकी बॉडी एआईएस-153 कंप्लायंट होगी और इसमें आईजेन6 बीएस 6 ओबीडी-2 टेक्नोलॉजी के साथ 197 एचपी-सीरीज इंजन लगा होगा। साथ ही इनमें रियल इंजन सस्पेंशन की भी व्यवस्था होगी। इन बसों को राजस्थान के अलवर और चेन्नई में अशोक लेलैंड के एक्सक्लूसिव बस बॉडी प्लांट्स में तैयार किया जाएगा। कंपनी के एमडी एंड सीईओ शेणु अग्रवाल ने कहा कि यह ऑर्डर यह दिखाता है कि अशोक लेलैंड आधुनिक सुविधाओं वाले प्रॉडक्ट्स उतारने को लेकर कितनी समर्पित है।

दिवालिया हुई एक और कंपनी

18000 करोड़ का कर्ज, 10 से कम रह गई शेयर की कीमत

हैदराबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने जीवीके पावर एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (जीवीकेपीआईएल) को दिवालिया घोषित कर दिया है। ट्रिब्यूनल की हैदराबाद पीठ ने साथ ही कंपनी के खिलाफ कॉरपोरेट इन्सॉलवेंसी रेजॉल्यूशन प्रोसेस भी शुरू कर दिया है। यह मामला 18,000 करोड़ रुपये के लोन के भुगतान में डिफॉल्ट से जुड़ा है। लोन देने वाले बैंकों में आईसीआईसीआई बैंक और दूसरे कई अन्य लेंडर्स शामिल है। इन बैंकों से जीवीके कोल डेवलपर्स (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड ने करीब एक दशक पहले लोन लिया था। जीवीकेपीआईएल इसमें गारंटर थी। एनसीएलटी ने आईसीआईसीआई की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया। इसे 15 जुलाई को जारी किया गया। इस बीच जीवीके पावर के शेयरों में 5% का लोअर सर्किट छू लिया। बीएसई पर कंपनी का शेयर 9.64 रुपये पर आ गया। पिछले एक महीने में इसमें 14.61 फीसदी गिरावट आई है। बीएसई और एनएसई ने कंपनी के शेयरों को लॉन्ग टर्म एडिशनल सर्विलांस फ्रेमवर्क में डाल दिया है। निवेशकों को भारी उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए ऐसा किया गया है। कंपनी का शेयर 5 दिन, 10 दिन, 20 दिन, 30 दिन, 50 दिन, 100 दिन, 150 दिन और 200 दिन के सिंपल मूविंग एवरेज से नीचे ट्रेड कर रहा है। इसका 14 दिन का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 27.42 है। इसका 30 से कम होना ओवरसोल्ड माना जाता है जबकि 70 से ऊपर होना ओवरबॉट माना जाता है।

शेयर का हाल

कंपनी के स्टॉक का प्राइस-टु-इक्विटी रेश्यो 248.65 है जबकि इसकी प्राइस टु बुक वैल्यू 1.83 है। इसकी अर्निंग्स पर शेयर (ईपीएस) 0.04 और रिटर्न ऑन इक्विटी (आरओई) 0.73 है। इस शेयर का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 17.00 रुपये और न्यूनतम स्तर 2.42 रुपये हैं। 2022 में आईसीआईसीआई बैंक ने जीवीकेपीआईएल के खिलाफ इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग शुरू करने के लिए एनसीएलटी का दरवाजा खटखटाया था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	मे	कर्क-	05-51 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	मे	सिंह-	08-03 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या-	10-10 बजे
बुध-	कर्क	मे	तुला-	12-16 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृश्चिक-	14-25 बजे
शुक्र-	कर्क	मे	धनु-	16-39 बजे
शनि-	कुंभ	मे	कुंभ-	18-45 बजे
राहु-	मीन	मे	मीन-	20-36 बजे
केतु-	कन्या	मे	मेष---	22-14 बजे
			वृष--	23-50 बजे
			मिथुन-	01-35 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-54 सूर्यास्त. - 18-50
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 21-02 तक उपरान्त द्वादशी
मास - आषाढ़ शुक्ल , बुधवार 17 July
नक्षत्र - अनुराधा 03-12 तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - शुभ 07-03 तक उप शुक्ल
करण- वणिज 08-54 तक उप विष्टी
विशेष:- देवशयनी एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:22 से 13:59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05:54 - 07:30 शुभ	उत्पात	18:50 - 20:15 अशुभ
अमृत	07:30 - 09:07 शुभ	शुभ	20:15 - 21:38 शुभ
काल	09:07 - 10:45 अशुभ	अमृत	21:38 - 22:59 शुभ
शुभ	10:45 - 12:22 शुभ	चंचल	22:59 - 00:22 शुभ
रोग	12:22 - 13:59 अशुभ	रोग.	00:22 - 01:45 अशुभ
उत्पात	13:59 - 15:37 अशुभ	काल	01:45 - 03:07 अशुभ
चंचल	15:37 - 17:15 शुभ	लाभ	03:07 - 04:30 शुभ
लाभ	17:15 - 18:50 शुभ	उत्पात	04:30 - 05:54 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पुरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं,उसे सफलता में बदलने के लिए अपनी पूरी उर्जा को उसमें लगा दें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है । आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपको गृहों की स्थिति के कारण हर भावना काफी गहन प्रतीत होगी । आपको प्यार और नफरत दोनों ही का बहुत गहनता से अनुभव होगा । आपको यह समझाने वाले अवसर भी आयेंगे कि आप किस कारण अब अपने करीबी दोस्तों से पुरानी भावना से बात नही कर पा रहे? हालाँकि तुरंत कोई भी फैसला लेने के स्थान पुर रूककर और सोच समझकर कदम उठाना ही सही होगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है । आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं । आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे । अपने काम के जाल से बाहर निकलकर परिवार को भी समय दें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं । हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें । इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे । भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है । अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता ।अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं। अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें । अब फिजूलखर्ची से बचना होगा । आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

पं। महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

नीट पेपर लीक, हजारीबाग से दो संदिग्ध पकड़े गए

राज गेस्ट हाउस के मालिक को हिरासत में लिया, पटना लेकर गई टीम

रांची/हजारीबाग, 16 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में हजारीबाग में सीबीआई जांच का दायरा और बढ़ता जा रहा है। 2 दिनों से सीबीआई की टीम हजारीबाग आना-जाना कर रही है। सीबीआई की टीम सोमवार को भी हजारीबाग पहुंची। टीम ने शहर के रामनगर स्थित राज गेस्ट हाउस में छापा मारा। इससे पहले राज गेस्ट हाउस के मालिक राजकुमार सिंह उर्फ राजू के कदमा स्थित घर में रेड की।

जहां से टीम राजकुमार सिंह उर्फ राजू को हिरासत में लेकर राज गेस्ट हाउस पहुंची। टीम ने उससे गेस्ट हाउस खोलने के लिए चाबी की मांग की। जब चाबी नहीं मिली तो टीम ने ताला तोड़ दिया। टीम ने गेस्ट हाउस को घंटों खंगाला। जहां से कई संदिग्ध दस्तावेज टीम के हाथ लगने की खबर है। देर शाम 7 बजे सीबीआई की टीम राजकुमार उर्फ राजू को अपने साथ पटना ले गई। सीबीआई की 5 सदस्यीय टीम एक इनोवा और एक अर्टिगा कार से पहुंची थी। उनके साथ 2 संदिग्ध भी थे। जिनको आमने-सामने बैठाकर राज गेस्ट हाउस में ही राजकुमार राजू के साथ पूछताछ भी हुई। सूत्र बता रहे हैं कि हजारीबाग से गिरफ्तार हुए ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसान उल हक,वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज आलम और जमालुद्दीन से उसके तार जुड़े हुए हैं। पिछले दो दिनों से हजारीबाग में सीबीआई की टीम बेहद गोपनीय ढंग से इस पूरे मामले की जांच कर रही है। यह भी कहा जा रहा है कि कुछ छात्र या अभिभावक का गेस्ट हाउस में आकर रहने की सूचना सीबीआई को हाथ लगी है। इस आधार पर राजू से पूछताछ चल रही है।

इसके पहले 8 जुलाई को सीबीआई हजारीबाग में सक्रिय हुई थी। सीबीआई टीम ने ओएसिस स्कूल में पहले दस्तक दी थी। जहां टीम ने ओएसिस स्कूल में हाल के दिनों में हुए परीक्षा की जानकारी प्राप्त की थी। साथ ही उन परीक्षा में कौन-कौन से छात्र सम्मिलित हुए थे उनकी विस्तृत जानकारी और अटेंडेंस शीट अपने साथ पटना ले गई। हजारीबाग नीट पेपर लीक मामले का मुख्य केंद्र बना हुआ है। अहम सबूत के साथ तीन लोग जिसमें ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसान उल हक, वाइस प्रिंसिपल, इम्तियाज आलम और जमालुद्दीन को गिरफ्तार कर अपने साथ पटना ले गई थी। वहीं कुछ दिनों के बाद स्कूल के दो शिक्षकों को भी समन भेज कर पटना बुलाया था। जिन्हें बाद में पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया।

जांच के दौरान ब्लू डार्ट कूरियर के कर्मियों से भी पूछताछ की गई थी। साथ ही जो ई रिक्शा के जरिए प्रश्न पत्र भेजा गया था उससे भी पूछताछ की गई थी। सीबीआई की टीम ने एसबीआई बैंक के प्रबंधन से भी पूछताछ की थी। आज राजकुमार सिंह उर्फ राजू चौथा व्यक्ति है जिसे सीबीआई हिरासत में लिया है।

मजदूरों से भरी पिकअप पलटी एक की मौत

20 घायल, खैरझीटी से सारंगढ़ जा रहे थे, सभी एक ही गांव के रहने वाले

रायगढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मजदूरों से भरी तेज रफ्तार पिकअप पलटने से 1 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 20 लोग घायल हो गए हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पूरा मामला सारंगढ़ थाना क्षेत्र का है। बरमकेला क्षेत्र के जंगल रोड पर यह हादसा हुआ। पिकअप में खैरझीटी गांव के मजदूर सवार थे, जो सारंगढ़ जा रहे थे। तेज रफ्तार के कारण चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और पिकअप पलट गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर पुलिस ने बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पिकअप की रफ्तार बहुत तेज थी, जिसके कारण ड्राइवर ने संतुलन खो दिया।

रांची जमीन घोटाला, कमलेश को ईडी का पांच समन

कांके में 700 एकड़ जमीन की हेराफेरी, ईडी की जांच शुरू, जब्ती भी संभावित

रांची, 16 जुलाई (एजेंसियां)। 21 जून को जमीन माफिया कमलेश कुमार के ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की थी। इस छापेमारी के बाद ईडी को जमीन हेराफेरी के कई सबूत मिले। जिसक बाद से ईडी रेस है। ईडी को जानकारी मिली है कि कांके में 700 एकड़ से भी अधिक जमीन के दस्तावेजों में गड़बड़ी की गई है। जमीन के दस्तावेजों में कांके अंचल कार्यालय के साथ-साथ नेशनल इंफोर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) और कोलकाता स्थित रजिस्ट्रार ऑफ इंश्योरेंस कार्यालय में भी फर्जीवाड़ा किया गया है। ईडी अब इन सबकी जांच शुरू कर दी है। कांके इलाके के चामा मौजा स्थित कांके रिजॉर्ट सहित 20 जमीनों के फर्जीवाड़े की जांच ईडी ने शुरू की है। जांच एजेंसी को गड़बड़ी मिलती है तो सभी को तत्काल प्रभाव से जब्त कर लिया जाएगा। बता दें कि ईडी जमीन घोटाले में अबतक 266 करोड़ रुपए मूल्य के जमीन जब्त कर चुका है। जमीन माफिया कमलेश कुमार के ठिकानों पर छापेमारी के बाद वहां से जब्त दस्तावेजों के आधार पर कांके अंचल कार्यालय में 10 जुलाई को छापेमारी की थी। इस दौरान कई लोगों से ईडी ने पूछताछ भी की। कांके अंचल से कई दस्तावेज भी जब्त कर अपने साथ लेकर गई।

ईडी को अब तक की जांच में यह भी पता चला कि कांके के सीओ जय कुमार राम ने कांके अंचल के 20 जमीन के रेकर्ड में छेड़छाड़ की थी। जिन दिन (21 जून) जमीन माफिया कमलेश कुमार के ठिकानों ईडी की छापेमारी हुई, उसी दिन सीओ जय कुमार राम ने एनआईसी में हेराफेरी की 17 एंट्री को डिलीट कर दिया। 9 जुलाई को दोबारा वे एनआईसी गए और तीन एंट्री को डिलीट किया। ईडी ने अब तक उनसे सामान्य पूछताछ की है। बताया जा रहा है कि अगर सीओ के खिलाफ कुछ और जानकारी मिलती है तो उनकी गिरफ्तारी भी हो सकती है।

पति के दाह संस्कार के बाद से लापता

बेटा बोला-मां कहती थी उनके साथ चली जाऊंगी

रायगढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पति के दाह संस्कार के बाद पत्नी लापता है। उसका चश्मा, साड़ी और चप्पल चिता के पास ही मिले हैं। इसके बाद महिला के बेटे का कहना है कि उसकी मां पिता के साथ चिता में जलकर सती हो गई है। मामला चक्रधर थाना क्षेत्र का है। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है। इसके बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए हैं। फिलहाल पुलिस महिला की गुमशुदगी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। अभी तक महिला के बारे में कुछ पता नहीं चल सका है।

चिटकाकानी में रहने वाले जयदेव गुप्ता (65) की कैंसर की वजह से रविवार को मौत हो गई। इसके बाद शाम करीब 5 बजे उनके शव का अंतिम संस्कार किया गया। रात करीब 11 बजे परिजनों ने देखा तो जयदेव की पत्नी गुलापी गुप्ता (57) घर से गायब थीं।

इस पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। काफी ढूंढने के बाद परिजन आशंका के चलते श्मशान घाट पर पहुंचे। वहां जयदेव की चिता के पास ही गुलापी का सामान पड़ा हुआ था। ऐसे में परिजनों का कहना है कि महिला की पति की चिता में जल कर मौत हुई है।

सूचना मिलते ही फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड के साथ पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में जांच शुरू की गई और चिता से कुछ अवशेष भी जांच के लिए निकाले गए। बारीकी से पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है। एसपी दिव्यांग पटेल के मुताबिक गुलापी गुप्ता (57) रात 11 बजे तक घर में थी, लेकिन वह अचानक गायब हो गई। अंतिम संस्कार शाम 5.30 बजे किया गया था।

जयदेव गुप्ता के बेटे सुशील गुप्ता ने बताया कि पापा कैंसर से पीड़ित थे। मेडिकल कॉलेज में भर्ती थे। सोमवार को उनकी जान चली गई। पिता का अंतिम संस्कार शाम को किया गया।

ज्वेलरी शॉप से 40 लाख की चोरी

दुकान में तोड़फोड़ कर मालिक पर किया हमला, बाइक छोड़कर भागे, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

बिलासपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में दामोदर ज्वेलर्स में 40 लाख की चोरी हुई है। 3 से 4 नकाबपोशों ने देर रात दुकान का ताला तोड़कर ज्वेलरी चुरा ली। घटना के समय दुकान के मालिक और उनका परिवार शादी में शामिल होने बिलासपुर गया हुआ था। पूरा मामला सीपत थाना क्षेत्र के नवाडीह का है। मिली जानकारी के मुताबिक जब दुकान मालिक अपने परिवार के साथ घर लौटा तो चोर चोरी करने में लगे थे, जब दुकानदार ने आवाज लगाई तो उस पर हमला कर दिया। इससे डर कर वह दुकान से थोड़ी दूर चले गए। चोरों ने दुकान में तोड़फोड़ की और जेवर लेकर भाग गए। दुकान मालिक ने तत्काल इसकी सूचना सीपत पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक चोर भाग निकले थे।

हर मरीज की मलेरिया जांच अनिवार्य

जिला अस्पताल को मिलेगा नया भवन, स्वास्थ्य मंत्री बोले-कांग्रेस कार्यकाल में 3 गुना बढ़ा मलेरिया

रायपुर/बीजापुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बीजापुर में जिला अस्पताल के लिए नया भवन और सेटअप देने की घोषणा की है। साथ ही आईसीयू में 10 बेड और 2 डायलिसिस मशीनों को भी स्वीकृत किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल सोमवार को बीजापुर दौरे पर पहुंचे थे।

दरअसल, पिछले 10 दिनों में मलेरिया-डायरिया से प्रदेश में 3 आदिवासी छात्राओं और 5 बैगाओं की मौत हुई है। इसके बाद सियासी हंगामा मचा हुआ है। बीजापुर में स्वास्थ्य मंत्री ने जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों और बच्चों के परिजनों की मलेरिया जांच अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए हैं।

दूसरी ओर कांग्रेस ने बीजापुर के आवासीय स्कूल में बच्चियों की मौत पर जांच कमेटी गठित की है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कबीरधाम जिले में बैगा आदिवासियों और बीजापुर में छात्राओं की मौत को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'X' पर इसे भाजपा सरकार की नाकामी बताया है। बीजापुर दौरे पर जाने से पहले रायपुर में स्वास्थ्य मंत्री ने मीडिया से कहा कि, बच्चियों की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी समीक्षा की जाएगी। उन्होंने मलेरिया के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार बताया है। मंत्री ने कहा है, कांग्रेस कार्यकाल में मलेरिया तीन गुना बढ़ा है।

रायपुर में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि, कांग्रेस के कार्यकाल में मलेरिया तीन गुना बढ़ा है। साल 2018 में जब बीजेपी की सरकार थी, तब छत्तीसगढ़ में 1000 में 11 लोग मलेरिया प्रभावित थे। साल 2023 में जब दोबारा सत्ता संभाली तो प्रति 1000 लोगों में 35 लोग मलेरिया प्रभावित हो गए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा भाजपा की सरकार ने बीते 15 सालों में छत्तीसगढ़ को मलेरिया मुक्त करने का काम किया। हम आने वाले 5 साल में बस्तर को भी पूरी तरह से मलेरिया मुक्त करने के लिए संकल्प ले चुके हैं। इस दिशा में काम किया जा रहे हैं। फिलहाल स्वास्थ्य मंत्री बीजापुर में जिला चिकित्सा अधिकारी और विभाग के लोगों की बैठक ले रहे हैं। मलेरिया से कैसे निपटा जाए इसकी तैयारी का जायजा भी स्वास्थ्य मंत्री ले रहे हैं। बीजापुर में बच्चियों की मौत मामले में कांग्रेस ने एक जांच कमेटी भी बनाई है। इसमें 9 महिला नेता हैं। यह जांच कमेटी जल्द ही उस गांव का दौरा करेगी, जहां की रहने वाली बच्चियों की मौत हुई है।

स्कूल का प्रिंसिपल निकला बलौदाबाजार हिंसा का मास्टरमाइंड

मोहन बंजारे पूरे आंदोलन में मंच संचालक था, रणनीति बनाई, लोगों को भड़काया

बलौदाबाजार, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बलौदाबाजार हिंसा मामले में लगातार गिरफ्तारी हो रही है। पुलिस के मुताबिक हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता मोहन बंजारे को गिरफ्तार किया गया है। मोहन बंजारे ने ही आंदोलन के दिन मंच संचालन किया था। साथ ही भड़काऊ भाषण भी दिया था। मोहन बंजारे को पुराना धमतरी रोड रायपुर से और तीन आरोपियों को रायपुर, मोवा और भिलाई से पकड़ा गया है। 10 जून को हुई हिंसा के बाद से अब तक कुल 163 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष शैलेंद्र बंजारे, एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष सूर्यकांत वर्मा भी शामिल हैं। इनके अलावा भीम आर्मी के प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश महासचिव को भी पुलिस ने हिंसा मामले में पकड़ा है। पुलिस मोहन बंजारे की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही थी, आरोपी की ट्रेसिंग से पता चला कि वह पुराना धमतरी रोड रायपुर के आसपास दिनेश बंजारे के साथ छिपा हुआ है। पुलिस ने दोनों को रविवार को गिरफ्तार की है। बलौदाबाजार हिंसा मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी की टीम शुक्रवार को घटनास्थल पहुंची और सीन रिक्रिएट किया। टीम भीम आर्मी क्रांतिवीर के संस्थापक किशोर नवरंगे को लेकर पहुंची थी।

हिंसा के दौरान दशहरा मैदान में मौजूद भीड़ और मंच संचालन सहित कई तथ्यों की बारीकी से जानकारी जुटाई गई।

महादेव सट्टा का पैनल चलाने वाला सिपाही सहदेव बर्खास्त

दुर्ग एसपी बोले- 127 दिन ड्यूटी से गैरहाजिर रहा, जो पुलिस सेवा आचरण के खिलाफ

भिलाई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। महादेव सट्टा ऐप का पैनल चलवाने और इससे जुड़े लेनदेन के मामले में आरोपी छत्तीसगढ़ पुलिस के सिपाही सहदेव यादव को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला ने बर्खास्तगी का आदेश जारी किया है। सहदेव को कुछ दिन पहले राजनांदगांव जिले के सोमनी से गिरफ्तार किया गया था और वो इस समय जेल में है।

दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला ने जो बर्खास्तगी आदेश जारी किया है उसमें सहदेव यादव के ड्यूटी में अनुपस्थित रहने का जिक्र है। इसके लिए उसे दो बार पहले भी दंडित किया जा चुका है। इसके बाद उसे जेवरा सिरसा चौकी में पदस्थ किया गया था, लेकिन वहां भी बिना किसी अनुमति और पूर्व सूचना के वो 127 दिन ड्यूटी से अनुपस्थित रहा है। इसके लिए उसका एक वेतनमान वृद्धि भी रोका गया है।

थाना कुम्हारी में पदस्थापना के दौरान भी 6 जुलाई 2022 से 9 नवंबर 2022 तक वो ड्यूटी से अनुपस्थित रहा। इसके साथ ही उसने अपने एसबीआई अकाउंट से बिना किसी अधिकारी की स्वीकृति के बड़ी राशि का लेनदेन किया है। जो पुलिस रेग्युलेशन और एमपी/सीजी सिविल सेवा आचरण नियम के खिलाफ है। इसलिए विभागीय जांच के बाद उसकी सेवा समाप्त करते हुए उसे बर्खास्त किया गया है।

एसपी के आदेश में स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि स्मृति नगर चौकी में तैनाती के दौरान 3 दिसंबर 2023 को उसकी ड्यूटी मतगणना के रिहर्सल में लगाई गई थी। महत्वपूर्व ड्यूटी होने के बाद भी वो वहां नहीं पहुंचा। प्रवर्तन निदेशालय, वित्त मंत्रालय भारत सरकार के रायपुर जोनल कार्यालय से उसकी जांच शुरू की गई और समन भी भेजा गया, लेकिन उसकी तामीली नहीं हुई।

सहदेव यादव को इसकी जानकारी हो गई थी कि ईडी उसके ऊपर कार्रवाई करने वाली है, इसीलिए समन से पहले ही वो फरार हो गया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो एवं एंटी करप्शन ब्यूरो छग रायपुर ने 11 जुलाई 2024 को एसपी को पत्र लिखकर कर बताया है कि उन लोगों ने सहदेव यादव को धारा 406, 420, 467, 468, 471, 120बी, 34 के साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 2018 की विवेचना में आरोपी पाया है और इसके लिए उसे गिरफ्तार किया गया है।

सहदेव यादव का था दुबई कनेक्शन

ईओडब्ल्यू की गिरफ्त में आया सहदेव यादव आरक्षक भीम सिंह यादव और अर्जुन यादव का भाई है। सहदेव और उसके भाइयों का कनेक्शन महादेव ऐप संचालित करने वाले लोगों के साथ था। सहदेव सट्टा चलाने वाले और दुबई में बैठे सन्नी सतनाम से लगातार बात करता भी करता था।

सहदेव कई महीने तक बिना किसी जानकारी के गायब भी था। इस दौरान उसका लोकेशन मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में पाया गया। वहीं ऑनलाइन सट्टा ऐप का पैनल भी चला रहा था।

झारखंड के आसमान में बादल लेकिन बरसे कम

मौसमी ट्रफ, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और साउथ वेस्ट मानसून भी एक्टिव, अब अच्छी बारिश की उम्मीद

रांची, 16 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के कई जिलों में आसमान में बादल छाए रहे और कई हिस्सों में हल्की बारिश भी हुई। राज्य में अब भी उम्मीदों के अनुसार बारिश नहीं हुई है। राज्य के कई जिलों में औसत से कम बारिश का असर खेती पर पड़ने लगा है। एक मौसमी ट्रफ फिलहाल झारखंड से पार हो रहा इस ट्रफ के पार होने के बाद मौसम अपना मिजाज फिर बदलेगा। मौसम विभाग को उम्मीद है कि इस महीने अच्छी बारिश होगी जिससे पिछले कुछ महीनों में कम बारिश की कमी पूरी हो जाएगी। मौसम विभाग ने बताया कि मौसमी ट्रफ फिलहाल झारखंड से गुजर रहा है। बंगाल की खाड़ी में भी एक साइक्लोन सर्कुलेशन का असर राज्य में होगा। राज्य में साउथ वेस्ट मानसून भी पूरी तरह सक्रिय होने के आसार है। इन तीनों की वजह से राज्य में अच्छी बारिश के आसार हैं। आज राज्य के जिन जिलों में बारिश के आसार हैं उनमें हजारीबाग, कोडरमा, गढ़वा, पलामू, चतरा, जामताड़ा, साहिबगंज, गोड्डा, देवघर, गिरीडीह, सरायकेला खरसावां, पश्चिमी और पूर्वी सिंहभूम में भारी बारिश की संभावना है। राज्य के दूसरे जिलों में भी सामान्य बारिश होगी। राज्य में मानसून के कमजोर रहने पर एक्सपर्ट का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय रहने से जून में मानसून कमजोर रहा था। अब एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता का असर मानसून पर पड़ेगा। राज्य में पिछले 24 घंटे के मौसम पर नजर डालें तो राज्यभर में बादल छाए रहे और कहीं- कहीं छिटपुट बारिश भी हुई। राज्य में सबसे अधिक बारिश गढ़वा में 63.5 मिमि दर्ज की गई।

छत्तीसगढ़ को पांच नेशनल अवॉर्ड

4 नगरीय निकाय और सूडा का चयन, रायपुर का नाम नहीं, सीएम साय बोले- ये विष्णु का सुशासन

रायपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत 5 नेशनल अवॉर्ड मिले हैं। यह नेशनल अवॉर्ड शहरी गरीब परिवारों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और आजीविका यानी रोजी रोटी से जुड़े अवसर बढ़ाने की वजह से छत्तीसगढ़ को मिले हैं। अब नई दिल्ली में 18 जुलाई को सूडा और प्रदेश के 4 नगरीय निकायों को यह अवॉर्ड दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने इसके लिए विभाग के अधिकारियों को बधाई दी है। सीएम साय ने इस उपलब्धि को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए सीएम विष्णुदेव साय ने लिखा कि विष्णु के सुशासन में शहरी गरीब परिवारों को सशक्त बनाने और आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिल रहा है। छत्तीसगढ़ को दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में उत्कृष्ट कार्यों हेतु पांच राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा जाएगा। भारत सरकार ने राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) और प्रदेश के चार नगरीय निकायों बिलासपुर, रायगढ़, चांपा एवं भाटापारा का चयन 'स्पार्क-2023-24' पुरस्कारों के लिए किया है। इनमें छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े निकायों में से एक राजधानी रायपुर का नाम नहीं है। अवॉर्ड केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय देगा। इसके लिए दिल्ली के इंडिया हैबिटॉट सेंटर में समारोह आयोजित है।

जनकपुर नगर पंचायत अध्यक्ष की नियुक्ति पर सरपंच का सवाल

एमसीबी में जयमनिया बैगा ने कहा- आदिवासी महिला के साथ हुआ अन्याय

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के ग्राम पंचायत से हाल ही नगर पंचायत में तब्दील हुए जनकपुर नगर पंचायत महिला सरपंच जयमनिया बैगा ने भी अध्यक्ष की नियुक्ति पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है।बता दें कि राज्य सरकार द्वारा जनकपुर नगर पंचायत में अध्यक्ष मनोनीत किए जाने का बाद शुरू हुआ बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। महिला सरपंच जयमनिया बैगा का कहना है कि मेरे साथ अन्याय हुआ है। मैं आदिवासी महिला हूं और शासन-प्रशासन मेरे साथ अन्याय कर रहा है। महिला सरपंच का कहना है कि हमारा 4 महीने का कार्यकाल बचा था, ऐसे में नगर पंचायत अध्यक्ष की नियुक्ति करना गलत है। सरपंच का कहना है कि हमें 4 महीने और काम करने का मौका देना था। वहीं जब सरपंच का पद आदिवासी महिला के लिए आरक्षित था तो नगर पंचायत अध्यक्ष भी आदिवासी समाज की महिला को देना था, लेकिन सामान्य वर्ग के पुरुष को अध्यक्ष बनाकर सरकार ने हमारे साथ अन्याय किया है। गौरतलब है कि भाजपा जिला उपाध्यक्ष और भरतपुर जनपद उपाध्यक्ष दुर्गाशंकर मिश्र ने भी नगर पंचायत जनकपुर में अध्यक्ष की गलत नियुक्ति को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंहदेव को पत्र लिखा है। उन्होंने मनोनीत अध्यक्ष पद पर अनुसूचित जनजाति पद की महिला को अध्यक्ष मनोनीत करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि नगर पंचायत जनकपुर, जनपद पंचायत भरतपुर, जिला एमसीबी में नगर पंचायत के घोषणा के आधार पर ग्राम पंचायत को भंग करते हुए जनकपुर नगर पंचायत की समिति का गठन किया गया, जिसमें अशोक सिंह को अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया गया। जबकि ग्राम पंचायत जनकपुर अजजा महिला के लिए आरक्षित है। उसमें आदिवासी महिला को ही अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत होना चाहिए, क्योंकि नगर पंचायत जनकपुर के अध्यक्ष पद का आरक्षण नहीं हुआ है। जिस आधार पर सामान्य वर्ग को मनोनीत किया गया है, वह नियम विरूद्ध है। जिलाध्यक्ष भाजपा अनिल केशरवानी ने मनमाने ढंग से अध्यक्ष और सदस्यों को मनोनीत के लिए नगरीय प्रशासन और विकास विभाग को पूरी तरह गलत सूची भेजी है।

ट्रम्प कान पर पट्टी बांधकर पार्टी कन्वेंशन में पहुंचे

हमले के 48 घंटे बाद रिपब्लिकन पार्टी ने चुना राष्ट्रपति उम्मीदवार, 'वी लव ट्रम्प' के नारे लगे

वॉशिंगटन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी ने सोमवार देर रात डोनाल्ड ट्रम्प को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति उम्मीदवार घोषित कर दिया। विस्कॉन्सिन के मिल्वॉकी शहर में हुए पार्टी कन्वेंशन में ट्रम्प को डेलिगेट्स के 2387 वोट मिले। उम्मीदवार चुने जाने के लिए उन्हें 1215 वोटों की जरूरत थी।

13 जुलाई को पेन्सिल्वेनिया में हुए हमले के बाद यह पहला मौका था जब ट्रम्प सार्वजनिक मंच पर नजर आए। उनके कान पर पट्टी बंधी थी। गोली लगने के 48 घंटे बाद पार्टी ने उन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया है। सम्मेलन में ट्रम्प के पहुंचते ही समर्थकों ने 'यूएसए-यूएसए' के नारे लगाए। साथ ही हवा में मुट्ठी लहराते हुए लोग 'फाइट-फाइट' कहते नजर आए। दरअसल शनिवार को गोली लगने के बाद ट्रम्प ने हवा में मुट्ठी लहाकर फाइट-फाइट कहा था। कन्वेंशन में ट्रम्प के साथ उनके बेटे एरिक और डोनाल्ड जूनियर भी मौजूद रहे। सम्मेलन खत्म होने के बाद जब ट्रम्प वहां से जाने लगे तो लोगों ने 'वी लव ट्रम्प' के नारे भी लगाए। इस दौरान कुछ समर्थकों की आंखें भी नम हो गईं। हालांकि

कन्वेंशन में ट्रम्प ने एक बार भी खुद को गोली का जिक्र नहीं किया। वहीं रिपब्लिकन पार्टी से उप-राष्ट्रपति पद के लिए 39 साल के जेम्स डेविड वेंस के नाम का ऐलान किया गया। कन्वेंशन में किसी भी डेलिगेट ने वेंस का विरोध नहीं किया। वेंस 2022 में पहली बार ओहायो से सीनेटर चुने गए थे। उन्हें ट्रम्प का करीबी माना जाता है। हालांकि, ट्रम्प समर्थक बनने से पहले 2021 तक वेंस उनके कट्टर विरोधी हुआ करते थे। 2016 में एक इंटरव्यू में वेंस ने ट्रम्प को निंदा के योग्य कहा था। उनके स्वभाव और लीडरशिप स्टाइल पर भी सवाल उठाए थे। फिर 2021 में उन्होंने इसके लिए ट्रम्प से माफी मांगी। साथ ही रिपब्लिकन पार्टी से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की थी। इसके बाद वे ट्रम्प के करीबी बन गए।

रिपब्लिकन पार्टी से उप-राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए 2 भारतवंशियों के नाम भी सामने आए थे। इनमें विवेक रामास्वामी और निक्की हेली शामिल थे। दोनों ही नेता रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की रेस में ट्रम्प के खिलाफ खड़े हुए थे। बाद में चुनाव हारने के बाद उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था।

इसके बाद कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि विवेक उप-राष्ट्रपति के लिए ट्रम्प की पहली पसंद होंगे। हालांकि पूर्व राष्ट्रपति ने भारतवंशी उम्मीदवारों को नकारते हुए वेंस को उप-राष्ट्रपति पद के लिए चुना है। खास बात ये है कि वेंस की पत्नी ऊषा चिलुकूरी वेंस भी भारतीय मूल की अमेरिकी नागरिक हैं। उप-राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए जेम्स डेविड वेंस को चुने जाने के बाद राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा, "जेम्स तो ट्रम्प के क्लोन हैं। सभी मुद्दों पर दोनों की एक ही राय है। मुझे कोई फर्क नहीं दिखता।" वहीं वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस ने कहा है कि वे वेंस से डिबेट के लिए तैयार हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर जेडी वेंस को लेकर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, 'मैंने कई प्रतिभाशाली लोगों को ध्यान में रखते हुए काफी सोच-विचार और विमर्श के बाद यह फैसला किया है कि अमेरिका के उप-राष्ट्रपति के पद के लिए सबसे सही व्यक्ति ओहायो राज्य के सीनेटर जेडी वेंस हैं।'

बाढ़ और तूफान ने मचाई तबाही

एक ही दिन में 40 की मौत, 250 से ज्यादा घायल

काबुल, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्वी अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में सोमवार दोपहर को आए तूफान और बाढ़ में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 250 से ज्यादा लोग इस आपदा से घायल हुए हैं। नंगरहार के सूचना और संस्कृति के प्रांतीय निदेशक कुरैशी बैडलोन के अनुसार इस प्राकृतिक आपदा ने प्रांत की राजधानी जलालाबाद सुर्ख रोड जिले और पाकिस्तान की सीमा से लगे प्रांत के उनके पड़ोसी क्षेत्रों को बुरी तरह से प्रभावित किया है। स्थानीय अधिकारियों को अंदेशा है कि बाढ़ की भयावहता को देखते हुए मरने वालों की संख्या और ज्यादा बढ़ सकती है। नंगरहार के पड़ोसी कुनार प्रांत में भी सोमवार को ही आई बाढ़ ने पांच लोगों की जान ली है। ऐसे में सोमवार को एक ही दिन में बाढ़ से 40 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। अफगानिस्तान में मई से अब तक यानी करीब ढाई महीने में भारी बारिश और बाढ़ की वजह से 400 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। बड़ी तादाद में पशु भी बाढ़ में मरे हैं। लोगों की प्रोपर्टी का भी काफी ज्यादा नुकसान इस दौरान हुआ है।

चीन ने ताजिकिस्तान में 'जबरन' बनाया मिलिट्री बेस

खुलासे ने बढ़ाई भारत-रूस की टेंशन, जिनपिंग का क्या है प्लान?

बीजिंग, 16 जुलाई (एजेंसियां)। चीन ने ताजिकिस्तान में एक मिलिट्री बेस बनाया है। माना जा रहा है कि चीन ने ऐसा धोखे से किया है। ताजिकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय के साथ मिलकर चीन मूल रूप से संयुक्त आतंकवाद विरोधी फैसिलिटी बनाने में लगा था। ऐसी रिपोर्ट्स आई थीं कि चीन ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे ताजिकिस्तान में एक पूर्ण पैमाने पर सैन्य अड्डा बनाया है। हालांकि चीन और ताजिकिस्तान दोनों ने हाल में ताजिक अफगान सीमा के पास सीक्रेट सैन्य अड्डे से इनकार किया है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट में सैटेलाइट तस्वीरों के साथ बताया गया था कि चीन ने सीक्रेट सैन्य अड्डे का निर्माण किया है। अफगानिस्तान में बढ़ते सुरक्षा खतरे को देखते हुए चीन का यह बेस महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक 13,000 फीट की ऊंचाई पर सुदूर पहाड़ी इलाके में स्थित चीनी सैन्य अड्डे में ऑब्जर्वेशन टावर और चीन के सैनिक भी तैनात हैं। सूत्रों ने कहा कि कथित आतंकवाद विरोधी अड्डा अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद बनाया गया था और इसके लिए समझौते पर

2021 में हस्ताक्षर किए गए होंगे। ताजिकिस्तान में रूस और भारत दोनों की बड़ी हिस्सेदारी है। मध्य एशिया में विशेषकर अफगान सीमा के निकट ताजिकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के करीब चीन का कोई भी बेस भारत और रूस के लिए टेंशन की बात है।

रूस ने ताजिकिस्तान में अपना सैन्य अड्डा बनाए रखा है। लेकिन भारत ने इस क्षेत्र में आतंकी खतरों से निपटने के लिए ताजिकिस्तान के साथ मिलकर काम किया है। भारत ने ताजिकिस्तान में अयनी एयर बेस का संचालन किया। यहां तक कि सुखोई भी तैनात किया। लेकिन बाद में ये फैसिलिटी बंद कर दी गई। 2002 और 2010 के बीच भारत ने एयर बेस के नवीनीकरण, रनवे को 3200 मीटर बढ़ाने और अत्याधुनिक नेविगेशनल और वायु रक्षा उपकरण स्थापित करने के लिए 70 मिलियन डॉलर का खर्च किया। शीत युद्ध के दौरान अयनी क्षेत्र में सोवियत सेना के लिए प्रमुख अड्डा था।

टेलीग्राफ ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि चीन लगभग एक दशक से दुनिया के सबसे सुदूर कोनों में से एक में बेस बना रहा है। चीन ने 2016 में ताजिकिस्तान के साथ एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। ताजिकिस्तान में मौजूद चीनी दूतावास ने सोमवार को दावा किया कि उनकी ओर से कोई भी मिलिट्री बेस नहीं बनाया गया है। लेकिन सैटेलाइट तस्वीरें निर्माण की स्थिर गति दिखाती हैं, जिसमें बेस तक जाने के लिए सड़कें भी शामिल हैं।

ओमान की मस्जिद में गोलीबारी, 4 की मौत

शिया मुस्लिमों का धार्मिक कार्यक्रम चल रहा था, घायलों में पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल

मस्कट, 16 जुलाई (एजेंसियां)। ओमान में एक मस्जिद के पास हुई गोलीबारी में 4 लोगों की मौत हो गई है। वहीं कई लोग घायल हुए हैं। मंगलवार सुबह ओमान की राजधानी मस्कट में वादी अल-कबीर मस्जिद के पास शूटिंग हुई। अलजजीरा के मुताबिक, मस्जिद में शियाओं से जुड़ा एक धार्मिक कार्यक्रम हो रहा था। ओमान की पुलिस ने कहा है कि इलाके में सुरक्षा बढ़ाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं। हमला किसने किया फिलहाल इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। सोशल मीडिया पर हमले से जुड़े कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। वीडियो के मुताबिक गोलीबारी शुरू होते ही मस्जिद में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने पास में मौजूद इमाम अली मस्जिद में पनाह ली। अलजजीरा के मुताबिक, हमले में कुछ पाकिस्तानी नागरिक भी घायल हुए हैं। पाकिस्तान के राजदूत ने अस्पताल पहुंचकर उनसे मुलाकात भी की। वहीं मस्कट में मौजूद अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। ओमान को मिडिल ईस्ट का बिचौलिया कहा जाता है। वह अक्सर तनाव की स्थिति में देशों के बीच संधि करवाने और संतुलन बनाए रखने का काम करता है। ओमान में क्राइम रेट बेहद कम है। यहां आमतौर पर इस तरह के हमले नहीं होते हैं।

ओमान में शिया मुस्लिम मंगलवार को 'आशूरा' मना रहे थे। इस दिन शिया 7वीं सदी में पैगंबर मुहम्मद के पोते इमाम हुस्सैन की युद्ध में हुई शहादत को याद करते हैं। कई शिया मुस्लिम इस दिन इराक में इमाम हुस्सैन की दरगाह पर जाते हैं। साथ ही वे व्रत भी रखते हैं। ओमान की 86% आबादी मुस्लिम है। इनमें 45% सुन्नी मुस्लिम और 45% इबादी मुस्लिम हैं। वहीं देश में 5% आबादी शियाओं की है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर पहुंचे मॉरीशस

कहा- भारत कभी साथ नहीं छोड़ेगा

मॉरीशस, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-मॉरीशस के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए मंगलवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर दो दिवसीय यात्रा पर मॉरीशस पहुंचे। यहां उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि भारत प्रगति और समृद्धि के लिए मॉरीशस का लगातार समर्थन करेगा। उसका साथ कभी नहीं छोड़ेगा। इससे पहले मॉरीशस के विदेश मंत्री मनीश गोबिन ने उनका हवाई अड्डे पर स्वागत किया। यहां एक कार्यक्रम में मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ के साथ भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 12 विकास परियोजनाओं, शिक्षा, संस्कृति और अभिलेखागार के डिजिटलीकरण के उद्घाटन के साथ विभिन्न एमओयू साइन किए। इसके अलावा उन्होंने भारतीय मूल के लोगों को ओसीआई कार्ड भी सौंपे। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत के मॉरीशस के साथ मजबूत संबंध हैं। मॉरीशस के साथ द्विपक्षीय संबंध विदेश में भारत के विकास और सहयोग के लिए आदर्श हैं। वहीं मॉरीशस के

विदेश मंत्री मनीष गोबिन ने पोस्ट किया कि मॉरीशस को लगातार समर्थन देने और चागोस द्वीप को लेकर उपनिवेशवाद, संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता को लेकर पहल करने पर भारत और डॉ. एस जयशंकर के प्रति कृतज्ञता जताते हैं। उन्होंने लिखा कि आज का दिन काफी महत्वपूर्ण है। भारत और एस जयशंकर के हमारे प्रति समर्थन और प्रतिबद्धता जताने पर आभार। इससे पहले मॉरीशस पहुंचने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर फोटो के साथ पोस्ट किया 'नमस्ते मॉरीशस! स्वागत के लिए विदेश मंत्री मनीश गोबिन का धन्यवाद।' वहीं गोबिन ने उनकी पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा कि जयशंकर की यात्रा दो देशों के बीच मजबूत और स्थायी संबंध को दर्शाती है। दोनों देश मिलकर अपने संबंध को मजबूत करने और सहयोग के बेहतर रास्ते तलाशेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के मध्य विभिन्न पहलुओं को जानने और संबंधों को बरकरार रखने का मौका है। यात्रा बहुआयामी द्विपक्षीय संबंध और लोगों के साथ संबंध गहरा करने पर जोर देगी। बता दें कि हाल ही में मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के बाद पहली बार मॉरीशस गए हैं। इससे पहले वह फरवरी 2021 में मॉरीशस गए थे।

भारत-मॉरीशस के बीच हमेशा से संबंध मजबूत रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है कि मॉरीशस की कुल जनसंख्या 1.2 मिलियन में 70 फीसदी भारतीय मूल के लोग हैं। जबकि 28 फीसदी लोग क्रियोल और तीन फीसदी लोग चीन मॉरीशियन और एक फीसदी लोग फ्रैंको मॉरीशियन हैं।

भारत ने हमेशा से संकट के समय मॉरीशस की सबसे पहले सहायता की है। कोविड-19 और तेल रिसाव संकट के दौरान भारत मॉरीशस का सबसे बड़ा मददगार रहा था। अप्रैल-मई 2020 में महामारी से निपटने के लिए मॉरीशस सरकार के अनुरोध पर भारत ने 13 टन दवाओं, 10 टन आयुर्वेदिक दवाओं और एक भारतीय रैपिड रिस्पांस मेडिकल टीम मॉरीशस भेजी थी।

बिजली बिलों पर कोहराम के बीच पेट्रोल-डीजल के दाम भी बढ़े

300 के करीब पहुंचीं कीमतें

इस्लामाबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में महंगाई बीते काफी समय से आम लोगों के लिए मुश्किल का सबब बन रही है। खासतौर से बिजली के बढ़े दामों ने आम लोगों की कमर तोड़ रखी है। बिजली के बिलों को लेकर हाल के दिनों में पाकिस्तान के कई हिस्सों में प्रदर्शन देखने को मिले हैं। इस सबके बीच पाकिस्तान की पीएम शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार ने जनता पर पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाकर नया बोझ डाल दिया है। पाकिस्तान में पेट्रोल के दाम 10 रुपए प्रति लीटर और डीजल 6 रुपए बढ़ाए गए हैं। दामों में बढ़ोतरी की वजह इंटरनेशनल मार्किट को बताया गया है।

पाक अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को सरकार ने पेट्रोल की कीमत 9.99 रुपए प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) की कीमत 6.18 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दी है। वित्त प्रभाग की ओर से जारी नोटिफिकेशन में ये जानकारी दी गई है। दामों में बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की नई कीमत 275.6 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल (एचएसडी) 283.63 रुपए प्रति लीटर है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अब 300 रुपए प्रति लीटर की तरफ बढ़ते दिख रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर तेल की ऊंची कीमतों के चलते पेट्रोल की कीमत में 7.60 रुपए और डीजल में 3.50 रुपए के इजाफे की उम्मीद थी लेकिन इससे काफी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है।

ब्रह्मोस के बाद अब सुखोई की बारी

भारत और रूस मिलकर बनाएंगे महाविनाशक जेट, दुनिया में बजेगा डंका

मॉस्को, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और रूस ने मिलकर ब्रह्मोस मिसाइल को तैयार किया, जो आज के समय निर्यात की जा रही है। भारत और रूस एक बार फिर भारत में सुखोई एसयू-30एमकेआई के उत्पादन को पुनर्जीवित करने और इसे विदेशी खरीदारों को निर्यात करने से जुड़ी बातचीत कर रहे हैं। भारत की हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने पहले ही वायुसेना को 272 एसयू-30एमकेआई की आपूर्ति पूरी कर ली है। यह दशकों तक भारतीय वायुसेना की ताकत बना रहेगा। यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने रूस से 272 एसयू-30 खरीदने का कॉन्ट्रैक्ट किया था। इनमें से 222 को एचएएल ने ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी के तहत भारत में जोड़ा था।

272 लड़ाकू विमानों में से 40

सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस के हवा से लॉन्च किए जाने वाले संस्करण को ले जाने में सक्षम हैं। आईएएफ ने 2020 में तमिलनाडु के तंजावुर एयर बेस पर अपने ब्रह्मोस से लैस स्क्वाड्रन 'टाइगर शार्क' को तैनात किया। यहां से यह हिंद महासागर में दुश्मनों को जवाब देंगे। रिपोर्ट के मुताबिक वायुसेना कुछ वर्षों में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमानों को बदलने के लिए 12 सुखोई का ऑर्डर देने पर विचार कर रही है। सुखोई एसयू-30एमकेआई एक ट्विनजेट मल्टीरोल एयर सुपीरियरिटी फाइटर है। भारत के अलावा एसयू-30 के विभिन्न संस्करण चीन, अल्जीरिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, युगांडा, वेनेजुएला और वियतनाम की ओर से भी इस्तेमाल होते हैं।

रूस-भारत फिर साथ करेंगे काम?

आईएएफ का ऑर्डर के पूरा करने के बाद नासिक में एसयू-30एमकेआई की प्रोडक्शन लाइन विमानों की सर्विसिंग का काम कर रही है। निर्यात पर नजर रखते हुए उत्पादन लाइनों को फिर शुरू करने से भारत को अपने रक्षा निर्यात को बढ़ाने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि एचएएल रूस के साथ इन विमानों के निर्माण को लेकर बातचीत कर रहा है। रूस उत्पादन को समर्थन देने पर सहमत हो गया है। पीएम मोदी की हालिया रूस यात्रा के बाद इसमें तेजी देखी जा सकती है।

सुखोई का चल रहा अपग्रेड

आईएएफ सुखोई बेड़े का एक बड़ा अपग्रेड भी चल रहा है। यह विमान 2050-60 तक भारतीय वायुसेना के लिए उड़ान भरेंगे। सुखोई में सबसे बड़ा अपग्रेड तीन ब्रह्मोस मिसाइलों को जोड़ना है।

बाल टीकाकरण कवरेज की रफ्तार में आया ठहराव

डब्ल्यूएचओ-यूनिसेफ की चौंकाने वाली रिपोर्ट

वाशिंगटन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व भर में बच्चों की प्रतिरक्षण कवरेज वर्ष 2023 में अवरुद्ध हो गई है, जिसके कारण बड़ी संख्या में बच्चे जीवनरक्षा कवच के दायरे से बाहर हो गए हैं। यूएन एजेंसियों के एक नए विश्लेषण के अनुसार, कोविड-19 महामारी से पहले 2019 की तुलना में 27 लाख अतिरिक्त बच्चों का या तो टीकाकरण नहीं हो पाया या फिर उनकी वैक्सीन खुराकें पूरी नहीं हो पाई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने 14 बीमारियों के विरुद्ध टीकाकरण के रुझानों पर अपने नए विश्लेषण में यह निष्कर्ष साझा किया है, जिसके मद्देनजर यूएन एजेंसियों ने हालात में बेहतरी के लिए तत्काल टीकाकरण प्रयासों में तेज़ी लाने पर बल दिया है।

यूनीसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसैल ने कहा, "नवीनमत

रुझान दर्शाते हैं कि अनेक देशों में अब भी बहुत से बच्चे छूटते जा रहे हैं।" उन्होंने बताया कि प्रतिरक्षण खाई को पाटने के लिए एक वैश्विक प्रयास की आवश्यकता होगी, जिसमें सरकारों, साझीदारों और स्थानीय नेताओं को प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल व सामुदायिक कर्मचारियों में निवेश करना होगा। हर बच्चे को टीकाकरण के दायरे में लाने और स्वास्थ्य देखभाल को बेहतर बनाने के लिए यह जरूरी है। यूएन एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में डिप्थीरिया, टिटनेस और पर्टूसिस (डीटीपी) से बचाव के लिए वैक्सीन की तीन खुराक पाने वाले बच्चों की संख्या 10 करोड़ 80 लाख (84 प्रतिशत) पर अवरुद्ध हो गई। वैश्विक प्रतिरक्षण कवरेज प्रयासों को दर्शाने के लिए ये वैक्सीन एक अहम संकेतक हैं। जिन बच्चों को वैक्सीन की एक भी खुराक नहीं मिल पाई, उनकी संख्या 2022 में एक करोड़ 39 लाख थी, मगर 2023 में यह बढ़कर एक करोड़ 45 लाख पर पहुंच गई। जिन बच्चों का टीकाकरण नहीं हो पाया है, उनमें से 50 फीसदी से अधिक उन 31 देशों में रहते हैं, जहां हालात नाजुक हैं, हिंसक टकराव से प्रभावित हैं या फिर संवेदनशील हालात से जूझ रहे हैं। ऐसे देशों में बच्चों पर ऐसी बीमारियों की चपेट में आने का जोखिम है, जिनकी आसानी से रोकथाम की जा सकती है। मगर, सुरक्षा, पोषण व स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में व्यवधान आने से यह कठिन हो जाता है।

इसके अलावा, 65 बच्चों को डीटीपी वैक्सीन की तीसरी खुराक नहीं मिल पाई, जो कि आरंभिक बचपन में बीमारियों से बचाने के लिए आवश्यक है।

एक व्यक्ति की हत्या के बदले 500 भालुओं को मारने का आदेश

ये कैसा इंसाफ, किसने सुनाया तुगलकी फरमान

बुखारेस्ट, 16 जुलाई (एजेंसियां)। रोमानिया की संसद ने इस साल लगभग 500 भालुओं को मारने की मंजूरी दे दी है। दरअसल, इस देश में भालू के हमले में एक पैदल यात्री की मौत के बाद लोगों में आक्रोश था। लोग सरकार पर एक्शन लेने का दबाव बना रहे थे। इस कारण पूरे देश में फैले आक्रोश को शांत करने के लिए सरकार ने भालुओं को मारने का फरमान जारी किया है। सरकार का कहना है कि इससे संरक्षित प्रजातियों की अधिक जनसंख्या को नियंत्रित किया जा सके। पर्यावरण

मंत्रालय के अनुसार, रोमानिया में रूस के बाद यूरोप की सबसे बड़ी भूरे भालू की आबादी है, जिसकी संख्या 8,000 है। इस वर्ष की शुरुआत में मंत्रालय ने कहा था कि पिछले 20 वर्षों में दक्षिण-पूर्वी यूरोपीय देश में भालुओं ने 26 लोगों की जान ली है और 274 अन्य को गंभीर रूप से घायल किया है। रोमानिया के कार्पेथियन पर्वतों में एक लोकप्रिय मार्ग पर एक युवा पैदल यात्री की हत्या के बाद, प्रधानमंत्री मार्सेल सिओलाकू ने संसद के आपातकालीन सत्र में भाग लेने के लिए सांसदों को उनकी ग्रीष्मकालीन छुट्टी से वापस बुलाया। भूरे भालू की आबादी को नियंत्रित करने के लिए कानून को अपनाने के साथ-साथ, संसद ने 19 वर्षीय पैदल यात्री की याद में एक मिनट का मौन रखा।

सोमवार को पारित कानून के अनुसार 2024 में 481 भालुओं को मारने की अनुमति है, जो पिछले साल के 220 भालुओं की संख्या से दोगुना है।

भारत ने फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए जारी की 2.5 मिलियन डॉलर की पहली किश्त

दूतावास ने दिया धन्यवाद

गाजा पट्टी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। फिलिस्तीन ने आर्थिक मदद के लिए भारत को धन्यवाद दिया है। फिलिस्तीनी दूतावास ने मंगलवार को कहा कि भारत ने वर्ष 2024-2025 के लिए 5 मिलियन अमरीकी डॉलर के अपने वार्षिक योगदान के पहले हिस्से के रूप में 2.5 मिलियन डॉलर जारी किए हैं। दूतावास ने कहा कि हम फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी को 2.5 मिलियन अमरीकी डालर की पहली किश्त जारी करने के लिए भारत सरकार के लिए अपना हार्दिक धन्यवाद और प्रशंसा व्यक्त करते हैं। दूतावास ने कहा कि न्यूयॉर्क में आयोजित यूएनआरडब्ल्यूए सम्मेलन के दौरान किए मदद के वादे को भारत ने निभाया है।

फिलिस्तीनी दूतावास ने बताया है कि नई दिल्ली ने यूएनआरडब्ल्यूए को दवाएं भी देने का वादा किया है। यह भारतीय सहायता और यह प्रतिज्ञा इजरायल सरकार द्वारा इसकी भूमिका और अस्तित्व को लक्षित करने के प्रयासों के मद्देनजर यूएनआरडब्ल्यूए की भूमिका को समर्थन और मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा मानना है कि यह सहायता, चाहे वित्तीय हो या चिकित्सा, विभिन्न क्षेत्रों में फिलिस्तीनी लोगों को प्रदान की जाने वाली सहायता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे हम अगले चरण के दौरान बढ़ाने की उम्मीद करते हैं क्योंकि गाजा पर इजरायली युद्ध के कारण तत्काल आवश्यकता है, जिसने एक नई और खतरनाक वास्तविकता पैदा की है।

डोटासरा बोले- सरकार चुनी थी, सर्कस बन गया

सीएम ने किसे, कौन सी चक्की का आटा खिलाया; सरकार के चार इंजन,6 महीने में धूं-धूं कर रहे

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा में बजट बहस के दौरान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि जनता ने सरकार चुनी थी, जो सर्कस बन गया। ये कह रहे हैं कि डबल इंजन की सरकार है। मैं कह रहा हूं, डबल इंजन की नहीं यह चार इंजन की सरकार है।

डोटासरा ने कहा कि चार इंजन की ऐसे है कि मुख्यमंत्री और मंत्री का एक इंजन हो गया। एक आपका ब्यूरोक्रेसी का इंजन हो गया। एक आपका पूर्व मुख्यमंत्री का खेमा है। उसका इंजन हो गया। एक इंजन आरएसएस का हो गया। ये चार इंजन हैं। अब ये चारों इंजन अलग-अलग दिशाओं में खींच रहे हैं। इंजन धूं-धूं कर रहा है। यह इंजन बैठने वाला है। डोटासरा ने कहा- मुख्यमंत्री ने लास्ट बजट सत्र में मुझे इंगित करते हुए कहा था कि डोटासरा जी आपके बच्चे कौन सी चक्की का आटा खाते हैं कि बराबर नंबर इंटरव्यू में लाते हैं। मुख्यमंत्री जी आप ही बता दीजिए, आपने किस-किस को कौन-कौन सी चक्की का आटा खिलाया था कि पहली बार के विधायक होते हुए भी दिल्ली से आई पर्ची आपके नाम की खुली।

डोटासरा ने कहा- मुख्यमंत्री बजट पर सुझाव लेंगे, वित्त मंत्री बजट को अंतिम रूप देंगी, फिर मुख्यमंत्री प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। इसमें वित्त मंत्री नहीं बोलेंगी। फिर बजट को क्रियान्वित करने वाली टीम में वित्त मंत्री नहीं रहेंगी। बजट पारित होने से पहले मंत्री जिलों में जाकर कहेंगे कि बजट को लागू करो। कलेक्टर कह रहे थे क्या लागू करें। बजट पास तो कर लीजिए।

डोटासरा ने कहा- आप वन स्टेट, वन इलेक्शन की बात कर रहे हो। आप मुख्यमंत्री के गृह जिले भरतपुर में जिला प्रमुख का चुनाव तो करवा नहीं पाए। भादरा में क्या किया? तमाशा लगा रखा है। 13-14 जगह पंचायत-निकायों के उपचुनाव रोक दिए। मुख्यमंत्री के गृह जिले के जिला प्रमुख विधायक बन गए। आज तक वहां जिला प्रमुख के चुनाव ही नहीं करवा रहे।

डोटासरा ने कहा कि ये भरतपुर में हार रहे हैं। कलेक्टर को जिला प्रमुख का चार्ज दे रखा है। ये कहां के पंचायती राज के चुनाव कराएंगे? आप स्थानीय निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं का भट्ठा बैठाओगे। इन जनप्रतिनिधियों का भट्ठा बैठाओगे। आप भादरा में चुनाव नहीं करवा रहे। वहां हार रहे थे तो एसडीएम को छुट्टी पर भेज दिया।

रील के चक्कर में बांध में कार-बाइक उतार दी

सिलीसेढ़ बांध में 300 से ज्यादा मगरमच्छ, पुलिस ने 7 जनों को गिरफ्तार किया

अलवर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। वीडियो रील बनाने के चक्कर में अलवर के 7 युवकों ने सिलीसेढ़ बांध के पानी में बाइक और कार उतार दी। कई वीडियो बनाए। फिर ये वीडियो सोशल प्लेटफॉर्म पर वायरल कर दिए। जब वीडियो सामने आए तब पता चला कि पानी में कार व बाइक चलाने वाले कभी भी मगरमच्छ का शिकार बन सकते थे। असल में सिलीसेढ़ बांध में करीब 300 से अधिक मगरमच्छ हैं। जहां वीडियो रील बनाने के लिए कार व बाइक को उतारा उसके आसपास के क्षेत्र में ही अधिक संख्या में मगरमच्छ हैं। बांध में इस समय करीब 18 फीट 9 इंच पानी हैं। जिधर बोटिंग होती है। उस तरफ मगरमच्छ कम होते हैं। लेकिन ये बोटिंग का दूसरी तरफ का हिस्सा है। इधर मगरमच्छ बहुतायत में है। सर्दियों के दिनों में तो मगरमच्छों के झुंड के झुंड धूप में पड़े नजर आते हैं।

इस तरह करीब 2 फीट से अधिक पानी में बाइक को घुसा दिया। यहां आसपास मगरमच्छ भी खूब हैं।

गुरुमेल सिंह पुत्र सिंगारासिंह 28 साल निवासी सोरखा कला ततारपुर, योगेश पुत्र सुरेंद्र 23 साल निवासी सोरखाकला ततारपुर, कृष्ण पुत्र धर्मचंद 23 साल निवासी सोरखा कला ततारपुर, पुनीत पुत्र सुभाष 19 साल निवासी सारेखा कला ततारपुर, सचिन पुत्र अशोक 27 साल निवासी सोरखा कला ततारपुर, शिवचरण पुत्र नरेश 29 साल निवासी सोरखा कला ततारपुर व उदय पुत्र हरीश 18 साल निवासी बडौदामेव को गिरफ्तार किया है।

अजमेर दरगाह के बाहर सिर तन से जुदा के नारे

2 साल बाद आया कोर्ट का फैसला, खादिम सहित सभी छह लोग बरी

अजमेर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अजमेर दरगाह के बाहर भीड़ में 'सिर तन से जुदा' के नारे लगाने के मामले में आज फैसला आया है। खादिम सहित सभी छह आरोपियों को एडीजे-4 कोर्ट ने बरी कर दिया है। पूरे प्रकरण को लेकर 2 साल से कोर्ट में ट्रायल चल रहा था। इस दौरान 22 गवाह और 32 दस्तावेज पेश किए गए थे।

सरकारी वकील गुलाम नजमी फारूकी ने बताया- जून 2022 में दरगाह की सीढ़ियों पर 'सिर तन से जुदा' के नारे लगाए गए थे। मामले में खादिम गौहर चिश्ती, अजमेर के रहने वाले ताजिम सिद्दीकी (31) पुत्र नईम खान, फखर जमाली (42) पुत्र सैयद मोहम्मद जुबैर जमाली, रियाज हसन दल (47) पुत्र हसन, मोईन खान (48) पुत्र स्व. शमसुद्दीन खान, नासिर खान (45) आरोपी थे। जज रितु मीणा की कोर्ट ने सभी को बरी कर दिया है। इस मामले में एक आरोपी अहसानुल्लाह फरार है। उस पर कोई फैसला नहीं सुनाया गया है। दरगाह थाने में जून 2023 मुकदमा दर्ज किया गया था। कोर्ट ने दोपहर करीब पौने एक बजे अपना फैसला सुनाया।

हाईकोर्ट में करेंगे अपील

सरकारी वकील गुलाम नजमी फारूकी ने बताया- कोर्ट ने पूरा जजमेंट आउट नहीं किया है। वर्तमान में सिर्फ अनाउंस किया है, जिसमें सभी छह आरोपियों को सभी धाराओं में बरी कर दिया गया है। सरकारी वकील का कहना है कि पूरा जजमेंट देखने के बाद हाईकोर्ट में अपील करेंगे। मामले में फरार सातवें आरोपी अहसानुल्लाह पर कोई फैसला नहीं आया है। आरोपी पक्ष के वकील अजय वर्मा ने बताया- कोर्ट में आज सभी को बरी कर दिया गया है। जो भी वीडियो भड़काऊ नारे के सामने आए थे, उनका सत्यापन नहीं हो पाया। पुलिस ने मौके का नक्शा नहीं बनाया और जो पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे। वे भी अपनी मौजूदगी के दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। कोर्ट ने पर्याप्त साक्ष्य नहीं होने पर सभी आरोपियों को बरी कर दिया।

मंगलवार को फैसले को देखते हुए कोर्ट के बाहर सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए थे। बिना चेकिंग के कोर्ट के अंदर किसी को भी जाने की अनुमति नहीं थी। अजमेर उत्तर पुलिस उपाधीक्षक रूद्रप्रकाश शर्मा सहित सिविल लाइन थाना प्रभारी छोटू लाल फोर्स के साथ निगरानी कर रहे थे। मुख्य आरोपी गौहर चिश्ती को हाई सिक्योरिटी जेल से कड़ी सुरक्षा में हथियारबंद जवान दोपहर साढ़े 12 बजे कोर्ट लेकर पहुंचे थे।

हरीश चौधरी बोले-सरकार बचाने के लिए फोन टैपिंग अनैतिक काम

सचिन पायलट में नेतृत्व की क्षमता है, उनकी काबिलियत को सलाम

बाड़मेर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बायतु विधायक हरीश चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को लेकर बड़ा बयान दिया है। हरीश चौधरी ने कहा- सचिन पायलट में नेतृत्व की क्षमता है। मैं उनकी काबिलियत को सलाम करता हूं। मैं गठजोड़, ठगजोड़ के साथ कभी नहीं रहा।

फोन टैपिंग मामले को लेकर पूर्व सीएम गहलोत पर निशाना साधते हुए चौधरी ने कहा- अगर फोन टैपिंग हुआ है तो बड़ा अनैतिक है। जो व्यक्ति अनैतिक कृत्य करता है, वह नेतृत्व के लिए योग्य नहीं है। चौधरी ने एक मीडिया चैनल को सोमवार को दिए इंटरव्यू में ये बातें कही।

हरीश चौधरी ने कहा- मीडिया ने भ्रम फैलाया, पायलट ने कभी मुख्यमंत्री बनने की बात नहीं की। उन्होंने कभी प्रदेशाध्यक्ष या मंत्री बनाने की भी बात नहीं की। उनकी छवि खराब करने के लिए सुनियोजित साजिश रची गई। पायलट ने तर्क के आधार पर यह डिमांड रखी थी कि उनके एमएलए और कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

सचिन पायलट राजस्थान के निर्माण के लिए अपने आपको झोंक रहा है। पैदल चलना पड़ता है तो चल रहा है। वो सरकार के खिलाफ नहीं था, वो मुद्दे के आधार पर था। राहुल गांधी के अनुयायी हैं, नरेंद्र मोदी के अनुयायी नहीं हैं। कांग्रेस के अंदर रहने वाले लोग उनको आदर्श मानते हैं। हम लोग असली कांग्रेस हैं। यह सबको पता है कि कौन इस तरीके का गठजोड़ कर रहा है। मुद्दों के आधार पर राजनीति करो।

फोन टैपिंग पर चौधरी ने कहा कि अगर फोन टैपिंग हुआ है तो बड़ा अनैतिक है। जो व्यक्ति अनैतिक कृत्य करता है, वो व्यक्ति नेतृत्व के लिए योग्य नहीं है। कोई भी व्यक्ति हो, जिस किसी ने फोन टैप किया है। वो योग्य व्यक्ति नहीं है। अब सवाल यह उठता है कि फोन टैपिंग हुई है या नहीं। फोन टैपिंग हुई है तो किसने की है, ये दोनों सवाल हैं। इसकी पूरी जांच होनी चाहिए।

छात्रसंघ चुनाव पर हरीश चौधरी ने कहा- मैंने अपनी सरकार के समय भी चुनाव करवाने की मांग उठाई थी। गहलोत जी ने चुनाव किस कारण नहीं करवाए, मुझे यह समझ में नहीं आया। अशोक गहलोत जी कहते हैं कि मैं छात्र राजनीति से आया हूं। मेरा पहला प्यार उससे है। मैं मुख्यमंत्री रहूं और छात्रसंघ चुनाव रोकूं, फिर मैं कहूं कि मुझे छात्र राजनीति से प्यार है। यह फैसला प्यार नहीं दिखा रहा है।

मैंने उस वक्त भी कहा कि छात्रसंघ चुनाव को मत रोको। छात्रसंघ चुनाव करवाने से वोटों पर प्रभाव नहीं पड़ रहा था। पता नहीं कौन सलाहकार थे। आज उसमें से कई सलाहकार बीजेपी की सरकार में हैं। वो सत्ता के इर्द-गिर्द रहने वाले लोग हैं। किसी से सलाह से किया है, वो मुझे पता नहीं है।

हरीश चौधरी ने अपनी सरकार पर बात करते हुए कहा कि कई ऐसे फैसले हुए, जैसे- दूदू को जिला बना दिया, कोई व्यक्ति इस तर्क को स्वीकार करेगा क्या? केवल वाहवाही लेने के लिए यह किया। बायतु जिला बनाने का मुझे किसी ने कहा, अगर मैं बायतु को जिला बना दूं तो तार्किक तौर पर सही था। कई ऐसे फैसले थे। हमारा संविधान क्या कहता है कॉलेबोरेटिव चीजें होनी चाहिए। भैरोंसिंह शेखावत ने जिस दिन बिजनेस रूल्स में फेरबदल किया, उस दिन आगे बढ़ता राजस्थान ठप हो गया। किसी मुख्यमंत्री ने फेरबदल नहीं किया, मैंने वो बात कई बार उठाई।

दीया कुमारी से विधायक बोले- भाषण नहीं, जवाब दीजिए

मनरेगा श्रमिकों से पैसा वसूलने के मामले में राज्य स्तरीय कमेटी करेगी जांच

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के आदिवासियों के डीएनए वाले बयान पर आज फिर प्रश्नकाल के दौरान जमकर हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- शिक्षा मंत्री जब तक अपने बयान के लिए माफी नहीं मांगेंगे, तब तक हम इन्हें नहीं सुनेंगे। पिछले तीन साल के दौरान स्टेट हाईवे और दूसरी बड़ी सड़कों के अपग्रेडेशन और मरम्मत से जुड़े सवाल के दौरान डिप्टी सीएम दीया कुमारी और कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा के बीच जमकर वार पलटवार हुआ।

इधर, बामनवास क्षेत्र में मनरेगा श्रमिकों से पैसा वसूलने के मामले में ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने राज्य स्तरीय कमेटी से जांच करवाने की घोषणा की है।

विधानसभा में आज बजट बहस का आखिरी दिन है। शाम 4 बजे नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का बजट बहस पर भाषण होगा। जूली बजट में पेश किए गए 2030 और 2047 के विजन को लेकर सरकार को घेरेंगे।

शाम 5 बजे बजट बहस पर सरकार की तरफ से जवाब आएगा। डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री दीया कुमारी बहस का जवाब देंगी। इस दौरान कई घोषणाएं होंगी। बीजेपी विधायकों ने बजट बहस के दौरान स्थानीय स्तर पर कई मांगें रखी हैं।

यूएसए की महिला की कोटा में मौत

पेट और फेफड़ों में भरा पानी, एक साल पहले की थी कोर्ट मैरिज

कोटा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। यूएसए अमेरिका मूल की महिला की कोटा में मौत हो गई। पेट और फेफड़ों में पानी भरने पर उसका निजी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। महिला ने कोटा आकर कोर्ट मैरिज की थी। मेडिकल कॉलेज के पोस्टमॉर्टम रूम में शव रखवाया गया है। नांता पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। महिला जेकलिन(78) साल 2023 में कोटा आई थी। वह टेक्सास की रहने वाली थी। कोटा आने पर नांता निवासी भरत के साथ उसके घर में रह रही थी। दोनों ने कोर्ट मैरिज की थी।

आठ दिन से तबीयत थी खराब

भरत के अनुसार करीब सात-आठ दिन पहले उसकी तबीयत खराब हुई। महिला के पेट-फेफड़ों में पानी भरने लगा था, जिसके बाद उसे तलवंडी स्थित निजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा था। तबीयत ज्यादा खराब होने पर सोमवार को जयपुर लेकर जाने वाले थे लेकिन देर रात करीब दो बजे महिला की मौत हो गई। जिसके बाद नांता पुलिस को जानकारी दी गई। शव को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचाया गया।

भरत जोशी ने बताया कि उसकी जान-पहचान जेकलिन से फेसबुक पर हुई थी।

जम्मू-कश्मीर में राजस्थान के 2 जवान शहीद

जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने फायरिंग की, कल आएगी बॉडी

खेतड़ी (झुंझुनूं), 16 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के डेसा में आतंकवादियों की फायरिंग में सेना के कैप्टन समेत 4 जवान शहीद हो गए। एक पुलिस कर्मी की भी मौत हुई है। यानी कुल 5 लोगों की जान गई है। इनमें झुंझुनूं जिले (राजस्थान) के 2 जवान शामिल हैं। दोनों जवान राष्ट्रीय रायफल्स में तैनात थे। दोनों जवानों की पार्थिव देह कल आएगी।

डोडा शहर से करीब 55 किमी दूर हुए आतंकी मुठभेड़ में बुहाना तहसील के भैसावता कलां के सिपाही अजय सिंह नरूका (26) पुत्र कमल सिंह नरूका और डूमोली कलां की ढाणी खुबा के रहने वाले बिजेंद्र सिंह दौराता पुत्र रामजीलाल शहीद हुए हैं। मंगलवार सुबह दोनों जवानों के परिवार को

शहादत की खबर मिली।

अजय सिंह की पार्थिव देह बुधवार सुबह 9:15 बजे सिंघाना से भैसावता कलां (झुंझुनूं) पहुंचेगा। वहां से शहीद के सम्मान में यात्रा निकाली जाएगी। अजय के पिता कमल सिंह नरूका भी सेना में हवलदार रह चुके हैं। कमल सिंह 2015 में रिटायर हुए थे।

अजय की 2021 में हुई थी शादी

शहीद अजय सिंह नरूका की शादी 21 नवंबर 2021 को शालू कंवर (24) से हुई थी। मां सुलोचना देवी गृहिणी हैं। अजय सिंह का छोटा भाई करणवीर सिंह (24) बठिंडा (पंजाब) के AIMS में डॉक्टर है। पत्नी शालू कंवर ने इसी साल चिड़ावा के कॉलेज से M.Sc. क्लियर किया है। शहीद के चाचा कायम सिंह भी भारतीय सेना की 23 राजपूत रेजिमेंट में सिक्किम में तैनात हैं। उन्हें 2022 में सेना मेडल से नवाजा गया था।

पिलानी में रहता है परिवार

शहीद अजय सिंह का मूल गांव खेतड़ी के समीप भैसावता कलां है, लेकिन उनका परिवार 2017 से पिलानी के हरिनगर में रहता है। मंगलवार सवेरे करीब साढ़े सात बजे उनकी पत्नी शालू कंवर के पास सेना के अधिकारियों का फोन आया। इस दौरान वह अपने पीहर में थीं। शहादत की खबर सुनते ही वह बेसुध हो गईं। इसके बाद उन्होंने परिवार को इसकी खबर दी। शहीद के पिता कमल सिंह को जैसे ही बेटे के शहीद होने की खबर मिली, वे बिलख पड़े। लोगों ने उन्हें बड़ी मुश्किल से संभाला। पूरा परिवार पिलानी से भैसावता कलां पहुंच गया है।

परिजनों ने बताया- अजय सिंह दो महीने पहले छुट्टी पर घर आए थे। इसके बाद ड्यूटी पर वापस लौट गए थे। दो दिन बाद 18 जुलाई को छुट्टी लेकर गांव आने वाले थे। इससे पहले मुठभेड़ में शहीद हो गए।

बिजेंद्र सिंह 2018 में आर्मी में भर्ती हुए थे।

जयपुर में ट्रक और कार की टक्कर

इंदौर का परिवार खाटूश्याम के दर्शन कर वापस लौट रहा था, आठ घायल हुए

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में आज सुबह 6 बजे कार और ट्रक की टक्कर में आठ लोग घायल हो गए। घटना रेनवाल जोबनेर सड़क मार्ग पर हुई। प्राथमिक उपचार के बाद गम्भीर रूप से घायल हुए दो घायलों को डॉक्टर ने जयपुर रेफर कर दिया। जिसे 108 एम्बुलेंस की मदद से जयपुर एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

दुर्घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे एएसआई प्रहलाद बाजिया ने बताया- कार में आठ लोग सवार थे। जो मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। खाटूश्याम के दर्शन करके मध्य प्रदेश लौट रहे थे। रेनवाल जोबनेर मुख्य सड़क पर सामने से आ रहे ट्रक और कार में भिड़ंत हो गई। इसमें कार सवार आठ लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें तत्काल 108 एम्बुलेंस की सहायता से रेनवाल उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। दो घायलों की तबीयत ज्यादा खराब होने पर डॉक्टर ने उन्हें जयपुर रेफर कर दिया है।

घायलों में मध्य प्रदेश में इंदौर के रहने वाले योगेश कुमार (32), मंजू बाई (60), सुधीर कुमार (22), शगुन बाई (64), कविता बाई (38), रीता बाई (42),पायल (20), विवेक कुमार(18) वर्ष शामिल थे। पुलिस ने इनके परिजनों को दुर्घटना की जानकारी दे दी हैं। हालांकि मंजू बाई और कविता बाई के अलावा सभी को सामान्य चोट लगी हैं। जिनका रेनवाल उप जिला अस्पताल में उपचार चल रहा हैं।

प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया है कि ये सभी लोग 14 तारीख को एमपी इंदौर से खाटू श्याम दर्शन के लिए निकले थे। आज सुबह ही ये लोग जल्द एमपी के लिए रवाना हो गए थे। लेकिन रास्ते में दुर्घटना होने और कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होने पर इन्हें स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। परिजनों को दुर्घटना की जानकारी दे दी गई हैं।

सीपी जोशी बोले-एक परिवार में 12, दूसरे में 2 बच्चे

नागौर जिला भाजपा कार्यालय में बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कार्यकर्ताओं के साथ सेल्फी ली।

ऐसा कब तक चलेगा; बच्चे कम होंगे तो सरकारी योजनाएं ठीक से धरातल पर उतरेंगी

नागौर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के '3 से ज्यादा बच्चे तो सरकारी सुविधाएं नहीं मिलेंगी' बयान का समर्थन किया है। सीपी जोशी ने कहा- बढ़ती हुई जनसंख्या को रोकने के लिए कुछ तो इंतजाम करना चाहिए। एक परिवार में 12 बच्चे और एक परिवार में 2 बच्चे, ऐसा कब तक चलेगा? हर परिवार को सुविधाएं मिलनी चाहिए। बच्चे कम होंगे तो परिवार और देश के लिए बनाई गई योजनाएं ठीक से चलेंगी। 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव को लेकर सीपी जोशी कार्यकर्ताओं का मन टटोलने में जुटे हैं। सीपी जोशी सोमवार शाम 5:30 बजे नागौर के खींवसर में उपचुनाव की तैयारियों का निरीक्षण करने पहुंचे थे। जोशी ने नागौर जिला भाजपा कार्यालय में जिला संगठन पदाधिकारियों की बैठक ली। इसके बाद उपचुनाव के मद्देनजर खींवसर के पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं के साथ बंद कमरे में अलग से बैठक की।

एक क्लिक से अकाउंट खाली, 3 लाख निकाले

महिला ने कॉल कर भेजा लिंक, मोबाइल पर मैसेज आने पर चला पता

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में साइबर क्रिमिनल के एक क्लिक करवाकर 3 लाख रुपए अकाउंट से निकालकर ठगने का मामला सामने आया है। महिला ने कॉल कर धोखे से क्रेडिट कार्ड बंद करने के लिए लिंक भेजा था। मोबाइल पर मैसेज आने पर अकाउंट खाली होने पर साइबर फ्रॉड का पता चला। मालवीय नगर थाने में पीड़ित ने साइबर फ्रॉड का मामला दर्ज करवाया है।

एएसआई जगराम ने बताया- मालवीय नगर के सेक्टर-1 निवासी अमित मल्होत्रा (41) के साथ साइबर फ्रॉड हुआ है। दोपहर करीब 3 बजे उनके मोबाइल पर एक लड़की का कॉल आया। कॉल करने वाली लड़की ने खुद का नाम स्नेहा शर्मा बताकर इंडसइंड बैंक से बोलना बताया। क्रेडिट कार्ड पर सालाना 2499 रुपए की प्रोटेक्शन मनी लगने की जानकारी दी। लाइफ टाइम फ्री बताकर दिए कार्ड को पीड़ित ने बंद करने के लिए कहा।

बैंककर्मी बनकर बात कर रही स्नेहा ने क्रेडिट कार्ड बंद करने के लिए मोबाइल पर एक लिंक शेयर किया। लिंक पर क्लिक करने पर कार्ड डी-एक्टिवेट (बंद) हो जाना बताया। मोबाइल पर आए लिंक पर क्लिक करते ही 2.95 लाख रुपए अकाउंट से निकल गए। मोबाइल पर रुपए निकलने का मैसेज आने पर साइबर फ्रॉड होने का पता चला। मालवीय नगर थाने में पीड़ित ने मोबाइल नंबर के आधार पर शिकायत दर्ज करवाई।

किलो से पाव के भाव पर आई सब्जियां

टमाटर के नखरे देख आलू-प्याज भी गुस्से में, अदरक-लहसुन का भाव देखकर नींबू निचोड़ रहा जेब

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सब्जियों की महंगाई ने रसोई का जायका बिगाड़ दिया है। आलू, टमाटर, हरी सब्जियों के भाव बदलते मौसम में आसमान छू रहा है। बारिश के मौसम में बढ़ते दामों ने आम आदमी का पसीने छुड़ा दिया है। खुदरा बाजार ही नहीं थोक बाजार में भी भाव में उछाल है। कुछ दिन पहले तक जो 40-50 रुपये प्रतिकिलो बिकने वाला टमाटर 100 रुपया के पार चला गया है। इस हिसाब से एक टमाटर 10 रुपया के करीब पड़ रहा है। टमाटर के लाल होने के साथ आलू के भाव भी बढ़े हुए हैं। खुदरा बाजार में 40-50 रुपया प्रतिकिलो बिक रहा है। बारिश की वजह से आवक कम होने से फिलहाल भाव घटता हुआ भी दिखाई नहीं पड़ रहा है।

दूसरी सब्जियों के दाम में भी अचानक से वृद्धि हो गई है। प्याज टमाटर के बिना सब्जी का जायका नहीं आता है। लिहाजा महंगाई ने सभी सब्जियों का जायका बिगाड़ कर रख दिया है। 30-40 रुपये प्रतिकिलो बिकने वाली भिंडी 100-120 रुपये प्रतिकिलो बिक रही है। रेहड़ी-पटरी पर बिकने वाली सभी सब्जियों के भाव पिछले 10 दिनों की तुलना में तीन गुने हो गए हैं। हालांकि थोक मंडी में भाव में उतनी वृद्धि नहीं हुई है, जितनी खुदरा बाजार की दुकानों में हुई है। बींस और शिमला मिर्च का तीखापन भी बढ़ गया है। इनके भाव भी 100 रुपये प्रतिकिलो के पार चले गए है।

ग्रामीण क्षेत्र से सब्जियों की आवक कम हो गई है। खेतों में पानी भरने की वजह से सब्जियों का उत्पादन भी कम हो जाता है। इससे फसलें खराब भी होती हैं। हरी सब्जियों के बारिश के कारण खराब होने की वजह से हरी सब्जियों की महंगाई पर भी असर डाला है। हालांकि खुदरा बाजार में भाव ज्यादा है। थोक भाव में आलू 22-32 रुपया प्रतिकिलो है। इसी तरह प्याज 27-35 रुपया और लहसुन 120-150 रुपया बिक रहा है।

रेहड़ी-पटरी पर सब्जी बेचने वाले दुकानदार का कहना है कि बारिश की वजह से आलू-प्याज और टमाटर की जो बोरी आती है उसमें एक चौथाई सड़े हुए निकलते हैं। बिक्री करने के लिए उन्हें पहले छांटना पड़ता है। क्योंकि ग्राहक एक एक टमाटर को देखकर ही तौल कराते हैं। ऐसे में भाव बढ़ा कर बेचने की मजबूरी है। हरी सब्जियां गर्मी, उमस और बारिश की वजह से जल्दी खराब होती है। रेफ्रिजेटर तो है नहीं लिहाजा थोक मंडी से कम सब्जियां खरीदते हैं, इस वजह से थोक मंडी में भी ऊंचे कीमत चुकाने की मजबूरी है।

किलो की जगह पाव के भाव बता रहे हैं बिक्रेता :

सब्जियों की महंगाई में लगी आग से हर वर्ग परेशान है। बिक्रेता सब्जियों के भाव किलो की जगह पाव में बता रहे हैं। क्योंकि किलो का भाव बताते ही ग्राहक मोल-भाव करने लगते हैं। यही वजह है कि किलो की जगह पाव में भाव बताया जा रहा है। 500 रुपये में भी सब्जियों से झोला भरना महंगाई की वजह से मुश्किल हो रहा है। उधर, दलहन के भाव बढ़ने से भी हरी सब्जियों की कीमत पर प्रभाव पड़ रहा है। पहले गर्मी और अब बारिश की वजह से आगामी दिनों में भी यही भाव रहने के आसार हैं।

नानी बाई का मायरा कथा आज से

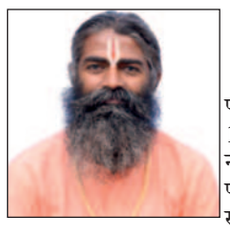

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता मंदिर प्रांगण में 17 जुलाई से 20 जुलाई तक चार दिवसीय नानी बाई का मायरा एवं 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव गुरु पूर्णिमा व मायरा आयोजन समिति हैदराबाद, देवाशीष सेवा संस्थान भगोड़ा के सानिध्य में भव्यरूप से कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में सजनराज, सुरेश सोलंकी ने संयुक्त रूप से बताया कि आषाढ मास के पावन अवसर पर गुरु भक्तों के सानिध्य में नानी बाई का मायरा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 17 जुलाई सायं 5.15 बजे परम गौभक्त एवं योग ऋषि पूज्य बालयोगी संतोषरामजी महाराज का पुष्प-वर्षा व गाजे-बाजे के साथ विशेष सम्मान किया जाएगा।

प्रथम दिवस कथा वाचक की अमृतवाणी में भक्त नरसी जन्मस्थान जूनागड़ का जीवन परिचय एवं भगवान शिव की कृपा से कृष्ण भक्ति प्राप्त करने पर विशेष प्रवचन होगा। प्रतिदिन कथा पूर्णाहुति के पश्चात पधारे भक्तों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन है आषाढ मास के पावन अवसर पर नानी बाई के मायरे की कथा का श्रवण करने मात्र से ही परिवार की सुख-समृद्धि बनी रहती है, सपरिवार पधारकर पुण्य के भागीदार बने।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में भुराराम, चोलाराम, खरताराम, सीए जसाराम, रामलाल, जेठाराम, दुर्गाराम, सजाराम, मांगीलाल, पोकरराम, गणेशलाल, रुपाराम, प्रकाश, तेजाराम, वकताराम, वेनाराम, ओमप्रकाश, प्रकाश, विनोद, ताराराम, मोटाराम, पेमाराम, प्रकाश व बहुत से कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहेगा।

जीतन सहनी की हत्या निंदनीय

बिहार सहयोग समिति तेलंगाना ने शोक जताया

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना ने कहा कि बिहार में जीतन सहनी हत्या कर दी गई ये बहुत निंदनीय है। ऐसी घटनाएं कुछ दिनों से बहुत बढ़ गई। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना ने ऐसे घटनाएं रोकने कि मांग करती है। हम हैदराबाद में रहते हैं मगर हम चाहते हैं कि हमारा बिहार आगे बढ़े और वहा लोगों को नौकरी मिले ताकि बिहार के लोग बाहर ना जाए। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने सभी बिहार के नेताओं से मांग किया कि सभी मिलकर प्रयास करें ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो।

श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट की बैठक आज

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट, इब्राहिमपट्टनम् के ट्रस्टियों, दानदाताओं एवं श्रीराम कथा के सहयोगियों की एक विशेष बैठक बुधवार 17 जुलाई को बशीरबाग में शाम 7 : 30 बजे आयोजित की गई है।

चेयरमैन तुलसीराम बंसल एवं मैनेजिंग ट्रस्टी महावीर प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि, बैठक में श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट द्वारा 22 से 30 अप्रैल 2024 तक आयोजित श्रीराम कथा का लेखा-जोखा सभी सदस्यों के सम्मुख प्रस्तुत किया जायेगा । गौशाला ट्रस्ट के नए ट्रस्टियों का परिचय उपस्थित सभी सदस्यों से कराया जायेगा और नए ट्रस्टियों, दानदाताओं एवं सहयोगियों को सम्मानित किया जायेगा । गौशाला ट्रस्ट ने सभी ट्रस्टियों, दानदाताओं एवं श्रीराम कथा में सहयोगी सभी से इस बैठक में भाग लेने का आग्रह किया है।

25 आईटीआई उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों में होंगे अपग्रेड

पहले चरण में 65 की थी चर्चा

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार, जिसने शुरू में 65 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों (एटीसी) में परिवर्तित करने की योजना बनाई थी, ने कथित तौर पर बुनियादी ढांचे और रसद चुनौतियों के कारण पहले चरण में 25 आईटीआई को अपग्रेड करने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार, शेष आईटीआई को अगले चरणों में रूपांतरित किया जाएगा। पहले चरण में, हैदराबाद में सबसे अधिक एटीसी होंगे, जहाँ 5 केंद्र चालू होंगे।

सूत्रों ने बताया कि रोजगार विभाग ने अनुमान लगाया है कि नव स्थापित ए.टी.सी. में आधुनिक पाठ्यक्रम पढ़ाने के लिए प्रत्येक केंद्र को 12 से 15 अतिरिक्त सहायक तकनीकी अधिकारियों की आवश्यकता होगी। सूत्रों ने बताया कि राज्य के सरकारी आईटीआई में प्रशिक्षकों के लगभग आधे पद रिक्त होने के कारण सरकार नए पाठ्यक्रम पढ़ाने के लिए पड़ोस सेवाओं के तहत कर्मचारियों की भर्ती करने की उम्मीद कर रही है।

राज्य सरकार इन ए.टी.सी. के माध्यम से हर साल लगभग 1 लाख व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। सरकार ने राज्य में 65 आई.टी.आई. को ए.टी.सी. के रूप में अपग्रेड करने के लिए टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (टी.टी.एल.) के साथ 10 साल का समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने 18 जून को मल्लेपल्ली आई.टी.आई. में ए.टी.सी. की औपचारिक आधारशिला रखी।

इस पहल का अनुमानित बजट 2,700 करोड़ रुपये है, जिसमें विभिन्न पाठ्यक्रम, बुनियादी ढांचे में सुधार और मानव संसाधन विकास शामिल हैं। इन योजनाओं को मूर्तरूप देने के लिए टाटा टेक्नोलॉजीज ने सरकार के साथ साझेदारी की है। राज्य सरकार 307.96 करोड़ रुपये का योगदान देगी और टीटीएल का हिस्सा 2016.25 करोड़ रुपये होगा।

सरकार इस पहल के तहत इन एटीसी में इंडस्ट्री 4.0 पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रही है, जिसमें दीर्घकालिक और अल्पकालिक कार्यक्रम तथा औद्योगिक कौशल की मांग को पूरा करने के लिए ब्रिज कोर्स शामिल हैं। टीटीएल ने एटीसी में युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए पहले ही 130 विशेषज्ञों को नियुक्त कर लिया है। कुल मिलाकर, हर साल 5,860 लोगों को छह तरह के दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जाएगा। 31,200 लोगों को अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन एटीसी में अगले 10 वर्षों में चार लाख लोगों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

साध्वी शिवमालाजी का चातुर्मासिक प्रवेश

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। "शासनश्री" साध्वी शिवमाला आदि ठाणा-4 का प्रातः 9.15 बजे मंगल चातुर्मासिक प्रवेश जुलुस के साथ तेरापंथ भवन डी वी कॉलोनी में हुआ। जुलूस वेंकटराव नगर कॉलोनी से प्रारम्भ होकर तेरापंथ भवन आकर सम्पन्न हुआ।

तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्षा कविता आच्छा एवं परिषद के विविध इकाईयों के अध्यक्ष अभिनन्दन नाहटा, पंकज संचेती, प्रकाश एच भंडारी, सुशील संचेती, पूर्व अध्यक्ष बाबुलाल बैद, महेन्द्र भंडारी, मनोज दुगड़, संगीता गोलछा, विनोद संचेती, राजकुमार सुराणा, लक्ष्मीपत डुगरवाल, कन्या मंडल, किशोर मंडल, ने साध्वीश्री के स्वागत में अपने विचार उद्गार व्यक्त किये।

साध्वी अमितरेखा चातुर्मास में करणीय कार्यों के बारे में बताया और साध्वी शिवमाला ने सभी को आगामी चातुर्मास के लिए आध्यात्मिक लाभ लेने को कहा।लिमड़ी अजरामर सम्प्रदाय से साध्वी भविता कुमारी, साध्वी नमन कुमारी, साध्वी विहांसी कुमारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा आयोजित 175 वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर बापू नगर अम्बरपेट स्थित प्रगती विद्या निकेतन हाई स्कूल में सम्पन्न हुआ।

इस शिविर के प्रयोजक मंगतराय रामकुमार के राधे श्याम गुप्ता ने दिपक प्रज्वलित किया। मंच के प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, विष्णु गुप्ता, डॉ आषीश तोदी, जयप्रकाश अग्रवाल, उमाशंकर गोयनका, अभिमन्यु अग्रवाल, पुष्पक अग्रवाल, अजय गुप्ता, सुरेश गोयल, महावीर डाकोनिया, मनोज सिंह और हाई स्कूल के चैयरमेन एस मधुसूदन ने भाग लिया। मुख्य अतिथि विधायक के. वेंकटेश, कारपोरेटर इ विजय कुमार थे।

शिविर में रक्तचाप, शुगर जांच, सामान्य रोग, स्त्री रोग, बाल रोग, हड्डी संबंधित रोग, ईसीजी और २डीइको द्वारा परिक्षण किया गया। साथ ही नेत्र जांच के दौरान चिन्हित 8 मोतियाबिंद रोगीयों की निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाएगा। दंत निरिक्षण, नाक कान गला जांच, फिजियोथेरेपी, त्वचा संबंधित रोगों की जांच, प्राकृतिक चिकित्सा एकुप्रेशर चिकित्सा आदि सेवाएं प्रदान की गई। निशुल्क दवाइयां का वितरण किया गया। शिविर का करीब 325 स्थानीय वासीयों ने लाभ लिया।

व्यावसायिक कार्यक्रमों की फीस में किया जाएगा संशोधन

25 जुलाई तक टीएएफआरसी जारी करेगी अधिसूचना

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से शुरू होने वाले अगले तीन साल की ब्लॉक अवधि के लिए इंजीनियरिंग सहित पेशेवर कार्यक्रमों की फीस में संशोधन किया जाएगा। तेलंगाना एडमिशन और फीस विनियामक समिति (टीएएफआरसी) जो पेशेवर कार्यक्रम प्रदान करने वाले निजी कॉलेजों के लिए फीस तय करती है, 25 जुलाई तक एक अधिसूचना जारी करेगी, जिसमें फीस संशोधन के लिए प्रबंधन से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। इंजीनियरिंग के अलावा, निजी कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले फार्मेसी, एमबीए, एमसीए और बायोटेक्नोलॉजी कार्यक्रमों के लिए फीस में संशोधन किया जाएगा।

शुल्क संशोधन के लिए एक विस्तृत कार्यक्रम तैयार करने के लिए, टीएएफआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए गोपाल रेड्डी ने तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. आर लिम्बाद्री, उपाध्यक्ष प्रो. वी वेंकट रमना, सचिव प्रो. श्रीराम वेंकटेश, ओयू और जेएनटीयू-हैदराबाद के रजिस्ट्रार प्रो. पी लक्ष्मीनारायण और प्रो. के वेंकटेश्वर राव के साथ सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई।

सूत्रों के अनुसार, 25 जुलाई या उससे पहले फीस संशोधन अधिसूचना जारी कर दी जाएगी और कॉलेजों को अक्टूबर के अंत तक अपने आवेदन जमा करने का अवसर दिया जाएगा। इसके बाद, नवंबर और दिसंबर के महीनों में कॉलेज प्रबंधन को व्यक्तिगत रूप से सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा। संबंधित प्रबंधन से बातचीत के बाद समिति द्वारा कॉलेज को तीन साल की ब्लॉक अवधि- 2025-26, 2026-27 और 2027-28 के लिए तय किया जाएगा।

व्यावसायिक कार्यक्रम प्रदान करने वाले निजी कॉलेजों की फीस तीन साल में एक बार संशोधित की जाती है, जिसमें अंतिम संशोधन 2022 में किया गया था। चूंकि अंतिम संशोधन शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में समाप्त होगा, इसलिए समिति ने यह अभ्यास शुरू किया है। व्यावसायिक कॉलेजों की फीस उनकी आय और व्यय प्राप्तियों, लेखापरीक्षित बैलेंस शीट, विकासात्मक आवश्यकताओं, वेतन और बुनियादी ढांचे पर किए गए व्यय तथा अन्य विवरणों के आधार पर संशोधित की जाती है।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला छात्रा का शव

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में बीसी कल्याण आवासीय विद्यालय की कक्षा 5 की छात्रा मंगलवार 16 जुलाई को संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। मंगलवार की सुबह 10 वर्षीय सरस्वती को तेज बुखार के कारण अस्पताल ले जाया गया और कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। हॉस्टल स्टाफ ने सुबह 7 बजे उसके माता-पिता को उसकी बीमारी की सूचना दी, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। उसकी मौत का कारण अज्ञात है।

कामारेड्डी जिले के देवनपल्ली के जिला परिषद हाई स्कूल में भारत सेवाश्रम संघ की हैदराबाद शाखा द्वारा स्वामी वेंकटेश्वरानंद महाराज और स्वयंसेवकों के नेतृत्व में 25 सरकारी स्कूलों के छात्रों को कुल 10,000 बड़ी और छोटी नोटबुक वितरित की जा रही हैं। देवनपल्ली में उद्घाटन समारोह में डीईओ एस राजू, एमईओ येल्लैया, एचएम गंगा कुशन, पार्षद के गोदावरी स्वामी, पुलिस अधिकारी कृष्ण राव के अलावा शिक्षक और कर्मचारी मौजूद थे।

महिला से 6.4 लाख ठगने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक ठग ने खुद को एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर बताकर एक महिला से 6.4 लाख रुपये ठग लिए। उसे मंगलवार को साइबराबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का नाम चिन्नी रेड्डी श्रीनाथ रेड्डी (23) है। वह आंध्र प्रदेश के कुरनूल का रहने वाला है। उसने अलग-अलग मैट्रिमोनियल और ऑनलाइन डेटिंग पोर्टल पर अकाउंट बनाया और महिलाओं से संपर्क किया।

साइबर क्राइम के एसीपी बी रविंदर रेड्डी ने बताया, श्रीनाथ ने खुद को एक मशहूर सॉफ्टवेयर कंपनी में ऐप डेवलपर के तौर पर पेश किया और एक महिला से दोस्ती की। इस दौरान उसने पीड़िता का भरोसा जीत लिया और निजी कारणों का हवाला देकर उससे पैसे मंगवाए। अधिकारी ने बताया कि श्रीनाथ ने बाद में पैसे का इस्तेमाल ऑनलाइन सट्टेबाजी में किया और हार गया। इसके बाद उसने पीड़िता से बचने के लिए उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और उसे नंदयाल से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने दो लोगों को पकड़ा, 12 किलो गांजा जब्त किया

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर की टास्क फोर्स (दक्षिण पश्चिम) टीम ने मंगलवार को गांजा रखने वाले दो लोगों को पकड़ा। पुलिस ने उनके पास से 12 किलो प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया। पकड़े गए लोगों में अब्दुल खलील (34) और मोहम्मद अरशद (27) शामिल हैं, जो फलकनुमा के रहने वाले हैं। दोनों ने मिस्कीन खान उर्फ वहीद से गांजा खरीदा था और उसे बेचने जा रहे थे, तभी सूचना मिलने पर टास्क फोर्स की टीम ने उन्हें पकड़ लिया। उनके खिलाफ आसिफनगर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। खलील और अरशद पहले भी अलग-अलग आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं।

बंद घर का ताला तोड़कर चोरी

मदनूर, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। घर को ताला लगाकर अपनी पत्नी के साथ हैदराबाद जाना स्वामी सोनार को महंगा पड गया। क्योंकि सोमवार रात को चोरों ने ताला तोडकर चोरी कर ली। स्वामी को लौटने के बाद जब इस घटना का पता चला तो उन्हों ने मदनूर पॉलिस्टेशन में शिकायत दर्ज की। स्थानिक पोलिस आगे की जांच कर रही है। इसी बीच संयुक्त मदनूर मंडल में चार महीने से मंडल केंद्र के साथ साथ विविध गांव के मकान, किराना दुकान, सिमेंट दुकान, शराब की दुकानों के साथ विविध मंदिरों में चोरों ने उत्पात मचाया हुआ है।

अग्रवाल समाज बालानगर शाखा की बैठक संपन्न हुई। शाखा मानद मंत्री सुनील मित्तल द्वारा श्रावन की सैर एवं गत वर्ष के कार्यक्रमों और शाखा की गति विधियों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक मे शाखा संस्थापक प्रमोद मोदी, अध्यक्ष सुरेश गर्ग, सुनील मित्तल, कोशाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, ललित अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, प्रमोद मोदी एवं अन्य सदस्य उपस्तिथ थे।

नारी शक्ति योजना का लाभ उठा कर आत्मनिर्भर बनें : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अपर समाहर्ता दीपक तिवारी ने कहा कि महिलाओं को महिला शक्ति योजना से मिले अवसरों का लाभ उठाकर आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करनी चाहिए। मंगलवार को आसिफाबाद मंडल अप्पापल्ली, आरआर कॉलोनी में महिला शक्ति योजना में उद्यम अनुभाग के अंतर्गत चिन्हित इकाई लाभार्थियों के साथ समीक्षा की गई।

अपर समाहर्ता ने कहा कि सरकार को उपलब्ध जगह का लाभ उठाकर आर्थिक विकास करना चाहिए। इसमें डेयरी, बैकयार्ड चिकन्स, मदर ईट, सोलर कुसुम यूनिट, न्यू एंटरप्राइजेज, किरणम, गिरनी के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और स्त्री निधि, बैंक के माध्यम से यूनिट के प्रबंधन के बारे में जागरूकता पैदा की गई। उन्होंने कहा कि डेयरी,मत्स्य पालन, सौर कुसुम, मीसेवा के संबंध में 2-3 दिनों में सभी लाभार्थियों के लिए एक जागरूकता सम्मेलन और एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पात्र लाभार्थी ऋण सुविधा का लाभ उठाकर आर्थिक रूप से विकास करें और विकास के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ें। डेयरी (गाय, भैंस) इकाई के लिए चयनित लाभार्थियों से बातचीत के बाद उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्यों से मवेशी लाए जाएं, प्रतिदिन 8 से 10 लीटर दूध का उत्पादन होगा और उत्पादित दूध को विजया डेयरी को भेजा जाएगा। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला ग्राम्य विकास अधिकारी रामकृष्ण, ए. पी.एम. श्रीनिवास, स्त्री निधि आर. एम. श्रीनिवास, प्रबंधक होक्टू, सी.सी. सुरेंद्र, हनुमान, शंकर, वी. ओ.ए. कविता, वी.ओ. ओ.बी. पार्वती एवं अन्य ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

जांच समिति से ...

मनुगुडु में भद्राद्री थर्मल पावर प्लांट और दामरचेरला में यदाद्री थर्मल प्लांट के निर्माण पर पिछली सरकार के फैसलों की सत्यता और औचित्य पर न्यायिक जांच करने के लिए जांच आयोग का गठन किया गया था। के. चंद्रशेखर राव ने मांग की कि न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एल नरसिम्हा रेड्डी को आयोग के प्रमुख के रूप में जारी रखना अवैध घोषित किया जाए।

पूर्व लोकसभा सांसदों ...

सूत्रों ने बताया कि अभी तक नए मंत्रियों को कोई बंगला आवंटित नहीं किया गया है।

यह नियम है कि पूर्व सांसदों को लोकसभा भंग होने के एक महीने के अंदर अपना सरकारी आवास खाली कर देना चाहिए। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि पूर्व सांसद समय पर घर खाली नहीं करते। इससे नए सांसदों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। नए सांसदों को दिल्ली में रहने के लिए जगह नहीं मिल पाती है और उन्हें होटल या गेस्ट हाउस में रुकना पड़ता है।

सरकार चाहती है कि नए सांसदों को जल्द से जल्द सरकारी आवास मिल जाए ताकि वे अपना काम सुचारू रूप से कर सकें।

जम्मू-कश्मीर में ...

कैप्टन बृजेश थापा (27) का जन्म 15 जनवरी को आर्मी डे के दिन हुआ था। उनकी मां नीलिमा ने बताया कि आखिरी बार रविवार (14 जुलाई) को बेटे से बात हुई थी। उन्होंने कहा कि मुझे अपने बेटे के बलिदान पर गर्व है। अगर हम अपने बेटे को सीमा पर नहीं भेजेंगे, तो देश के लिए कौन लड़ेगा।

कैप्टन बृजेश के पिता कर्नल भुवनेश थापा (सेवानिवृत्त) बोले- जब मुझे बताया गया कि वह अब नहीं रहा तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ। वह मेरी सेना की ड्रेस पहनकर घूमता था। इंजीनियरिंग करने के बाद भी वह सेना में जाना चाहता था। उसने एक बार में ही परीक्षा पास कर ली और सेना में भर्ती हो गया।

मुझे गर्व है कि मेरे बेटे ने देश और देश की सुरक्षा के लिए कुछ किया है। दुख की बात यह है कि हम उससे दोबारा नहीं मिल पाएंगे, अन्यथा मुझे खुशी है कि उसने अपने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। रात 11 बजे हमें उसकी खबर मिली। मैं भी फौजी रहा हूं, जंगल में आतंकियों को देख पाना बड़ा मुश्किल होता है। जंगल बहुत घने होते हैं।

तीन दिन बाद घर आने वाले थे, अब पार्थिव शरीर पहुंचेगा : सिपाही अजय सिंह नरूका (26) की पार्थिव देह बुधवार सुबह 9:15 बजे सिंघाना से भैंसावता कलां (झुंझुनूं) पहुंचेगा। वहां से शहीद के सम्मान में यात्रा निकाली जाएगी। अजय के पिता कमल सिंह नरूका भी सेना में हवलदार रह चुके हैं। कमल सिंह 2015 में रिटायर हुए थे। शहीद अजय सिंह नरूका की शादी 21 नवंबर 2021 को शालू कंवर (24) से हुई थी। मां सुलोचना देवी गृहिणी हैं।

अजय सिंह का छोटा भाई करणवीर सिंह (24) बठिंडा (पंजाब) के एम्स में डॉक्टर है। पत्नी शालू कंवर ने इसी साल चिड़ावा के कॉलेज से एमएससी. क्लियर किया है। शहीद के चाचा कायम सिंह भी भारतीय सेना की 23 राजपूत रेजिमेंट में सिक्किम में तैनात हैं। उन्हें 2022 में सेना मेडल से नवाजा गया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पेरिस ओलंपिक 2024 : पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिए 16 खेलों को मिली राशि

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में अब 10 दिन का समय शेष है। भारत इस बार पेरिस ओलंपिक में 100 से अधिक खिलाड़ियों का दल भेज रहा है और सभी को इनसे बेहतर प्रदर्शन करने की आशा है। इस बीच सरकार ने ओलंपिक की तैयारियों के लिए राशि आवंटित कर दी है। तीन साल पहले टोक्यो खेलों में भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक के बाद भारत में इस ओलंपिक चक्र में ट्रैक एवं फील्ड के खिलाड़ियों को सरकारी कोष में सबसे बड़ा हिस्सा मिला है।

पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के आधिकारिक आंकड़ों में बताया गया कि सरकार ने एथलेटिक्स पर 96 करोड़ आठ लाख रुपये खर्च किए। इस बार 16 खेलों के लिए भारत की तैयारियों पर लगभग 470 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। पिछले ओलंपिक चक्र में टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत एथलेटिक्स पर पांच करोड़ 38 लाख रुपये खर्च किए गए थे।

26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस खेलों में चोपड़ा की अगुआई में 28 सदस्यीय एथलेटिक्स दल भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। भारतीय दल में कुल 118 खिलाड़ी शामिल हैं। पिछली बार सात पदक को देखते हुए इस बार उम्मीदें अधिक है और इसलिए इस बाद खर्च अधिक किया गया है। देश के बैडमिंटन खिलाड़ियों को सर्वाधिक अनुदान हासिल करने के मामले में दूसरे स्थान पर रहे। बैडमिंटन खिलाड़ियों को 72.02 करोड़ रुपये मिले जबकि इसके बाद मुक्केबाजी (60.93 करोड़) और निशानेबाजी (60.42 करोड़) का नंबर आता है। भारत ने पेरिस खेलों के लिए बैडमिंटन में पांच कोटा हासिल किए हैं। इसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू (महिला एकल), एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन (पुरुष एकल), सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी (पुरुष युगल) और अश्विनी पोनप्पा तथा तनीषा क्रास्टो (महिला युगल) शामिल हैं।

टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय पुरुष टीम को पिछले तीन साल में 41.29 करोड़ रुपये की राशि मिली जबकि तीरंदाजी पर सरकार ने 39.18 करोड़ रुपये खर्च किए। पहलवानों को कोष से 37.80 करोड़ रुपये मिले जबकि भारोत्तोलन के खाते में 26.98 करोड़ रुपये आए। घुड़सवारी को 95 लाख रुपये के साथ सबसे कम वित्तीय सहायता मिली। टेनिस को एक करोड़ 67 लाख रुपये जबकि गोल्फ को एक करोड़ 74 लाख रुपये की मदद मिली। नौकायन (3.89 करोड़), तैराकी (3.9 करोड़), पाल नौकायन (3.78 करोड़) और जूडो (6.3 करोड़) पर भी 10 करोड़ रुपये से कम खर्च हुए।

स्टार खिलाड़ी अचंता शरत कमल की अगुआई वाली भारतीय टेबल टेनिस टीम को सरकार ने 12 करोड़ 92 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी। ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में सिंधू के साथ शरत कमल भारत के ध्वजवाहक होंगे।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार विदेश में अनुभव और टूर्नामेंट के मामले में देश के बैडमिंटन खिलाड़ियों को सबसे अधिक समर्थन मिला। उन्होंने 81 दौरे किए। निशानेबाजों को 45 विदेशी दौरे मिले जबकि इसके बाद टेनिस (40), एथलेटिक्स (31), टेबल टेनिस (28), कुश्ती (27), तीरंदाजी (24), मुक्केबाजी (23), नौकायन (22), हॉकी (18), जूडो (15), गोल्फ (12) और तैराकी (11) का नंबर आता है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान निशानेबाजी में 41 राष्ट्रीय शिविर आयोजित किए गए जो सभी 16 खेलों में सबसे अधिक है। तीरंदाजी 41 शिविर के साथ दूसरे स्थान पर है। इसके बाद एथलेटिक्स (36), हॉकी (33), मुक्केबाजी (17), नौकायन (16), कुश्ती (15) और बैडमिंटन (13) का नंबर आता है। घुड़सवारी के लिए कोई राष्ट्रीय शिविर नहीं था क्योंकि अधिकांश सवार विदेश में प्रशिक्षण लेते हैं। गोल्फ के लिए केवल एक शिविर आयोजित किया गया था। व्यक्तिगत और विशिष्ट खेल संबंधित खर्चे में भारतीय हॉकी टीम को सर्वाधिक 41.81 करोड़ रुपये मिले जिसमें 76 राष्ट्रीय शिविर और 19 विदेशी दौरों का खर्च शामिल है।

चोपड़ा इस सूची में 5.72 करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है। यह खर्चा उनके मौजूदा विदेशी कोच डॉ. क्लॉस बार्टोनिट्ज की सेवाएं लेने, यूरोप में ओलंपिक पूर्ण शिविर तथा यूरोप, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका में प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने पर किया गया।

हार्दिक की टी20 कप्तानी पर लग सकता है विराम

सूर्या पर बीसीसीआई का फोकस

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया को जुलाई के अंत में श्रीलंका का दौरा करना है. जिसके लिए बीसीसीआई रोडमैप तैयार करने में जुटा हुआ है. रोहित के संन्यास के बाद कप्तानी की गुत्थी उलझी नजर आ रही है. हार्दिक पांड्या इसके लिए मुख्य दावेदार थे, लेकिन अब उनकी कप्तानी पर भी गौतम गंभीर ग्रहण लगा सकते हैं. कप्तानी के लिए रेस में भारतीय टीम के कुछ सीनियर प्लेयर्स हैं, जिसमें हार्दिक की सीधी टक्कर सूर्यकुमार यादव से है.

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में रोहित शर्मा ने टीम की कमान संभाली और खिताबी जीत दर्ज की. 2022 टी20 वर्ल्ड कप के बाद से हार्दिक पांड्या टी20 टीम के कप्तान थे, लेकिन रोहित की वापसी 2024 में हुई. अब कयास लगाए जा रहे थे कि हिटमैन के संन्यास के बाद एक बार फिर टी20 टीम की कमान हार्दिक के हाथों में होगी. लेकिन उनकी कप्तानी पर ग्रहण लग सकता है जिसकी बड़ी वजह सामने आ रही है. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई सदस्यों के बीच हार्दिक की कप्तानी पर अलग-अलग राय रखी जा रहीं हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने की वॉर्नर की पेशकश खारिज

ऑस्ट्रेलिया बोर्ड ने कहा-उन्हें पूरी तरह रिटायर्ड मान लिया गया है

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। वॉर्नर ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा था कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बावजूद अगर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया चाहेगा तो वह पाकिस्तान में वनडे चैंपियंस ट्रॉफी में खेल सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के नेशनल सेलेक्टर जॉर्ज बेली ने कहा कि हमारा समझना यह है कि डेविड रिटायर हो चुके हैं और जिस तरह से उनका तीनों फॉर्मेट में करियर रहा है उसकी सराहना की जानी चाहिए। हमारी रणनीति यह है कि वह पाकिस्तान में नहीं होंगे।

वॉर्नर ने टी-20 वर्ल्ड कप के बाद संन्यास ले लिया था

वॉर्नर ने टी-20 वर्ल्ड कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं उन्होंने जनवरी में कहा था कि पिछला साल वनडे विश्व कप जीतने के साथ ही उनका इस फॉर्मेट में करियर समाप्त हो गया है। वॉर्नर टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास का ऐलान पहले ही कर चुके थे। जॉर्ज बेली ने वॉर्नर की वापसी के संबंध में कहा कि आप कभी नहीं बता सकते कि वे कब मजाक कर रहे हैं। उनका करियर शानदार रहा है, जिसका जश्न मनाना मुश्किल है। मेरे ख्याल से जैसे-जैसे समय बीतेगा, वैसे-वैसे हम ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में उनके योगदान पर विचार करते रहेंगे। वो एक महान खिलाड़ी हैं और उनकी विरासत यूं ही आगे बढ़ती रहेगी। जहां तक इस टीम की बात है, यहां कुछ नए और उभरते हुए खिलाड़ी सामने आएंगे। तीनों फॉर्मेट में यह बदलाव का सफर रोमांचक रहने वाला है।

वॉर्नर 3 बार वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा

वॉर्नर 3 बार वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रहे हैं, इसमें 2015 और 2023 का वनडे वर्ल्ड कप और 2021 का टी-20 वर्ल्ड कप शामिल है। वॉर्नर 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी रहे।

भारत को टेबल टेनिस में पहला पदक जीतने की उम्मीद

खिलाड़ियों पर रहेगा दारोमदार

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में अब ज्यादा दिन शेष नहीं रह गए हैं। भारतीय दल से इस बार काफी उम्मीदें है और टेबल टेनिस खिलाड़ी भी पदक के लिए पूरा दम लगाने को लेकर पूरी तरह तैयार हैं। 1988 ओलंपिक में भारत पहली बार टेबल टेनिस में खेलने उतरा था, लेकिन अब तक टीम को इन खेलों में कभी सफलता नहीं मिली है। देश को उम्मीद है कि इस बार टेबल टेनिस में भी भारत पदक का खाता खोलेगा।

पहली बार पुरुष और महिला भारतीय टीम एक साथ करेगी शिरकत

ओलंपिक में पहली बार ऐसा होने जा रहा है जब पुरुष और महिला भारतीय टीम एक साथ पेरिस ओलंपिक में शिरकत करेंगी। टेबल टेनिस में भारतीय चुनौती की जिम्मेदारी पांचवां ओलंपिक खेलने जा रहे अचंत शरत कमल और मनिका बत्रा के कंधों पर रहेगी। वहीं, विश्व कप 25 श्रीजा अकुला भी कमाल कर सकती हैं। भारत ने इस खेल में कभी पदक नहीं जीता है, लेकिन पेरिस में हिस्सा ले रही टीम अपने दिन किसी भी टीम को हराने में सक्षम है। श्रीजा अकुला ने बीते महीने ही डब्ल्यूटीटी कटेंडर का खिताब जीता था। सऊदी स्मैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली मनिका की विश्व रैंकिंग 28 है। अर्चना कामथ 123वें नंबर पर है, जबकि शरत कमल 40वें, मानव ठक्कर 56वें और हरमीत देसाई 86वें नंबर पर हैं।

जर्मनी में तैयारी कर रही है टीम

भारतीय टीम इस वक्त जर्मनी के सारब्रुकेन में तैयारी कर रही है। टीम के साथ इटली के कोच मासीमो कांस्टेंटीनी हैं, लेकिन मनिका बत्रा और शरत समेत ज्यादातर खिलाड़ियों ने अपने निजी प्रशिक्षकों को वरीयता दी है। पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटी भारतीय टेबल टेनिस टीम में खिलाड़ियों से ज्यादा संख्या सहयोगी स्टाफ की है। ओलंपिक से पहले तीसरी बार भारत के मुख्य कोच के तौर पर लौटे इटली के मास्सिमो कोंस्टेंटिनी के साथ राष्ट्रीय कोच के तौर पर पूर्व खिलाड़ी सौरव चक्रवर्ती हैं। इसके अलावा सरकार ने टीम के साथ जाने के लिए चार निजी कोचों को मंजूरी दी है क्योंकि महिला टीम की तीनों सदस्य निजी कोच ले जाना चाहती हैं। नौ सदस्यीय सहयोगी स्टाफ में दो मालिशिये और एक फिजियो भी हैं जबकि छह खिलाड़ी (तीन महिला और तीन पुरूष) टीम में हैं। स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ अपने निजी कोच लेकर जाएंगी। तीन सदस्यीय पुरुष टीम में भारत के ध्वजवाहक अचंता शरत कमल के साथ उनके कोच क्रिस पेइफेर होंगे। हरमीत देसाई ओर मानव ठक्कर भी टीम में हैं।

टोक्यो में विवादों में घिरी थी भारतीय टीम

टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारतीय टेबल टेनिस टीम विवाद में घिर गई थी जब मनिका ने राष्ट्रीय कोच सौम्यदीप राय से मदद लेने से इन्कार कर दिया और बाद में उन पर मैच फिक्सिंग का आरोप भी लगाया था। पेरिस ओलंपिक से पहले सभी निजी कोच पिछले सप्ताह टीम के साथ जर्मनी रवाना हो गए थे। टीम 21 जुलाई को पेरिस के लिए रवाना होगी।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टेबल टेनिस टीम इस प्रकार है...

> पुरुष : शरत कमल, हरमीत देसाई और मानव ठक्कर

> महिला : मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला, अर्चना कामथ

> रिजर्व : जी साथियान, अहिका मुखर्जी

श्रीराम बालाजी को लेकर बोपन्ना ने कही बात

> मजबूत जोड़ीदार नहीं मिलने पर भी रखी राय

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय टेनिस टीम के अनुभवी खिलाड़ी रोहन बोपन्ना पेरिस ओलंपिक में दमदार प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। बोपन्ना का यह अंतिम ओलंपिक होगा जिसमे वह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे। बोपन्ना पेरिस खेलों में अपने जोड़ीदार एन श्रीराम बालाजी के साथ उतरेंगे। कहा जा रहा है कि बालाजी मजबूत जोड़ीदार नहीं है, लेकिन बोपन्ना को इसे लेकर कोई शिकायत नहीं है और उन्होंने बालाजी की काफी सराहना की है।

भारत के इस अनुभवी टेनिस खिलाड़ी ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में उनके जोड़ीदार एन श्रीराम बालाजी काफी आक्रामक खिलाड़ी हैं और बड़े मैचों का दबाव झेलने में सक्षम भी हैं। बोपन्ना अगर विश्व डबल्स रैंकिंग में शीर्ष 10 से बाहर होते तो भारत का कोई खिलाड़ी 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक में इस वर्ग में नहीं होता। 44 वर्ष के बोपन्ना को बालाजी और युकी भांबरी में से चुनना था और अपने कोच स्कॉट डेविडॉफ और बालाचंद्रन मणिकांत से मशविरे के बाद उन्होंने बालाजी को चुना।

'बालाजी काफी आक्रमक खिलाड़ी हैं'

बोपन्ना ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से कहा, मेरा मानना है कि हमारे पास हर मैच जीतने का मौका है। हम सिर्फ भागीदारी के लिए नहीं जा रहे। हम पूरी तैयारी के साथ जाएंगे। एक टीम के रूप में हमारा वही मकसद है। बालाजी काफी आक्रामक खिलाड़ी हैं। हम क्ले कोर्ट पर खेल रहे हैं और उस पर बालाजी बेहतर जोड़ीदार साबित होगा। फिलहाल मैं मैथ्यू एबडेन के साथ खेलता हूं जो क्ले पर अधिक फुर्तीला और आक्रामक है। क्ले कोर्ट पर मुझे ऐसा जोड़ीदार चाहिए जो उस कोर्ट पर मेरे साथ अच्छा तालमेल बना सके। हार्ड कोर्ट या ग्रासकोर्ट पर मैं युकी को चुनता।

जोड़ीदार चुनना बोपन्ना के लिए कठिन फैसला था

बोपन्ना ने हालांकि स्वीकार किया कि यह कठिन फैसला था क्योंकि उन्होंने दोनों में से किसी के साथ टूर पर नहीं खेला है। उन्होंने कहा, हम दोनों में से बालाजी अधिक फुर्तीला है और दोनों फ्लैंक पर दौड़ सकता है। वह मैथ्यू की तरह है, हालांकि मैथ्यू के जितना अनुभव नहीं है।

रैपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारतीयों का निराशाजनक प्रदर्शन

फैबियानो कारुआना बने चैंपियन

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में प्रभावित नहीं कर सके, जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त फैबियानो कारुआना ने उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता। गुकेश ने इस टूर्नामेंट में 14 अंक बनाए और सातवें स्थान पर रहे। गुकेश अलावा इसमे हिस्सा ले रहे एक अन्य भारतीय विदित गुजराती 11 अंकों के साथ नौवें स्थान पर रहे।

रूस के इयान नेपोमनियाचची 18.5 अंकों के साथ पांचवें जबकि अमेरिका के लेवोन आरोनियन 17 अंक बनाकर छठे स्थान पर रहे। अनीश गिरी 13.5 अंकों के साथ 8वें स्थान रहे। क्रोएशिया के इवान सारिक ने 10 अंक बनाए और वह 10वें और अंतिम स्थान पर रहे। कारुआना ने यहां सुपरवेट क्लासिक में जीत दर्ज करने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने 27 अंक बनाकर नॉर्वे के विश्व में नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने शुरू से अच्छा प्रदर्शन किया, जिसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि दूसरे नंबर पर काबिज फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और मैक्सिम वचियर लाग्रेव तथा अमेरिका के वेस्ली सो उनसे चार अंक पीछे रहे।

नवीन कांड में नया खुलासा... विराट कोहली ने दी थी भर-भरकर गालियां, पीछे ही पड़ गए थे

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के दौरान किसी भी मैच, रिकॉर्ड और युवा टैलेंट से अधिक पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली और मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर के बीच तल्खियों ने सुर्खियां बटोरीं। हालांकि, पिछले सीजन कोलकाता नाइटराइडर्स के मेंटॉर के तौर गौतम गंभीर ने विराट कोहली से पैचअप कर लिया, लेकिन लखनऊ सुपर जायंट्स में रहते हुए उनके और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार विराट कोहली के बीच मैदान पर हुई लड़ाई में किसकी गलती थी इस पर किसी ने कभी खुलकर नहीं बोला। अब इस मामले में उस समय मैदान पर मौजूद लखनऊ के स्पिनर अमित मिश्रा ने कई खुलासे किए हैं।

अमित मिश्रा का खुलासा, विराट कोहली को पसंद नहीं आया था गौतम गंभीर का मुंह पर उंगली रखना एक पॉडकास्ट के दौरान बातचीत में एलएसजी के अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा ने खुलासा किया कि कहानी कुछ मैच पहले बेंगलुरु में शुरू हुई थी, जब लखनऊ के मेंटॉर गौतम गंभीर ने बेंगलुरु के प्रशंसकों की ओर 'मुंह पर उंगली' रखने का इशारा किया था। उन्होंने बताया- यह सब बेंगलुरु में शुरू हुआ, जहां हमने (एलएसजी) गेम जीता और गंभीर ने अपनी आक्रामकता दिखाई। दर्शक पागल हो रहे थे, इसलिए गौतम ने उन्हें चुप रहने का इशारा किया। शायद विराट कोहली को यह पसंद नहीं आया। हमें लगा कि मामला गेम के साथ खत्म हो गया, लेकिन यह कोहली के लिए नहीं था। मिश्रा के अनुसार, कोहली शायद गंभीर के इस व्यवहार से खुश नहीं थे और जब दोनों टीमें फिर से आमने-सामने हुईं तो उन्होंने एलएसजी के खिलाड़ियों को गाली देना शुरू कर दिया। मिश्रा ने कहा कि विराट कुछ चीजों से बच सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने आगे बताया- उन्होंने हमारे खिलाड़ियों को गाली देना शुरू कर दिया (लखनऊ में एलएसजी बनाम आरसीबी के रीमैच में)।

पेरिस में पदक का रंग बदलने के लिए तैयार हैं हॉकी खिलाड़ी ललित

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो 2020 में लंबा इंतजार खत्म करते हुए कांस्य पदक जीता था। टीम हालांकि 1980 मॉस्को ओलंपिक के बाद से स्वर्ण पदक नहीं जीत सकी है और टीम के अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी ललित उपाध्याय को यकीन है कि भारत इस बार पदक का रंग बदलने में सफल रहेगा। ललित 41 साल बाद पदक जीतने वाली पुरुष हॉकी टीम के सदस्य रहे थे।

भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक से पहले मानसिक दृढता के लिए स्विटजरलैंड के माइक होर्न्स बेस में तीन दिवसीय शिविर के बाद अब नीदरलैंड में अभ्यास मैच खेलेगी। भारत के लिए 168 मैचों में 45 गोल कर चुके ललित ने कहा, हमें पता है कि उम्मीदें बढ़ी हुई हैं क्योंकि लंबे समय बाद हमने ओलंपिक पदक जीता था। हमें भी खुद से पूरी उम्मीद है कि पदक का रंग बदलेंगे। हमने पिछले चार साल में फिटनेस पर भी काफी मेहनत की है जो मैदान पर नजर आ रही है। फिटनेस में हम दुनिया की शीर्ष टीमों के समकक्ष हैं। युवा खिलाड़ियों के साथ सीनियर्स की फिटनेस का स्तर भी जबरदस्त है।

भारत को मिला है कठिन ग्रुप

भारतीय हॉकी टीम को पेरिस ओलंपिक में पूल चरण में ही आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, अर्जेंटीना जैसे दिग्गजों का सामना करना है। भारत को पेरिस ओलंपिक में पूल बी के पहले मैच में 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से, 29 जुलाई को रियो ओलंपिक 2016 चैंपियन अर्जेंटीना, 30 जुलाई को आयरलैंड, एक अगस्त को टोक्यो ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम और दो अगस्त को पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से खेलना है।

कठिन पूल मिलने से परेशान नहीं हैं ललित

ललित ने कहा, 'ओलंपिक में पूल पर ध्यान देना बेमानी है क्योंकि सभी टीमें पूरी तैयारी के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने आती हैं। हम मैच दर मैच रणनीति बनाएंगे और हर मैच में सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे।' टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारतीय टीम के 11 खिलाड़ी पेरिस में भी खेलेंगे जबकि पांच खिलाड़ियों का पहला ओलंपिक है। ललित ने हालांकि कहा कि युवा खिलाड़ी भी इतना खेल चुके हैं कि ओलंपिक का दबाव आसानी से झेल लेंगे। उन्होंने कहा, ये लड़के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं जहां ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने का काफी दबाव होता है लिहाजा ओलंपिक का दबाव भी झेलने में सक्षम हैं। हम काफी समय से इनके साथ खेल रहे हैं और तालमेल अच्छा है। एक दूसरे से बात करते रहते हैं और अनुभव साझा करते हैं।

एसी चैंबर में मत बैठिए, बाहर निकलिए और लोगों के बीच काम कीजिए

सीएम रेवंत ने कलेक्टरों को दिए निर्देश

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने जिला कलेक्टरों से कहा कि वे अपने कार्यालयों से बाहर निकलें और लोगों की आकांक्षाओं का पता लगाएं तथा उसके अनुसार काम करें। उन्होंने मंगलवार को सचिवालय में कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस में कहा कि एसी कक्षों तक सीमित रहने से आपको काम से संतुष्टि नहीं मिलेगी। मुख्यमंत्री प्रजा पालना, धरणी मुद्दे, खरीफ सीजन की खेती, जन स्वास्थ्य-मौसमी बीमारियों, शिक्षा, कानून व्यवस्था और अन्य मुद्दों पर सभी कलेक्टरों, पुलिस आयुक्तों, एसपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। पिछले साल 24 दिसंबर को भी इसी तरह की बैठक हुई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कलेक्टरों द्वारा शुरू किए गए हर काम से लोगों को यह याद दिलाना चाहिए कि यह एक जन-हितैषी सरकार है। उन्होंने कहा कि कल्याण और विकास के बीच संतुलन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी कलेक्टरों पर है और इस संबंध में फील्ड विजिट अनिवार्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रत्येक छात्र पर प्रति माह लगभग 85,000 रुपये खर्च कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा क्षेत्र तेलंगाना के पुनर्विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र को बदनाम न होने देने के लिए सभी उपाय किए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि कलेक्टरों की जिम्मेदारी है कि वे नियमित रूप से सरकारी स्कूलों और अस्पतालों का निरीक्षण करें और उनके प्रदर्शन की निगरानी करें। उन्होंने कहा कि जब कुछ शिक्षकों का तबादला हुआ तो छात्र भावुक हो गए और उन्हें अपने परिवार के सदस्यों की तरह विदाई दी। इसी तरह, जब कलेक्टर का तबादला होता है तो लोगों को भी उसी तरह की प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रजावाणी के मुद्दों को नियमित रूप से संबोधित किया जाना चाहिए और छह गारंटियों को प्रभावी और पारदर्शी तरीके से लागू करने की जिम्मेदारी कलेक्टरों पर है।

फसल ऋण योजना के लाभ के लिए भूमि पासबुक जरूरी

राशन कार्ड को अनिवार्य करने को लेकर सीएम ने किया स्पष्ट

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा किसानों के लिए फसल ऋण माफी का लाभ उठाने के लिए राशन कार्ड को अनिवार्य बनाने संबंधी दिशानिर्देश जारी करने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि किसानों के लिए 2 लाख रुपये की फसल ऋण माफी योजना को लागू करने के लिए भूमि पासबुक का उपयोग किया जाएगा।

सचिवालय में कलेक्टरों के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राशन कार्ड का उपयोग केवल किसान परिवार की पहचान के लिए किया जाएगा। मुख्यमंत्री का स्पष्टीकरण विभिन्न पक्षों द्वारा उठाई गई इस आशंका के मद्देनजर आया है कि यदि राशन कार्ड को अनिवार्य कर दिया गया तो कई किसान ऋण माफी का लाभ नहीं उठा पाएंगे, क्योंकि कई किसानों के पास राशन कार्ड नहीं हैं।

'बीबी का अलम' जुलूस के चलते आज यातायात में बदलाव

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद यातायात पुलिस ने बुधवार को पुराने शहर में बीबी का अलम जुलूस के मद्देनजर दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक यातायात में परिवर्तन की घोषणा की। वाहनों को सुनारगली 'टी' जंक्शन पर बीबी-का-अलावा की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा उन्हें दबीरपुरा दरवाजा और गंगा नगर नाला की ओर मोड़ दिया जाएगा तथा यातायात को शेख फैज कमान की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा उन्हें जब्बार होटल की ओर मोड़ दिया जाएगा।

एतेबार चौक से वाहनों को बड़ा बाजार की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा उन्हें कोटला अलीजा या पुराना हवेली की ओर मोड़ दिया जाएगा। जब मुख्य जुलूस गंगा नगर नाला पहुंचेगा, तो पुरानी हवेली से वाहनों को एतेबार चौक की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा उन्हें छत्ता बाजार, दबीरपुरा या एसजे रोटरी की ओर मोड़ दिया जाएगा।

मोगलपुरा और वोल्टा होटल से यातायात को बीबी बाजार एक्स रोड पर तथा मिट्टी-का-शेर और मदीना से यातायात को गुलजार हाउस पर मोड़ दिया जाएगा। जब जुलूस कोटला अलीजा पहुंचेगा तो मोगलपुरा पानी की टंकी से यातायात को हाफिज डंका मस्जिद से पेरिस कैफे या बीबी बाजार की ओर मोड़ दिया जाएगा, और शक्करकोट से यातायात को मिट्टी-का-शेर जंक्शन की ओर मोड़ दिया जाएगा। नयापुल से यातायात को चारमीनार की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा उसे मदीना एक्स रोड से सिटी कॉलेज की ओर मोड़ दिया जाएगा तथा जब जुलूस मीरालम मंडी पहुंचेगा तो चादरघाट रोटरी, नूरखान बाजार, सालारजंग संग्रहालय तथा शिवाजी ब्रिज से यातायात को सालारजंग रोटरी से नयापुल, शिवाजी ब्रिज तथा नूरखान बाजार की ओर मोड़ दिया जाएगा।

जब जुलूस अलावा सरताक पहुंचेगा तो चादरघाट रोटरी से यातायात को काली खबर की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा चादरघाट रोटरी से यातायात को चादरघाट पुल के माध्यम से रंगमहल या कोटि की ओर मोड़ दिया जाएगा, तथा गौलीगुड़ा या अफजलगंज से यातायात को गौलीगुड़ा की ओर सलार जंग/शिवाजी ब्रिज के प्रवेश द्वार पर अफजलगंज और गौलीगुड़ा की ओर मोड़ दिया जाएगा।

जब जुलूस अलवा सरताक पहुंचेगा तो यातायात को एसजे रोटरी की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और इसे नयापुल से मदीना की ओर मोड़ दिया जाएगा। एपीएसआरटीसी/टीजीएसआरटीसी जिला बसों को सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक प्रवेश और निकास के लिए रंग महल और अफजलगंज की ओर मोड़ दिया जाएगा और जब तक जुलूस गंतव्य तक नहीं पहुंच जाता, उन्हें कालीकबर और मीरालम मंडी रोड पर आने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सिकंदराबाद में टैंक बंड से कर्बला मैदान की ओर जाने वाले यातायात को चिल्ड्रन पार्क से कवाडीगुडा, बाइबिल हाउस और आरपी रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा। आरपी रोड से कर्बला मैदान की ओर जाने वाले यातायात को बाइबिल हाउस के पास ट्रैफिक आइलैंड से कवाडीगुडा एक्स रोड के रास्ते मोड़ दिया जाएगा। सेंट्रल टेलीग्राफ आइलैंड और रानीगंज के बीच महात्मा गांधी रोड रानीगंज की ओर वन वे रहेगी।

कार दुर्घटना में एक की मौत

छह घायल, अस्पताल में चल रहा इलाज

कामारेड्डी, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के बीकानेर मंडल के सिद्धरामेश्वरनगर गांव के बाहरी इलाके में मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े ट्रक से कार टकराने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान शिव कुमार के रूप में हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, कार हैदराबाद से निर्मल की ओर जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि ड्राइवर के नियंत्रण खोने के कारण कार खड़े ट्रक से जा टकराई। स्थानीय लोगों ने क्षतिग्रस्त कार से घायलों को बाहर निकाला और उन्हें इलाज के लिए कामारेड्डी सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने शिव कुमार के शव को अस्पताल पहुंचाया और मामला दर्ज कर लिया है।

जलजमाव वाले स्थानों पर आपातकालीन टीमें अलर्ट पर

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून आपातकालीन टीमें मैदानी स्तर पर बाढ़ से निपटने के लिए तैयार हैं क्योंकि मौसम विभाग ने ग्रेटर में बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। बारिश होने की स्थिति में जलजमाव स्थल पर पानी जमा होने से ट्रैफिक जाम की स्थिति को लेकर जीएचएमसी कमिश्नर और जोनल कमिश्नर लगातार आदेश जारी कर अलर्ट कर रहे हैं। इसके अलावा समीक्षा में लापरवाही बरतने वाले मैदानी स्तर के अधिकारियों को कार्रवाई के लिए सचेत किया गया है। अपने संबंधित अधिकार क्षेत्र में जल जमाव बिंदुओं के लिए क्षेत्र स्तर के अधिकारियों द्वारा नियुक्त मानसून आपातकालीन टीमें श्रमिकों को सचेत करेंगी और पानी हटाएंगी।

बारिश के प्रभाव के कारण तैरने वाली सामग्री को स्थैतिक टीमों द्वारा साफ किया जाता है। बाढ़ नहर में बारिश का पानी रुकने से

रोकने के उपाय किये गये हैं। इसके अलावा, कुछ ने जल जमाव बिंदु पर एक आश्रय स्थल भी स्थापित किया है। उन्होंने जनता को यह बताने के लिए एक बैनर लगाया कि बारिश होने पर हम तैयार हैं।

बारिश होने पर जलजमाव स्थल पर पानी जमा न हो, इसके लिए वाहन भी तैयार किया गया है। मानसून योजना के तहत जोनवार निविदाएं बुलाई गईं। जीएचएमसी में मानसून आपातकालीन टीमें 254 मानसून आपातकालीन टीमें और 238 स्टेटिक टीमें बनाई गई हैं। उनके साथ सीआरएमपी 29 और ईवीडीएम 30 टीमें काम कर रही हैं. हालांकि, तैरती हुई सामग्री को बाढ़ चैनल से हटा दिया गया था और पानी को सीधे बहने की अनुमति देने के लिए बारिश के पानी द्वारा लाई गई रेत और मिट्टी को हटाकर सड़क को साफ किया गया था। जीएचएमसी क्षेत्र में बाढ़ के कारण लोगों को परेशानी न हो, इसके लिए जीएचएमसी के आयुक्त ने विशेष कदम उठाए हैं।

अध्यात्मिक दीक्षा पूरे साल रहेगी

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण एवं देवदया धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने प्रदेशवासियों को पहली एकादशी की शुभकामनाएं दीं। मंत्री ने कहा कि पहली एकादशी (17 जुलाई) से शुरू होने वाली अध्यात्मिक दीक्षा पूरे साल जारी रहेगी।

मंत्री सुरेखा ने कहा कि आषाढ़ माह के दौरान मौसम में बदलाव के कारण शरीर में होने वाले बदलावों को ध्यान में रखते हुए इस दिन व्रत रखने और भगवान का ध्यान करने की परंपरा चली आ रही है। उन्होंने कहा कि उपवास से स्वास्थ्य और इंद्रिय संयम को बढ़ावा मिलता है। मंत्री सुरेखा ने प्रार्थना की कि पहली एकादशी लोगों के जीवन में खुशियां और सौभाग्य लाए।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश भघेल ने सचिवालय में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की।

हैदराबाद में सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचीं सोने की कीमतें

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में सोने की कीमतें इस साल तीसरी बार सबसे ज़्यादा बढ़ गई हैं। मंगलवार को 24 कैरेट सोने की कीमत 75,570 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई, जिसने एक नया रिकॉर्ड बनाया। पिछले चार महीनों में, पीली धातु की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहा है, जो 75,000 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गया और 72,000 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। साल की शुरूआत में, सोने की कीमतें अप्रैल में 74,340 रुपये और मई में 75,160 रुपये तक पहुंच गई थीं, फिर 72,000 रुपये के आसपास स्थिर हो गईं। हालांकि, मौजूदा तेजी का रुझान बताता है कि कीमतें जल्द ही 78,000 रुपये तक पहुंच सकती हैं।

नवविवाहित जोड़े ने की आत्महत्या

रिश्तेदारों को ठहराया जिम्मेदार

निजामाबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पोटांगल में सोमवार शाम को एक नवविवाहित जोड़े ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उनकी पहचान जिले के पोटांगल मंडल के हेगडोली गांव के अनिल और शैलजा के रूप में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, दंपत्ति ने आत्महत्या का कारण बताते हुए एक वीडियो बनाया और पुलिस को भेजा। पुलिस ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए। वीडियो में उन्होंने अपने रिश्तेदारों पर उनके खिलाफ दुर्भावनापूर्ण प्रचार करने का आरोप लगाया, जिससे उन्हें मानसिक आघात पहुंचा है। शैलजा ने वीडियो को कोटागिरी एसआई संदीप को भेजा, जिन्होंने तुरंत जवाब दिया और वीडियो के साथ फोन नंबर नवीपेट एसआई को भेज दिया।

जानकारी मिलने पर कि प्रेमी युगल गोदावरी नदी पर आत्महत्या करने के लिए आ रहे हैं, स्थानीय पुलिस बसारा पुल पर गई लेकिन जब वे पुल पर नहीं मिले, तो पुलिस ने फोन नंबर ट्रैक किया और फकीराबाद और मिट्टापुर गांव के बीच रेलवे ट्रैक पर उनके शव मिले। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

लोड्डी मल्लन्ना मंदिर में बाहरी लोगों के लिए प्रवेश नहीं

'तोली एकादशी' के लिए लिया गया निर्णय

नागरकर्नूल, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न वर्गों के भारी दबाव के बावजूद वन विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि स्थानीय चेंचू जनजातियों को छोड़कर किसी भी बाहरी व्यक्ति को बुधवार को तोली एकादशी के अवसर पर लोड्डी मल्लन्ना मंदिर में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह मंदिर श्रीशैलम रोड पर मन्ननूर चेकपोस्ट के पास नल्लामाला के जंगलों के अंदर स्थित है। टोली एकादशी पर अलग-अलग जगहों से लोग मंदिर में दर्शन करने के लिए उत्सुक रहते हैं और पहले वन अधिकारी उन्हें एक दिन के लिए अनुमति देते थे। हालांकि, पिछले कुछ सालों से विभाग ने लोगों के बड़ी संख्या में मंदिर में आने पर सख्ती से प्रतिबंध लगा दिया है। अमराबाद के एफडीओ रोहित गोपीदी ने कहा कि हम स्थानीय चेंचू लोगों को पूजा करने और उनकी पारंपरिक पूजा करने की अनुमति देंगे। वे बाहर से लोगों को अनुमति न देने के पीछे के कारणों से अवगत हैं।

उन्होंने कहा कि यह जंगली जानवरों, खास तौर पर बाघों के लिए प्रजनन का मौसम है। अमराबाद अब कई बाघों का घर है और हम उनके संरक्षण के लिए किए जा रहे अच्छे काम को जारी रखना चाहते हैं। बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही जंगली जानवरों को परेशान कर सकती है, साथ ही प्रजनन गतिविधियों को भी प्रभावित कर सकती है।

उन्होंने बताया कि दरअसल, कुछ दिन पहले जब कुछ स्थानीय चेंचू लोग बारिश के लिए मंदिर में प्रार्थना करना चाहते थे, तो वन कर्मचारी उनके साथ गए थे। यह काम कुछ ही घंटों में पूरा हो गया। इसके अलावा, अगर बाहर से लोगों को आने दिया गया तो जंगल में बहुत ज़्यादा प्रदूषण होगा, खास तौर पर प्लास्टिक और दूसरे कचरे को फेंका जाएगा। वन अधिकारियों ने बताया कि दूर-दूर से आने वाले लोग यहां रात भर रुकते हैं और मांसाहारी भोजन भी करते हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि कुछ साल पहले कुछ लोगों ने मंदिर में डीजे म्यूजिक सिस्टम का आयोजन किया था। ये सभी प्रथाएं राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के नियमों के खिलाफ हैं। हालांकि, वन विभाग के आदेशों के विपरीत, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और व्हाट्सएप ग्रुपों पर संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं कि लोगों को मिलने की अनुमति दी जा रही है।

एक संदेश में, स्थानीय कांग्रेस विधायक डॉ. वामसी कृष्णा वन अधिकारियों से बात करते हुए और उनसे तीन दिनों के लिए लोगों को मंदिर में दर्शन की अनुमति देने का अनुरोध करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

872 शिक्षकों की नियुक्ति को मंजूरी

8 नए मेडिकल कॉलेजों में अनुबंध के आधार पर सरकार ने उठाए कदम

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने मंगलवार को राज्य स्वास्थ्य विभाग को आठ नए आगामी सरकारी मेडिकल कॉलेज और सामान्य अस्पतालों के लिए अनुबंध के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में 872 शिक्षण संकाय को नियुक्त करने की अनुमति दी है, जो चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) के प्रशासनिक नियंत्रण में आते हैं।

सरकारी आदेश (जीओ. आरटी संख्या 1127, दिनांक 13 जुलाई, 2024) में कहा गया है कि 31 मार्च, 2025 तक या नियमित पदों के भरे जाने तक या वास्तविक आवश्यकता समाप्त होने तक, जो भी पहले हो, अनुबंध के आधार पर संकाय को नियुक्त करने की अनुमति है।

आठ नए मेडिकल कॉलेजों में से प्रत्येक को 25 प्रोफेसर, 28 एसोसिएट प्रोफेसर और 56 सहायक प्रोफेसरों के साथ 109 स्वास्थ्य कर्मियों को नियुक्त करने की अनुमति दी गई है। कुल मिलाकर, इन आठ मेडिकल कॉलेजों में कुल 200 प्रोफेसर, 224 एसोसिएट प्रोफेसर और 448 सहायक प्रोफेसर (कुल 872) अनुबंध के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे। प्रोफेसर का मासिक पारिश्रमिक 1,90,000 रुपये, एसोसिएट प्रोफेसर का 1,50,000 रुपये और सहायक प्रोफेसर का 1,25,000 रुपये है। 8 नए मेडिकल कॉलेजों में जोगुलम्बा गडवाल, नारायणपेट, मुलुगु, नरसामपेट, मेडक, यदाद्री भोंगीर, महेश्वरम और कुथबुल्लापुर शामिल हैं।

हुजूराबाद में आग से 16 फल की दुकानें खाक

करीमनगर, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हुजूराबाद कस्बे के अंबेडकर चौक स्थित बाजार क्षेत्र में सोमवार रात आग लगने से 16 फलों की दुकानें, नौ इलेक्ट्रिकल दुकानें और सात छोटे व्यापारिक प्रतिष्ठान जलकर खाक हो गए। हालांकि आग लगने का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन बताया जा रहा है कि आग अचानक लगी थी। आग की वजह फलों की दुकान थी। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए। उन्होंने पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही हुजूराबाद सीआई रमेश, एसआई संबैया गौड़ के साथ मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने की कोशिश की। इसके बाद हुजूराबाद और जम्मीकुंटा से दमकल गाड़ियों को आग बुझाने के लिए भेजा गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.